THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 149 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.1 2083 शनिवार, 29 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एनसीबी ने चार राज्यों में बुलाई जेसीसी की बैठक, बड़े तस्करों पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग तस्करी के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए इस हफ्ते चार राज्यों (बिहार, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और मिजोरम) में तिमाही राज्य स्तरीय जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी (जेसीसी) की बैठकें बुलाई। इसकी जानकारी अनसीबी ने 'एक्स' पोस्ट के जरिए दी। इसका मकसद नशा तस्करी के खिलाफ एजेंसियों के बीच तालमेल को और मजबूत करना है। बता दें कि एनसीबी देश भर में नियमित रूप से तिमाही राज्य स्तरीय जेसीसी बैठकें आयोजित करता है ताकि ड्रग तस्करी के खिलाफ इंटर-एजेंसी कार्रवाई को मजबूत किया जा सके।

नेपाल पुलिस ने फिर जारी किया अलर्ट

प्रलय में 579 की मौत, 117 पर्यटक रेस्क्यू

> 21 भारतीय सुरक्षित दिल्ली पहुंचे > 320 अब भी लापता

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बिब्बत-नेपाल सीमा पर बनी झील का एक किनारा टूटने से नेपाल में एक बार फिर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। यह चिंताजनक इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि नेपाल बाढ़ की मार से बेहाल है। भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ के बाद नेपाल के कई जिलों में तबाही का मंजर है। इस पड़ोसी देश को जान-माल का जबरदस्त नुकसान हुआ है और बाढ़ में मरने वाले लोगों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जिलों में भारी तबाही हुई है। बाढ़ के पानी के साथ कीचड़ और मलबा भी आया है।

नेपाल के चितवन, नवलपरासी ईस्ट, धादिंग, गोरखा, नुवाकोट, तनहुन, रसुवा और नवलपरासी वेस्ट में बड़ी संख्या में शव बरामद किए गए हैं। बाढ़ और भूस्खलन के बाद नेपाल और तिब्बत में लगभग 1000 लोग लापता हैं। लापता पर्यटकों में सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की है, इसके बाद अमेरिका के 65, यूक्रेन के 53 और मलेशिया के 51 पर्यटक शामिल हैं। 'द काठमांडू पोस्ट' ने गुरुवार को चीन के जल मंत्रालय के हवाले से बताया कि चीन ने नेपाल को बाढ़ के नए खतरों के बारे में चेतावनी दी है। जल मंत्रालय के मुताबिक, एक बड़ी बैरियर झील बन गई है और बीजिंग ने कहा है कि झील पहले से ही ओवरफ्लो हो रही है और आने वाले दिनों में इसमें और पानी आने से यह टूट सकती है।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों के शीर्ष अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। खनाल के कार्यालय ने बताया कि इन देशों ने नेपाल के साथ एकजुटता जताई और तलाश एवं बचाव कार्यों में सरकार की मदद करने का वादा किया। नेपाल पुलिस ने कहा कि प्रभावित इलाकों से अब तक 50 विदेशियों समेत 796 लोगों को हेलीकॉप्टर के जरिये बचाया गया है, जबकि अन्य 796 लोगों को सड़क मार्ग से सुरक्षित निकाला गया है। पानी, कीचड़ और मलबे के तेज बहाव की वजह से कई कस्बे और गांव तबाह हो गए। मकान, वाहन, सड़कें एवं पुल बह गए तथा जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा। बचावकर्मी कीचड़ और मलबे से भरे इलाकों में लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं और अपने परिजनों का पता लगाने के लिए बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 320 भारतीय नागरिकों से अब भी संपर्क नहीं हो पाया है। मंत्रालय ने कहा कि उनका पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

नेपाल के तंत्र में क्या हैं बड़ी चुनौतियां?

हिमस्खलन जैसी घटनाओं का पहले से पता लगाना मुश्किल। | बाढ़ आने के बाद चेतावनी के लिए बहुत कम समय बचता है।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने कलकत्ता हाईकोर्ट का किया रुख

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के गुट ने शुक्रवार को मध्य कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित पार्टी के सांसद अभिषेक बनर्जी के कार्यालय की छत से अवैध बिलबोर्ड हटाए जाने को लेकर चल रहे विवाद के संबंध में कलकत्ता हाईकोर्ट की विशेष एकल पीठ से संपर्क किया। तृणमूल कांग्रेस के वकील और पश्चिम बंगाल के पूर्व एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने इस मामले की ओर न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया। न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की अध्यक्षता वाली विशेष एकल पीठ ने इस मामले में मुकदमा दायर करने की अनुमति दी।

पीएम की अपील पर 97% मंत्री इंस्टाग्राम पर एक्टिव

शाह के 8 लाख फॉलोअर्स बढ़े; मंत्रियों ने 1 महीने में 1000 से ज्यादा पोस्ट किए

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 जुलाई 2026 को कैबिनेट बैठक में मंत्रियों से इंस्टाग्राम पर ज्यादा सक्रिय होने, रील बनाने व युवाओं से संवाद करने को कहा था। इसके बाद 24 अगस्त तक 29 में से 28 यानी 97% कैबिनेट मंत्रियों की इंस्टाग्राम एक्टिविटी बढ़ी है। जदयू के राजीव रंजन सिंह को छोड़ सभी मंत्री ज्यादा सक्रिय हैं। मोदी कैबिनेट में सबसे ज्यादा फॉलोअर्स गृह मंत्री शाह के बढ़े हैं। पिछले 1 महीने में उनके 8.53 लाख फॉलोअर्स बढ़े हैं।

पीएम की सलाह के बाद मंत्रियों ने रील्स पर जोर दिया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नीतियों व अहम मुद्दों को रील्स के ज़रिए समझाने पर जोर दिया। मंत्रियों ने पिछले 1 महीने में 1,179 पोस्ट किए हैं। यह पहले की तुलना में 48% ज्यादा है। नीट पेपर लीक पर जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पीएम मोदी ने कई बार सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया था। इन वीडियो में उन्होंने जेन-जी को पेपर लीक के मुद्दे पर संबोधित किया था। एक वीडियो में पीएम ने उन स्टूडेंट्स को माफ करने की भी बात कही थी जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान उन्हें गाली दी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दीं।

काठमांडू और बीजिंग में भारत के राजदूत से सीधे बात की

विदेश मंत्री जयशंकर ने नेपाल में बचाव कार्य की समीक्षा की

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल के तीन जिलों में भोटेकोसी नदी में अचानक आई बाढ़ से मची तबाही को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को विशेष समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विदेश मंत्रालय की टीम और काठमांडू तथा बीजिंग में भारत के राजदूत मौजूद रहे। इस दौरान राहत और बचाव कार्यों के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद लोगों की सुरक्षा पर चर्चा की गई।

जयशंकर ने नेपाल में चल रहे बचाव कार्य की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि नेपाल में चल रहे राहत और बचाव कार्यों पर चर्चा हुई। काठमांडू और बीजिंग में हमारे दूतावासों ने भारतीय नागरिकों की स्थिति और उनकी सलामती के बारे में ताजा जानकारी दी। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, 'आज नेपाल में चल रहे राहत और बचाव कार्यों पर चर्चा हुई। काठमांडू और बीजिंग में हमारे दूतावासों ने भारतीय नागरिकों की स्थिति और उनकी सलामती के बारे में ताजा जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के संबंधित विभागों ने हमें नेपाल भेजे जाने वाले और राहत सामान के बारे में जानकारी दी। हम इस मामले को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देते हैं।' नेपाल में आई बाढ़ की आपदा को लेकर मैंने विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय की टीम और काठमांडू तथा बीजिंग में भारत के राजदूतों के साथ समीक्षा बैठक की।

लद्दाख में अब हाई कोर्ट की बेंच, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। लद्दाख के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों और मुकदमों के मुवक्किलों के लिए न्याय पाना अब बेहद आसान और सुलभ होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख साझा हाई कोर्ट की नियमित बेंच के आयोजन का रास्ता पूरी तरह साफ कर दिया है। राष्ट्रपति की ओर से जारी किए गए इस नए नियम के तहत अब लद्दाख के वादकारियों को सुनवाई के लिए श्रीनगर या जम्मू के चक्कर काटने से बड़ी राहत मिलेगी।

'मेरे भाग्य में आंदोलनों से निपटना ही लिखा है'

अमित शाह ने कोरोना काल को याद किया

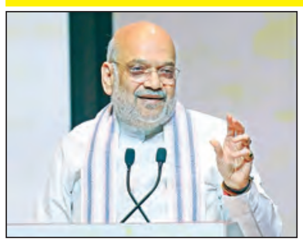

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मुझे हमेशा से गृह मंत्रालय ही मिलता है। मेरे भाग्य में आंदोलनों से निपटना ही लिखा है।

साथ ही, गृह मंत्री ने कोरोना काल का जिक्र कर कहा कि उस समय देश ने जिस धैर्य का परिचय दिया वो काबिले तारीफ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कार्यक्रम में कहा, मैं एक अनुभव बताना चाहता हूं कि मैं जब भी राज्य या केंद्र में मंत्री बना हूं, मुझे गृह मंत्रालय ही मिला है। तो मेरे भाग्य में आंदोलनों से निपटना ही लिखा है। आतंकियों से भी निपटना है। एक कर्फ्यू को लागू करना होता है तो अहमदाबाद जैसे शहर में कम से कम 300 पुलिस की गाड़ी पर माइक लगाकर घोषणा करानी पड़ती है कि कल सुबह आठ बजे से कर्फ्यू लागू किया गया है कोई घर से बाहर ना निकले।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोरोना काल को भी याद किया। उन्होंने कहा, कोरोना जब हमारे यहां पर दो मौतें हुईं और पुणे की लैब से सत्यापित किया कि कोरोना है और यह तेजी से फैलेगा। इसकी मेरे ऑफिस में प्रेजेंटेशन भी हुई। तब मैं पीएम मोदी के पास में चिंता लेकर गया था। पीएम ने मुझसे कहा कि चिंता करके क्या होगा, इसके रास्ते सोचने होंगे। उन्होंने कहा कि जनता कर्फ्यू लगाते हैं, जनता को साथ में लेना पड़ेगा। मैंने पूछा कि जनता कर्फ्यू क्या होता है, हम किसी को कानून से नोटिफिकेशन से घोषणाओं से बाधित नहीं करेंगे।

डीएचएफएल ने 42871 करोड़ रुपये के लोन का गलत इस्तेमाल किया

> 17 बैंकों को हुआ 34615 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हेडक्वार्टर इन्वेस्टिगेशन यूनिट ने पिछले दिनों प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत एक सर्च ऑपरेशन चलाया। यह ऑपरेशन दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) और उसके प्रमोटरों द्वारा किए गए लोन फ्रॉड से जुड़ी मनी-लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में किया गया। ईडी ने तलाशी के दौरान 5.41 मिलियन यूएस डॉलर की संपत्ति फ्रीज की है। आरोप है कि विदेशी संपत्ति, 'हर्टमोर हाउस' (यूके), को कई ट्रांजैक्शन के जरिए बेचा गया था।

एफआईआर 17 बैंकों के कंसोर्टियम की ओर से की गई दर्ज

ईडी ने सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी। यह एफआईआर 17 बैंकों के कंसोर्टियम की ओर से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद दर्ज की गई थी। एफआईआर में कहा गया है कि कपिल वधावन और धीरज वधावन समेत आरोपी व्यक्तियों ने कंसोर्टियम बैंकों को धोखा देने के लिए आपराधिक साजिश रची। इन बैंकों ने डीएचएफएल को कुल 42,871.42 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधाएं मंजूर की थीं। लोन के पैसे को डीएचएफएल के अकाउंट्स की किताबों में हेराफेरी करके दूसरी जगह भेज दिया गया। उसका गलत इस्तेमाल किया गया, जिससे कंसोर्टियम लेंडर्स को लगभग 34,615 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

जांच से पता चला है कि कपिल वधावन की पत्नी वनिता वधावन के नाम पर मौजूद एक विदेशी संपत्ति, 'हर्टमोर हाउस' (यूनाइटेड किंगडम), को कई ट्रांजैक्शन के जरिए बेच दिया गया। इन ट्रांज़ैक्शन में उनके नाम पर एक फर्जी देनदारी बनाई गई थी। अल जालोर ट्रेडिंग 'एफजेडई' और वनिता वधावन के बीच एक कथित लोन एग्रीमेंट किया गया।

उसी के तहत यूके की उक्त संपत्ति को गिरवी रखा गया। जांच से पता चला है कि इस व्यवस्था का इस्तेमाल विदेशी संपत्ति पर बोझ बनाने के लिए किया गया था, ताकि डीएचएफएल लोन फ्रॉड से भारत में पैदा हुई देनदारी को निपटाया जा सके।

करोड़ों की रकम में हुआ हेरफेर

इसके बाद, 2026 में वह प्रॉपर्टी बेच दी गई। बिक्री से मिली रकम रजिस्टर्ड मालिक वनिता वधावन को मिलने के बजाय, भारत में मौजूद अल जालोर ट्रेडिंग के बैंक अकाउंट में भेजी गई। इस तरह, इस ट्रांजैक्शन में अपराध से मिली रकम का गलत इस्तेमाल हुआ। साथ ही, विदेशी प्रॉपर्टी और कंपनियों से जुड़े एक खास तरह के ट्रांजैक्शन के जरिए भारतीय देनदारी को चुकाने के मकसद से विदेशी एसेट का इस्तेमाल और निपटान किया गया।

बीजेपी ने चुनाव 'हाईजैक' किया : ममता बनर्जी

वोट लूटने के लिए एसआईआर का इस्तेमाल, बंगाल में पुलिस के जरिए डर का माहौल बनाया जा रहा

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने चुनाव 'हाईजैक' करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया। वोटर लिस्ट से लाखों नाम गैर-कानूनी तरीके से हटाकर 'वोट लूटने' के लिए एसआईआर का इस्तेमाल किया गया। ममता ने आगे कहा- भाजपा बंगाल में बांटने वाली राजनीति कर रही है और डर फैलाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। तृणमूल छात्र परिषद का आज स्थापना दिवस है। ममता सहित पार्टी के सीनियर नेताओं ने कोलकाता में एक इवेंट में छात्रों को संबोधित किया।

टीएमसी के शासन में पुलिस का मानवीय चेहरा था, लेकिन बीजेपी ने पुलिस को राक्षसी संस्था में बदल दिया। ममता ने कहा कि वह अपने समर्थकों के खिलाफ पुलिस

की ज्यादती रोकेंगी। उन्होंने कहा कि यह रक्षाबंधन पर उनका संकल्प है। ममता ने बीजेपी पर बंगाल में विभाजनकारी राजनीति करने और पुलिस के जरिए लोगों में डर फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही पूरे राज्य का दौरा शुरू करेंगी और अगर उनकी सभाओं की अनुमति नहीं मिली तो सड़कों पर उतरकर लोगों के बीच जाएंगी। मैं देखूंगी कि उनके पास कितने अंडे और ईंटें जमा हैं। फुटपाथों से हॉकरों को हटाने पर उन्हें आपत्ति नहीं है, लेकिन उनको दूसरी जगह देनी चाहिए।

भारतीय सेना अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल खरीदेगी

सेकेंड्स में दुश्मन के टैंक तबाह होंगे; दागते ही टारगेट को खुद ढूंढ लेगी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रही है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को बताया कि, इसे खरीदने के लिए भारतीय सेना की ओर से लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर साइन कर दिए गए हैं।

जेवलिन एक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। इसे सैनिक कंधे से लॉन्च कर सकते हैं और यह बख्तरबंद वाहनों जैसे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है। एक बार दागने के बाद मिसाइल खुद ही थर्मल टेंपरेचर से टारगेट को ढूंढ लेती है और उसे हिट करती है। भारत कितने जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रहा है और इस सौदे की कुल कीमत कितनी है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जैवलिन (एफजीएम-148) अमेरिका में बना एक मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। इसकी अधिकतम प्रभावी रेंज करीब 4 किलोमीटर है। जेवलिन को लॉकहीड मार्टिन और रिदियॉन के जॉइंट वेंचर (जेजेवी) ने डेवलप किया है। दोनों कंपनियां मिलकर इसका उत्पादन करती हैं। जेवलिन की सबसे खास तकनीक फायर एंड फॉरगेट है। यानी लॉन्च से पहले सिस्टम लक्ष्य को पहचानकर उस पर लॉक करता है और मिसाइल दागे जाने के बाद उसे ऑपरेटर को लगातार नियंत्रित करने की जरूरत नहीं होती। मिसाइल खुद लक्ष्य तक पहुंचती है।

इसमें इन्फ्रारेड सीकर लगा होता है, जिससे यह दिन-रात और अलग-अलग मौसम में लक्ष्य को ट्रैक कर सकती है। जेवलिन टॉप-अटैक मोड में लक्ष्य के ऊपर से हमला कर सकती है, जहां टैंक का कवच आमतौर पर अपेक्षाकृत कमजोर होता है। जरूरत के मुताबिक यह डायरेक्ट-अटैक भी कर सकती है। अमेरिकी दस्तावेज के मुताबिक, भारत ने 100 एफजीएम-148 जेवलिन मिसाइल राउंड, एक फ्लाई-टू-बाय मिसाइल और 25 लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट या ब्लॉक 1 कमांड लॉन्च यूनिट मांगी थीं। हालांकि फाइनल डील कितने पर हुई है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

जोहरान ममदानी का विरोध बेअसर : न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का जोरदार स्वागत

वॉशिंगटन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। शुक्रवार को न्यूयॉर्क में एक राउंडटेबल मीटिंग के दौरान उन्होंने भारतीय-अमेरिकियों से मुलाकात की और कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। यह बातचीत उनके इस दौरे का हिस्सा है, जो आरएसएस की शताब्दी से जुड़े कार्यक्रमों के तहत हो रहा है। इस दौरे की काफी चर्चा है क्योंकि अमेरिका में कई संगठनों और खासतौर से न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत के मैडिसन स्क्वायर गार्डन के कार्यक्रम का विरोध किया है।

मोहन भागवत आरएसएस के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत तीन दिन न्यूयॉर्क में हैं। न्यूयॉर्क में भागवत ने उद्योग जगत की हस्तियों और अधिकारियों के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। >14

वाल्मीकि निगम विवाद : मंत्री बी नागेंद्र ने दिया इस्तीफा

बंगलूरू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री बी नागेंद्र ने महार्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में मंत्रिमंडल से इस्तीफे का एलान कर दिया। उन पर लंबे समय से पद छोड़ने का दबाव था।

भाजपा लगातार उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी और उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रही थी। नागेंद्र ने कहा कि उन्होंने स्वेच्छा से पद छोड़ने का फैसला किया है, जिससे दल को शर्मिंदगी का सामना न करना पड़े। उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा और खुद को उसकी 'मनुवादी राजनीति' का शिकार बताया। यह मामला इसलिए अहम है क्योंकि जिस निगम में कथित गड़बड़ी के आरोप लगे हैं, वह अनुसूचित जनजातियों के विकास से जुड़ा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, निगम के धन को अलग-अलग खातों में भेजे जाने के आरोपों की जांच हुई है। हालांकि इन आरोपों पर अंतिम फैसला अदालत में होना बाकी है। >14

'कहना नहीं चाहता लेकिन भारत की स्थिति खराब'

आईटी क्रांति के जनक सैम पित्रोदा ने कहा-हमारे पास एआई पर कोई पॉलिसी नहीं

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सैम पित्रोदा ने भारत में एआई को लेकर हो रहे विकास पर चिंता जताई है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि भारत के पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कोई पॉलिसी नहीं है। हमें पश्चिम को नहीं, अपनी जरूरतों को देखना होगा। सैम पित्रोदा का कहना है कि एआई के क्षेत्र में भारत और एआई के क्षेत्र में भारतीय दोनों अलग बातें हैं।

भारत में आईटी क्रांति के जनक कहे जाने वाले मशहूर शख्सीयत सैम पित्रोदा ने देश में एआई को लेकर हो रहे कामकाज पर तीखी बात कही है। सैम पित्रोदा का कहना है कि भारतीय माइंड दुनिया में छाया हुआ है लेकिन भारत में एआई पर बहुत कम काम हुआ है। एक इंटरव्यू में सैम ने कहा कि मैं कहना नहीं चाहता लेकिन कहते हुए दुख हो रहा है कि एआई के मामले में भारत की स्थिति बहुत खराब है। हमारे पास कोई नीति या दिशा नहीं है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने कहा कि

एआई इंडस्ट्री को आकार देने में भारतीय एक्सपर्ट्स की अहम भूमिका है। इसके बावजूद एआई के क्षेत्र में भारत बहुत तरक्की नहीं कर पाया है। इस तकनीक का उपयोग अदालतों से लेकर स्कूलों, स्वास्थ्य सेवाओं और कृषि की समस्याओं को सुलझाने में होना चाहिए।

सैम पित्रोदा का कहना है कि एआई के क्षेत्र में भारत और एआई के क्षेत्र में भारतीय दोनों अलग बातें हैं। उन्होंने कहा कि कई भारतीय, एआई के क्षेत्र में अपनी काबिलियत दिखा रहे हैं और इसे नया आकार दे रहे हैं, लेकिन एक देश के रूप में हमने बहुत कम तरक्की की है। हमारे पास एआई पर कोई पॉलिसी नहीं है। कोई दिशा नहीं है।

देश इस तरह करे अपनी तरक्की का आकलन

सैम पित्रोदा का कहना है कि देश को अपनी प्रगति का आकलन इस बात से करना चाहिए कि क्या एआई, आम लोगों की समस्याओं को हल करने में मदद कर रहा है। उन्होंने देश की अदालतों में लंबित पड़े मामलों का उदाहरण दिया और कहा कि एआई वहां सीधा असर डाल सकता है। यानी एआई मदद के लिए तैयार तो है लेकिन उसे यूज करने के लिए पॉलिसी बनाई ही नहीं जा रही। क्या मैं कोर्ट के मामलों को सुलझाने के लिए एआई का उपयोग कर सकता हूं? बस बात खत्म।

क्या हम अदालती मुकदमों को निपटाने के लिए एआई पर एक विशेष टेक्नोलॉजी मिशन शुरू कर सकते हैं? अगर यह हो जाए, तो मुझे बहुत खुशी होगी। सैम पित्रोदा का कहना है कि पश्चिमी देश एआई को अपनी समस्याएं हल करने के लिए डिजाइन कर रहे हैं।

नशे से युवक की मौत

कपूरथला, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कपूरथला के एक गांव में नशे के दौरान तबीयत बिगड़ने से एक युवक की मौत हो गई। आरोप है कि उसके साथ मौजूद दोस्त उसे खेतों में छोड़कर चले गए। अगले दिन मौत होने के बाद दोस्तों ने शव को खेत में दफना दिया और घटना को छिपाने का प्रयास किया। पुलिस जांच के दौरान करीब 14 दिन बाद युवक का शव बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान अमनदीप सिंह पुत्र मंगल सिंह निवासी देसल के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार अमनदीप सिंह 14 अगस्त को गांव के कुछ दोस्तों के साथ घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिवार ने इसकी सूचना थाना फत्तूढींगा पुलिस को दी।

कई दिन तक उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने जब अमनदीप की मोबाइल डिटेल की जांच करवाई तो सामने आया कि उसने आखिरी बार अपने कुछ दोस्तों से बातचीत की थी। इसके बाद परिवार ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। थाना फत्तूढींगा पुलिस अमनदीप के दो दोस्तों को पूछताछ के लिए थाने लाई।

राहुल गांधी के खिलाफ नाजिया खान ने की शिकायत

कहा- 'भले ही मैं एक खान हूं लेकिन मनुस्मृति को राहुल ने बदनाम किया है

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पितृसत्तावाद को लेकर राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर जो बयान दिया उससे सियासी बवाल मच गया है। इस बीच अब सुप्रीम कोर्ट की वकील और भारतीय जनता पार्टी की नेता नाजिया खान ने भी नाराजगी जताई और विपक्ष के नेता के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। इस दौरान नाजिया खान ने कहा, मैं कलमा और शहादा, दोनों का पाठ करती हूं। जब मैं 'वंदे मातरम' गाती हूं, तो मुझे खुद पर बहुत गर्व महसूस होता है। नाजिया खान ने आगे कहा, भले ही मैं एक खान हूं। लेकिन मनुस्मृति को जिस तरह से बदनाम किया गया है, उसका सिर्फ एक अध्याय चुनकर और शब्दों को तोड़-मरोड़कर गलत धारणा बनाने की कोशिश की गई है, मैं मानती हूं कि यह गलत है।

हर किसी को बोलने की आजादी और मौलिक अधिकार हैं। वह जो चाहें कह सकते थे, लेकिन उन्होंने बैकग्राउंड में पीएम और

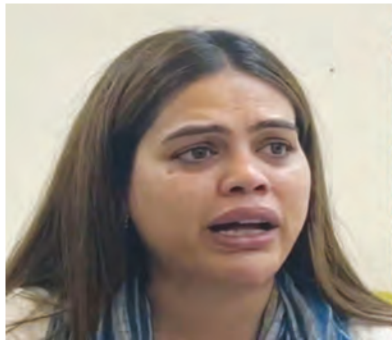

सम्मानित सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें क्यों दिखाईं? उन्होंने मोहन भागवत की तस्वीर क्यों दिखाई?

बीजेपी नेता नाजिया खान ने सवाल किया कि जब से बीजेपी सरकार सत्ता में आई है, क्या पीएम ने कभी कहा है कि हर किसी को मनुस्मृति पढ़नी चाहिए या उसका पालन करना चाहिए? क्या कभी मोहन भागवत ने ऐसा कहा कि मनुस्मृति पर ही लोगों को चलना होगा? तो फिर उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल क्यों किया गया? राहुल गांधी को जवाब देना होगा।

नाजिया खान का कहना है कि वह 'खान' जरूर हैं लेकिन अपने संस्कार और संस्कृति से वह एक 'प्योर हिंदू' हैं।

नाजिया ने आगे कहा, भीमराव अंबेडकर ने संविधान के पहले पन्ने पर भगवान राम का चित्र बनाया था।

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए नाजिया ने कहा, वो राहुल गांधी जो भारत माता की जय नहीं बोल पाते, अपनी मातृशक्ति का सम्मान नहीं कर पाते, वो वंदे मातरम पर आक्रोश दिखाते हैं, वो बता रहे हैं कि पितृसत्तावाद क्या होता है?

नाजिया खान ने आगे कहा, राहुल गांधी के सामने स्टेज पर जब एक छात्रा हिजाब पहनकर आई थी, तो राहुल गांधी ने उससे नहीं कहा कि यह काला टेंट क्यों पहना है? वह काला टेंट ही तो सबसे बड़ी पेट्रियार्की है। यह जो तुम काले टेंट में लिपटी हो, यह इस्लाम का सबसे बड़ा हिस्सा नहीं है। यह तुमको जान बूझकर, तुम्हारी सफलता को रोकने के लिए पहनाया गया है।

हाई सिक्योरिटी जेल से भागे दो कैदी चूरू में सोते मिले, गांव के लोगों ने पुलिस के हवाले किया

जम्मू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर की श्रीनगर सेंट्रल जेल से फरार हुए दो कैदी राजस्थान के चूरू जिले के राजगढ़ में पकड़े गए हैं। दोनों कैदी रात के समय खेत में सो रहे थे। ग्रामीणों को संदिग्ध गतिविधियां नजर आने पर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद दोनों को पकड़ लिया गया। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी श्रीनगर सेंट्रल जेल में अलग-अलग मामलों में न्यायिक अभिरक्षा में बंद थे। जेल में दोस्ती होने के बाद दोनों ने फरार होने की साजिश रची।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के दौरान रस्सी और पोल की व्यवस्था कर 23 अगस्त की सुबह करीब 6 बजे जेल की चारदीवारी फांदकर फरार हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक आरोपी जम्मू कश्मीर का रहने वाला है। वहीं, दूसरा आरोपी राजगढ़ का ही है। इसी वजह से दोनों कश्मीर से भागकर राजगढ़ आए थे, लेकिन गांव के लोगों की सतर्कता के चलते दोबारा पकड़े गए।

सीएम विजय की कुर्सी पर मंडरा रहा खतरा

क्या जाएगी कुर्सी? डीएमके के वार के बाद एचसी पहुंचे थलापति, लगाई गुहार

चेन्नई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में जबसे सी। जोसेफ विजय मुख्यमंत्री बने हैं तबसे हलचल मची हुई है। मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय की चुनावी जीत को लेकर कानूनी लड़ाई मद्रास हाईकोर्ट पहुंच चुकी है। मामला सिर्फ चुनावी जीत हार का नहीं है। डीएमके के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार एस। इनिगो इरुदयराज ने विजय की जीत को चुनौती देते हुए चुनाव याचिका दाखिल की है। इसमें चुनाव प्रचार में बच्चों की कथित भागीदारी समेत कई आरोप लगाए गए हैं। अब विजय ने भी इस याचिका के खिलाफ कोर्ट में बड़ा कानूनी पलटवार किया है।

मुख्यमंत्री की ओर से मद्रास हाईकोर्ट में 'रिजेक्ट द प्लेंट' आवेदन दाखिल कर याचिका को शुरुआती स्तर पर ही खारिज करने की मांग की गई है। उनकी दलील है कि प्रचार में बच्चों की कथित मौजूदगी अपने आप में ऐसा कानूनी आधार नहीं बनती, जिसके जरिए चुनाव परिणाम रद्द किया जा सके। विजय की ओर से दाखिल आवेदन पर जस्टिस वी। लक्ष्मीनारायणन के सामने सुनवाई हुई।

उनके वकीलों ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 यानी जनप्रतिनिधित्व कानून का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव याचिका में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि बच्चों की कथित भागीदारी किस तरह कानून की धारा 100 के तहत चुनाव रद्द करने का आधार बनती है। विजय की टीम ने यह भी तर्क दिया कि याचिकाकर्ता को यह बताना जरूरी है कि कथित चुनावी गतिविधियों का नतीजे पर वास्तविक और ठोस असर कैसे पड़ा। अब अदालत 31 अगस्त को इस आवेदन को आधिकारिक रूप से सूचीबद्ध करेगी। इसके बाद तय होगा कि चुनाव याचिका पर आगे सुनवाई होगी या मामला शुरुआती चरण में ही खत्म हो जाएगा।

हाई कोर्ट ने माइनिंग करने वालों पर जुर्माना लगाने के अधिकारियों के अधिकार को सही ठहराया

विजयवाड़ा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने माइनिंग विभाग के अधिकारियों के उस अधिकार को सही ठहराया है जिसके तहत वे बिना सही मंज़ूरी के खनिजों की माइनिंग, स्टोरेज या ट्रांसपोर्टेशन में शामिल लोगों पर जुर्माना लगा सकते हैं और सेग्नियोरेज फीस वसूल सकते हैं। चीफ़ जस्टिस लिसा गिल और जस्टिस चीमालापति रवि की डिवीजन बेंच ने कहा कि सरकार द्वारा 1 जुलाई, 2020 को जारी जीओ 35, जिसमें एपी माइनर मिनरल कंसेशन रूल्स, 1966 के नियम 26 और 34 में संशोधन किया गया था, कानूनी रूप से सही था। हाई कोर्ट ने कहा कि माइंस एंड मिनरल्स एक्ट की धारा 15 और 23सी सरकार को अवैध माइनिंग, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन को रोकने के लिए नियम बनाने का अधिकार देती हैं। कोर्ट ने सरकार की अपील को मंज़ूरी दे दी और सिंगल-जज के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें इन संशोधनों को केंद्रीय कानून के खिलाफ बताया गया था। बेंच ने कहा कि माइनिंग अधिकारियों द्वारा लगाया गया जुर्माना सिविल मुआवजे के तौर पर था।

हथियारों की खेप बरामद, 10 पिस्तौल-मैगजीन के साथ दो गिरफ्तार

अमृतसर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमृतसर की थाना घरिंडा पुलिस ने हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को बीरबार देर रात गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 10 पिस्तौल और 10 मैगजीन बरामद हुई हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुरदासपुर जिले के दीनानगर निवासी जगजीत सिंह और दोरांगला गांव निवासी दविंदर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस अब दोनों का पुराना आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दोनों के खिलाफ पहले कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। इसके बावजूद पुलिस गुरदासपुर पुलिस के साथ संपर्क कर उनके बारे में अन्य जानकारी जुटा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पाकिस्तानी तस्करों की ओर से गिराई गई हथियारों की खेप दोनों आरोपितों ने अपने कब्जे में ले ली है। इसके बाद वे हथियारों को किसी स्थान पर पहुंचाकर ठिकाने लगाने की तैयारी में थे। सूचना मिलने के बाद थाना घरिंडा पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने दोनों आरोपितों को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 10 पिस्तौल और 10 मैगजीन बरामद हुईं।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियारों की खेप कहां से मिली थी और इसे आगे किसे सौंपा जाना था एसएसपी ने बताया कि दोनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। गिरोह में शामिल अन्य लोगों और हथियारों की तस्करी से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने के लिए छापामारी की जा रही है। पुलिस गुरदासपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में भी आरोपितों के संपर्कों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के दौरान हथियार तस्करी से जुड़े अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

बीएसएनएल के दो इंजीनियर को 1.50 लाख की रिश्वत लेते सीबीआई ने दबोचा

भोपाल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भोपाल में बीएसएनएल के दो वरिष्ठ इंजीनियरों को 1.50 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। दोनों अधिकारियों ने जबलपुर की एक फर्म से लंबित बिलों के भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बदले 4 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। ट्रैप के दौरान दोनों अधिकारियों को 75-75 हजार रुपये लेते पकड़ा गया। सीबीआई के अनुसार गिरफ्तार अधिकारियों की पहचान चीफ इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) अवनीश कुमार शुक्ला और सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) बीबी चक्रपाणी के रूप में हुई है। दोनों भोपाल में पदस्थ हैं। जबलपुर की संबंधित फर्म बीएसएनएल के लिए ऑपरेशन एंड कॉम्प्रिहेंसिव मेंटेनेंस (ओसीएम) और इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन से जुड़े काम करती है। फर्म के अलग-अलग 14 कार्यों के बिल लंबित थे। आरोप है कि इन बिलों को आगे बढ़ाने और भुगतान की प्रक्रिया कराने के लिए दोनों अधिकारियों ने कुल 4 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामला दर्ज कर ट्रैप की कार्रवाई की।

भोपाल बाइपास पर बस की टक्कर, 30 फीट ऊंचे पुल से नीचे गिरे यात्री, बेंगलुरु के साइबर टीआई समेत चार की मौत

राजगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ब्यावरा के भोपाल बाइपास पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें सवार 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि 11 यात्री घायल हो गए। जिसमें चार गंभीर घायल है। घायलों को इलाज के लिए ब्यावरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एडिशनल एसपी के एल बंजारे ने बताया कि बेंगलुरु से साइबर की टीम आरोपी की तलाश में बस में सवार होकर इंदौर जा रही थी। इस हादसे में इंस्पेक्टर रवि केवि पिता बस्सपा की मौत हो गई।

जबकि सब इंस्पेक्टर रमेश नायक, एएसआई श्रीनिवास और टेक्निकल स्टाफ विश्वनाथ घायल हो गए। इन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एएसआई श्री निवास को गंभीर हालत में रेफर किया गया।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर के मोहम्मदपुर निवासी अमित कुमार प्रताप ने बताया कि वह अपनी पत्नी मीनू सिंह, बेटे रक्षित सिंह और ससुर सुरेंद्र प्रताप सिंह के साथ उज्जैन महाकाल के दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान राजगढ़ जिले के ब्यावरा में सड़क हादसा हो गया, जिसमें उनकी मौत हो गई।

एचडी कुमारस्वामी ने कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

केपीएससी घोटाले और भर्ती प्रक्रिया को लेकर उठाए सवाल

बेंगलुरु, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए राज्य में विकास कार्यों, भ्रष्टाचार और भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर गंभीर सवाल उठाए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुमारस्वामी ने तंज कसते हुए कहा कि उनकी पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद शायद सरकार के नेताओं की नींद आ गई होगी। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य में आखिर विकास कहां हो रहा है और जो विकास हो रहा है, वह आम लोगों के लिए कितना फायदेमंद है।

कुमारस्वामी ने मंत्रियों के इस्तीफे, केपीएससी घोटाले और विधानसभा सत्र के अंतिम चरण में हुए हंगामे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यदि 5 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण, पार्क, टनल रोड, बिजनेस कॉरिडोर और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसे विधेयकों पर विस्तार से चर्चा होती तो बड़ा विवाद खड़ा हो सकता था। उन्होंने राज्य के गृह मंत्री पर भी निशाना साधा। कुमारस्वामी ने कहा कि गृह मंत्री हर मुद्दे पर टिप्पणी करते हैं और उनके बयान ऐसे होते हैं, जैसे "बकरी पत्ते कुतर रही हो।" उन्होंने कहा कि सरकार लगातार पारदर्शिता और साफ-सुथरे प्रशासन का दावा करती है लेकिन हालिया केपीएससी विवाद ने इस संस्था के प्रति जनता के भरोसे को कमजोर किया है। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से केपीएससी का राजनीतिक रूप से गलत इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि कभी अपनी प्रतिष्ठा के लिए जानी जाने वाली यह संस्था अब जाति और पैसे के आधार पर नियुक्तियों के आरोपों से घिर गई है।

उन्होंने दावा किया कि यदि उन्हें सत्ता मिली तो केपीएससी और केएटी को खत्म करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे और इसे संवैधानिक तरीके से समाप्त करने की बात भी उन्होंने दोहराई। केपीएससी के कंट्रोलिंग ऑफिसर आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार को लेकर भी कुमारस्वामी ने सवाल उठाए। उन्होंने आरोपों का हवाला देते हुए कहा कि पशु चिकित्सा अधिकारी की नियुक्ति के लिए कथित तौर पर 80 लाख रुपये मांगने की चर्चा सामने आई है।

रेल दुर्घटना में टिकट न मिलने पर भी मिलेगा मुआवजा, कलकत्ता हाई कोर्ट का अहम फैसला

कोलकाता, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रेल दुर्घटनाओं में मुआवजे को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति विश्वरूप चौधरी की पीठ ने स्पष्ट किया कि दुर्घटना में मृत यात्री के पास से टिकट बरामद नहीं होने मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि वह बिना टिकट यात्रा कर रहा था। दुर्घटना के दौरान टिकट खोना या नष्ट होना असामान्य नहीं है इसलिए यात्री के पास वैध टिकट था या नहीं, इसका फैसला अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर भी किया जाना चाहिए।

रेलवे केवल टिकट नहीं मिलने के आधार पर उसके परिवार की ओर से किए गए मुआवजे के दावे को खारिज नहीं कर सकता। मालूम हो कि रेलवे दावा अधिकरण के फैसले के विरुद्ध हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

अधिकरण ने रेल दुर्घटना में मारे गए एक यात्री के परिवार को इस आधार पर मुआवजा देने से इनकार कर दिया था कि मृतक के पास से ट्रेन का टिकट बरामद नहीं हुआ था। कोर्ट ने अधिकरण का आदेश रद्द करते हुए नियमों के मुताबिक मृतक के परिवार को मुआवजा देने का निर्देश दिया।

कैलाश मानसरोवर से लौट रहे 37 श्रद्धालुओं को सीएम फडणवीस ने दिलाई मदद

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर लौट रहे महाराष्ट्र के 37 श्रद्धालु तिब्बत के सागा में फंस गए थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की त्वरित पहल के बाद सभी श्रद्धालु शुक्रवार सुबह 6 बजे सागा से न्यालम चेक पोस्ट के रास्ते काठमांडू के लिए सुरक्षित रवाना हो गए हैं। ये सभी श्रद्धालु ठाणे, पुणे, अलीबाग, रायगढ़ और डोंबिवली क्षेत्र के हैं और जय गिरनारी ट्रस्ट, अलीबाग के प्रमोद केणे के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। यात्रा पूरी करने के बाद वापसी के दौरान वे सागा में फंस गए। काठमांडू से उनकी वापसी की फ्लाइट 29 अगस्त को दोपहर 2 बजे निर्धारित थी, इसलिए उनका समय पर काठमांडू पहुंचना बहुत जरूरी था।

सागा में फंसे होने की जानकारी इस समूह के नितिन शिर्के और राकेश जितेकर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के माध्यम से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तक पहुंचाई। जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री फडणवीस ने तुरंत मदद के लिए जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ तत्काल संपर्क किया और पत्राचार किया। विदेश मंत्रालय ने भी तेजी दिखाते हुए जरूरी मदद और सहयोग किया। इन सभी प्रयासों के बाद सभी 37 श्रद्धालुओं की सागा से काठमांडू तक सुरक्षित वापसी की यात्रा शुरू हो सकी। संकट के समय तुरंत मदद मिलने पर सभी श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र सरकार और विदेश मंत्रालय का आभार जताया है।

सुरक्षित लौट रहे 37 श्रद्धालुओं में प्रमोद दिनानाथ केणे, शशिकांत पांगावकर, दत्तात्रेय जोशी, हेमंत मुकुंद दांडेकर, नितिन बालकृष्ण गांधी, दिनेश गांधी, बजरंग परब, संतोष अलुरकर, समीर अशोकराव घोडेराव, राकेश ज्ञानेश्वर जितेकर, श्रीकांत घवले, सुरेंद्र जोशी, श्रीकांत कृष्ण पाटिल, आदित्य राजन देशमुख, नितिन सूर्यकांत शिर्के, संजय पांडुरंग देशपांडे, विवेक अरविंद पांडे, सोनाली वेलोसाय, सुनीता पांगावकर, स्नेहा अस्वाद कुलकर्णी, सुवर्णा रविंद्र जोशी, वृषाली अभिजीत पुराणिक, रश्मि सेठ, पूनम सावनीस, शमा साठे, रेणुका अलुरकर, आरती विनायक काकरमठ, अपर्णा अशोक कदम, माधवी जोशी, रुपा श्रीकांत पाटिल, सोनल जोशी, सीमा शिंपी, हेमलता दत्तात्रय बोरसे, अंजना राजन राजपूत, संगीता संजय देशपांडे, स्नेहा विवेक पांडे और वर्षा कारी शामिल हैं।

रक्षाबंधन पर 'भारत रक्षा पर्व' स्कूली बच्चों ने थल सेनाध्यक्ष को बांधी राखी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के मौके पर स्कूली छात्राओं ने भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को राखी बांधी है। यह कार्यक्रम 'भारत रक्षा पर्व' के तहत आयोजित किया गया। छात्राओं ने थल सेनाध्यक्ष को राखी बांधकर भारतीय सेना के प्रति अपना प्यार, सम्मान और आभार जताया। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह नजर आया। दरअसल रक्षाबंधन के इस कार्यक्रम ने देशवासियों और सेना के बीच विश्वास, स्नेह और सम्मान के मजबूत रिश्ते को सामने रखा है। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भारतीय सेना की ओर से 'भारत रक्षा पर्व' के तहत ये स्कूली बच्चियां थल सेनाध्यक्ष से मिलीं और देश के सैनिकों के प्रति अपना प्रेम, सम्मान व आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर छात्राओं के नन्हे हाथों से बांधी गई राखियों और उनके चेहरे पर झलकती मासूम मुस्कान ने देश की रक्षा में जुटे जवानों के प्रति नागरिकों की भावनाओं को बेहद खूबसूरत तरीके से सामने रखा। छात्राओं ने राखी बांधकर सेना के जवानों और अधिकारियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा देश की सुरक्षा के लिए उनके समर्पण को नमन किया। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई

औपचारिकता भर नहीं है बल्कि यह कार्यक्रम देश की जनता और भारतीय सेना के बीच विश्वास, स्नेह और आत्मीयता के उस शाश्वत रिश्ते को रेखांकित करता है। सेना के जवान देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। रक्षाबंधन का यह अवसर उनके और देशवासियों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करने वाला रहा।

बच्चों द्वारा थल सेनाध्यक्ष को राखी बांधना इसी भावना का प्रतीक है कि देश का हर नागरिक अपने सैनिकों को परिवार के सदस्य की तरह देखता है। 'भारत रक्षा पर्व' के माध्यम से रक्षाबंधन के पर्व को देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले रक्षकों के सम्मान से जोड़ा गया। कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि भारतीय सेना और देश की जनता के बीच रिश्ता केवल सुरक्षा और जिम्मेदारी का नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का भी है।

ग्राहकों की सुविधा के लिए शराब दुकानों पर डिजिटल व्यवस्था, 1 सितंबर से लागू हो रहा नया नियम

चेन्नई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु में शराब की खुदरा बिक्री पर सरकारी एकाधिकार रखने वाली संस्था 'टासमैक' ने राज्यभर की दुकानों के लिए बड़ा एलान किया है। आगामी 1 सितंबर से राज्य की सभी खुदरा दुकानों में पुरानी कागजी प्रक्रिया समाप्त कर नई डिजिटल व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। इस प्रणाली के तहत दुकानों के सुपरवाइजरों को अपने स्टॉक की मांग केवल समर्पित हैंडहेल्ड डिवाइस (हाथ में पकड़े जाने वाले उपकरण) के माध्यम से भेजनी होगी। इस तकनीकी बदलाव का सबसे बड़ा फायदा सीधे आम ग्राहकों को मिलेगा, जिन्हें अब अपनी स्थानीय मांग और पसंद के आधार पर पसंदीदा ब्रांड आसानी से मिल सकेंगे। यह कदम सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही को नए स्तर पर ले जाने वाला साबित होगा।

टासमैक के प्रबंध निदेशक के। नंतकुमार द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, इस तकनीक-संचालित प्रक्रिया का लक्ष्य स्टॉक वितरण को सुव्यवस्थित करना, कागजी कार्रवाई समाप्त करना और आपूर्ति में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। असल में, मध्य-2025 तक तमिलनाडु के सभी 38 जिलों और डिपो का

एंड-टू-एंड कंप्यूटरीकरण किया जा चुका था। अब 1 सितंबर से लागू हो रही यह नई प्रक्रिया उसी डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करेगी, जिससे मैन्युअल गलतियों और स्टॉक की कमी पर पूरी तरह रोक लगेगी। नई व्यवस्था के बाद जिला प्रबंधक कार्यालयों में जाकर कागजी दस्तावेज जमा करने की प्रथा पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

इसकी नई प्रक्रिया को इस प्रकार डिजाइन किया गया है: इस तकनीक के आने से शराब की आपूर्ति प्रणाली में मैन्युअल धांधली की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। पहले कई बार मांग के बावजूद मनपसंद ब्रांड उपलब्ध नहीं हो पाते थे, लेकिन अब सिस्टम बिक्री के आंकड़ों को ट्रैक करके सही ब्रांड की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इससे ग्राहकों को अपनी पसंद की शराब बिना किसी परेशानी के मिल सकेगी।

इसके अलावा, सारा डेटा रीयल-टाइम अपडेट होने से डिपो से दुकानों तक माल की डिलीवरी बेहद तेज हो जाएगी। 1 सितंबर से पूरे राज्य में इसे अनिवार्य करने से पहले वर्तमान में एक पायलट चरण (परीक्षण दौर) चलाया जा रहा है। इस दौरान सिस्टम के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए जिला प्रबंधकों द्वारा हस्ताक्षरित मुद्रित प्रतियों का मिलान किया जा रहा है ताकि तकनीकी खामियों को दूर किया जा सके। सिस्टम में एक बार मात्रा की पुष्टि हो जाने के बाद, उसे अंतिम माना जाएगा और सीधे स्थानीय डिपो को डिस्पैच के लिए भेज दिया जाएगा। इसके भौतिक सत्यापन की पूरी जिम्मेदारी सीधे तौर पर संबंधित दुकान के सुपरवाइजर की होगी।

आश्रम स्कूल में 22 छात्राओं से छेड़छाड़, रसोइया गिरफ्तार, पहले भी पॉक्सो केस में फंसा था आरोपी

ठाणे, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ठाणे जिले के एक सरकारी आश्रम स्कूल में काम करने वाले एक रसोइए को इस सप्ताह की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। रसोइए पर 22 नाबालिग छात्राओं के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप हैं। वह एक आदतन अपराधी था, जिसे पहले भी पॉक्सो के तहत जेल भेजा गया था। बाद में बहाल कर दिया गया था। यह जानकारी एक अधिकारी ने शुक्रवार को दी। शाहपुर के टेम्बा स्थित आश्रम स्कूल में काम करने वाला आरोपी गणपत गाविल एक आदतन अपराधी था। उस पर अघाई स्थित एक आश्रम स्कूल में इसी तरह के अपराध का आरोप लग चुका था। यह बात शाहपुर स्थित एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना (आईटीडीपी) की परियोजना अधिकारी (पीओ) तेजस्विनी आर गलांडे ने कही।

उन्होंने कहा, 'गावली, जिनकी सेवानिवृत्ति में केवल 10 महीने बचे थे। उन्हें पहले भी अघाई के एक अन्य आश्रम स्कूल में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था और उस समय उन्हें निलंबित भी किया गया था। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि उन्हें कैसे और किसने बहाल किया।'

सुविचार: दूसरों की कमियों को निकालना आसान है लेकिन खूबियों को अपनाना मुश्किल है।

गरीबों के आत्मसम्मान का प्रतीक बनेंगे इंदिरम्मा टावर्स : पोंगुलेटी

नामपल्ली, कुतुबुल्लापुर, सिकंदराबाद और राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्रों में ड्रॉ आयोजित

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद महानगर में गरीब परिवारों के अपने घर के सपने को साकार करने और उनके आत्मसम्मान का प्रतीक बनाने के उद्देश्य से इंदिरम्मा टावर्स का निर्माण किया जा रहा है। लाभार्थियों का चयन पूरी पारदर्शिता के साथ केवल पात्रता के आधार पर किया जा रहा है। जाति, धर्म और राजनीति से ऊपर उठकर पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। यह बात राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कही। उन्होंने बताया कि क्यूआर क्षेत्र में पहले चरण के इंदिरम्मा टावर्स के फ्लैटों के आवंटन के लिए पारदर्शी तरीके से लकी ड्रॉ आयोजित किए जा रहे हैं।

मीडिया और पात्र लाभार्थियों की मौजूदगी में ड्रॉ निकाला जा रहा है तथा पूरी प्रक्रिया का सामाजिक माध्यमों के जरिए सीधा प्रसारण किया जा रहा है। शुक्रवार को नामपल्ली, कुतुबुल्लापुर, सिकंदराबाद और राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्रों में ड्रॉ आयोजित किए गए। मंत्री ने नामपल्ली के रेड हिल्स में प्रस्तावित इंदिरम्मा टावर्स तथा राजेंद्रनगर के मैलारदेवपल्ली क्षेत्र के लिए आयोजित ड्रॉ में भाग लिया।

मंत्री ने कहा कि 28 से 31 अगस्त तक 16 विधानसभा क्षेत्रों में करीब 8 हजार फ्लैटों के लिए लकी ड्रॉ आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन चार विधानसभा क्षेत्रों में प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रत्येक क्षेत्र में 480 फ्लैटों के लिए 600 लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। इसके बाद अधिकारियों द्वारा अंतिम सत्यापन किया जाएगा। यदि चयनित लोगों में कोई अपात्र पाया जाता है तो शेष 120 पात्र लोगों में से लाभार्थी चुना जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 13 अगस्त को कुकटपल्ली के केपीएचबी कॉलोनी में इंदिरम्मा टावर्स की आधारशिला रखी थी। सरकार ने पहले चरण में राज्यभर में 4.50 लाख इंदिरम्मा आवास मंजूर किए हैं, जिनमें दो लाख से अधिक मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है। प्रत्येक मकान के लिए सरकार चार चरणों में पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दे रही है। दूसरे चरण में 2.50 लाख और मकान मंजूर किए गए हैं तथा लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

मंत्री ने कहा कि गरीबों को आत्मसम्मान के साथ रहने के लिए महंगे इलाकों में भी आवास उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इंदिरम्मा टावर्स के पात्र लाभार्थियों को बिना किसी खर्च के पंजीकरण कराया जाएगा। पंजीकरण के दस वर्ष बाद आवश्यकता के अनुसार मकान बेचने की सुविधा होगी। इससे पहले किसी आपात स्थिति में पंजीकरण दस्तावेज को बैंक में गिरवी रखकर ऋण लेने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। प्रत्येक लाभार्थी को करीब 525 वर्ग फुट का मकान दिया जाएगा तथा 17 से 20 वर्ग गज तक अविभाजित भूमि हिस्सा भी मिलेगा। आवश्यकता के अनुसार 10 मंजिल तक के टावर्स बनाए जाएंगे और लिफ्ट सहित आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मंत्री ने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक न्याय के तहत अनुसूचित जातियों के लिए 14 प्रतिशत, अनुसूचित जनजातियों के लिए 5 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग के लिए 16 प्रतिशत, दिव्यांगों के लिए 5 प्रतिशत तथा सफाई कर्मचारियों, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए 10-10 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाएगा। कुल 50 प्रतिशत आरक्षण के अलावा महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण रखा गया है।

सिंगरेणी के श्रमिकों की मेहनत की कमाई लूट रही कांग्रेस सरकार : एस. कुमार

केंद्र ने सिंगरेणी को दिया 1.95 लाख करोड़ रुपये का कारोबार

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव एस. कुमार ने आरोप लगाया कि तेलंगाना की जीवनरेखा और लाखों श्रमिक परिवारों के सहारे सिंगरेणी कोयला कंपनी की कांग्रेस सरकार पूरी तरह उपेक्षा कर रही है और उसे आर्थिक रूप से दिवालिया बनाने की दिशा में ले जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछली भारत राष्ट्र समिति सरकार ने सिंगरेणी को नुकसान पहुंचाया, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार भी कंपनी को कमजोर करने में पीछे नहीं है। कुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण पहले सिंगरेणी भारी घाटे में पहुंचकर औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन बोर्ड के दायरे में आ गई थी और बंद होने की स्थिति में पहुंच गई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आगे बढ़कर स्थगन सुविधा और आर्थिक पैकेज उपलब्ध कराया, जिससे कंपनी को पुनर्जीवन मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति सरकार के दौरान सिंगरेणी से करीब 20 हजार करोड़ रुपये की राशि अन्य मदों में मोड़ी गई, जबकि रेवंत रेड्डी सरकार के सत्ता में आने के बाद यह बकाया बढ़कर 55 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने सवाल किया कि श्रमिकों की मेहनत की कमाई को इस तरह क्यों मोड़ा जा रहा है। कुमार ने चुनौती दी कि श्रमिकों की कठिनाइयों को समझने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को खदान में उतरकर दो टोकरियां कोयला उठाकर बाहर लाना चाहिए। कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी सिंगरेनी की सुरक्षा और विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनके अनुसार, केंद्र सरकार के सहयोग से सिंगरेनी को करीब 1.95 लाख करोड़ रुपये के राजस्व और कारोबारी अवसर मिले हैं।

जापान के संस्थान के साथ यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी की साझेदारी

हिरोशिमा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ सैद्धांतिक सहमति

इंजीनियरिंग शिक्षा, छात्र आदान-प्रदान और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर होगा सहयोग

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकी शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार जापान के प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी मजबूत कर रही है। इसी क्रम में हिरोशिमा इंस्टीट्यट ऑफ टेक्नोलॉजी और यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के बीच साझेदारी के लिए सैद्धांतिक सहमति बनी है। यह जानकारी शक्ति एवं खान विभाग के मंत्री गड्डम विवेक वेंकटस्वामी ने दी। जापान यात्रा के तहत मंत्री विवेक वेंकटस्वामी के नेतृत्व में तेलंगाना के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को हिरोशिमा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का दौरा किया। इस दौरान संस्थान के नेतृत्व के साथ तेलंगाना में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और उद्योगों की जरूरत के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करने को लेकर व्यापक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने प्रारंभिक चरण में आपसी समझ के आधार पर साझेदारी शुरू करने और तेलंगाना की आवश्यकताओं, तकनीक तथा उद्योगों की जरूरत के अनुरूप सहयोग के क्षेत्रों की संयुक्त रूप से पहचान करने का निर्णय लिया। साझेदारी के तहत छात्रों के परस्पर आदान-प्रदान को महत्वपूर्ण रूप से विकसित करने पर सहमति बनी। इससे तेलंगाना के विद्यार्थियों को जापान की तकनीकी शिक्षा प्रणाली, प्रयोगशाला आधारित प्रशिक्षण और उद्योगों से जुड़े शिक्षा मॉडल की प्रत्यक्ष जानकारी मिलेगी। विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान का व्यावहारिक प्रशिक्षण लेने के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। दोनों संस्थान अध्यापकों और प्रशिक्षकों के कौशल विकास, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण, अल्पकालिक तकनीकी पाठ्यक्रमों, अनुसंधान तथा उद्योगों के साथ प्रत्यक्ष अनुभव के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे। स्थानीय जरूरतों और भविष्य के रोजगार अवसरों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का चयन किया जाएगा।

उन्नत विनिर्माण, गतिशीलता, वाहन तकनीक, कृत्रिम मेधा, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वचालन, डिजिटल तकनीक और पर्यावरण तकनीक जैसे क्षेत्रों में विशेष सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि हिरोशिमा इंस्टीट्यट ऑफ टेक्नोलॉजी की इंजीनियरिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता तेलंगाना में तेजी से विस्तार कर रहे औद्योगिक और तकनीकी क्षेत्रों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल पारंपरिक शैक्षणिक आदान-प्रदान तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि कौशल, रोजगार क्षमता, तकनीकी ज्ञान के हस्तांतरण और उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से सीधे जुड़े कार्यक्रम तैयार करना है। जापान की तकनीक, विनिर्माण क्षेत्र और उद्योग आधारित शिक्षा प्रणाली की श्रेष्ठ पद्धतियों को तेलंगाना की आवश्यकताओं के अनुरूप लागू किया जाएगा। मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने हिरोशिमा इंस्टीट्यट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रतिनिधियों को हैदराबाद आकर यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी का दौरा करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने आगे की चर्चाओं के माध्यम से साझेदारी के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने संस्थान के प्रतिनिधियों को दिसंबर में हैदराबाद में आयोजित होने वाले 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट-2026' में भाग लेने का भी निमंत्रण दिया।

प्रमुख लोगों ने राज्यपाल के स्वास्थ्य की जानकारी ली

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शुक्रवार को लोक भवन में कई प्रमुख लोगों ने मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री दुद्दिला श्रीधर बाबू और मुख्य सचिव संजय जाजू ने राज्यपाल से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सभी ने राज्यपाल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और उनके जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दीं

तेलंगाना में जून से 15 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के चरम समय में तेलंगाना में लंबे समय से सूखा जैसा दौर चल रहा है। राज्य में 1 जून से 28 अगस्त 2026 तक कुल बारिश 469.4 मिमी दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 551.6 मिमी होती है; यानी बारिश में 15 प्रतिशत की कमी रही है।

तेलंगाना डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी की नवीनतम मौसम डेटा रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 33 जिलों में से केवल कामारेड्डी में 20 प्रतिशत 'अधिक' बारिश दर्ज की गई है, जबकि 16 जिले 'सामान्य' श्रेणी में रहे हैं और अन्य 16 जिले 'कम बारिश' (डेफिसिएंट) वाली श्रेणी में आ गए हैं, जहाँ बारिश में 20 प्रतिशत से 59 प्रतिशत तक की कमी रही है।

कम बारिश वाले 16 जिलों में हनुमाकोंडा में सबसे कम बारिश हुई है, जहाँ 45 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसके बाद वारंगल (43 प्रतिशत) और जनगाँव (40 प्रतिशत) का स्थान है। ग्रेटर हैदराबाद और आसपास के शहरी इलाकों में कुल बारिश 353.9 मिमी दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 443.7 मिमी होती है; यानी यहाँ 20 प्रतिशत की कमी रही है।

अगस्त का महीना, जिसमें आमतौर पर सबसे अधिक बारिश होती है, सूखे के साथ समाप्त हुआ है। इस महीने में सामान्य औसत की तुलना में 33 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई।

कम बादल छाने और कम बारिश के कारण कई इलाकों में दिन का तापमान काफी अधिक बना हुआ है।

शुक्रवार को नलगोंडा में राज्य का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीआई पर पान की दुकान गिराने के विरोध के दौरान बदसलूकी का आरोप

सूर्यापेट, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को यादव नगर में कोडाड टाउन पुलिस द्वारा एक पान की दुकान की मालकिन और उसके भाई के साथ कथित तौर पर किए गए मनमाने व्यवहार की विभिन्न वर्गों ने कड़ी आलोचना की है। कनकम्मा पिछले 30 वर्षों से कोडाड के यादव नगर में पान की दुकान चला रही हैं। इस इलाके में सड़क किनारे लगभग 200 अन्य दुकानें भी हैं। हालांकि, स्थानीय निवासियों के अनुसार, नगर पालिका के अधिकारियों ने केवल उनकी दुकान गिरा दी, जबकि बाकी दुकानों को नहीं छुआ।

दुकान गिराए जाने का विरोध करते हुए, कनकम्मा और उनके भाई उपेंद्र सड़क पर बैठ गए और नगर पालिका अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा। पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्हें सड़क से हटाने की कोशिश की। जब उपेंद्र ने इस कार्रवाई को भेदभावपूर्ण बताते हुए आपत्ति जताई, तो कोडाड सीआई ने कथित तौर पर उनकी गर्दन पकड़कर उन्हें ज़मीन पर गिरा दिया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिस अधिकारी महिलाओं सहित परिवार के उन सदस्यों को धक्का देते हुए दिख रहे हैं जो बीच-बचाव की कोशिश कर रहे थे, और फिर उपेंद्र को घसीटते हुए पुलिस वैन की ओर ले जा रहे हैं।

इसके बाद उपेंद्र को ज़बरदस्ती गाड़ी में बिठाया गया और पुलिस स्टेशन ले जाया गया। पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते हुए महिलाएं पुलिस वैन के सामने बैठ गईं। इस घटना के बाद राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के आरोप भी लग रहे हैं। खबरों के अनुसार, उपेंद्र, जिन्होंने हाल ही में बीआरएस पार्षद उम्मीदवार के तौर पर नगर पालिका चुनाव लड़ा था, ने स्थानीय कांग्रेस नेताओं की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। उस पोस्ट को लेकर शिकायत के बाद, उन्हें कथित तौर पर गुरुवार को हैदराबाद से उठाया गया और देर रात रिहा कर दिया गया। अगले दिन, नगर पालिका अधिकारियों ने उनकी बहन कनकम्मा की दुकान गिरा दी, जिससे इन आरोपों को और बल मिला कि यह कार्रवाई राजनीतिक कारणों से प्रेरित थी।

आईपीएस में पदोन्नत अधिकारियों ने डीजीपी सी. वी. आनंद से की मुलाकात

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस सेवा में गैर-कैडर पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत सात अधिकारियों को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में भारतीय पुलिस सेवा में पदोन्नत किया है। इनमें से छह नवनियुक्त आईपीएस अधिकारियों रविंदर पुलिगिल्ला, वी. अरविंद बाबू, बी. राजा महेंद्र नाइक, बी. साई श्री, आई. पूजा और पी. करुणाकर ने शुक्रवार को शिष्टाचार भेंट के रूप में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद से मुलाकात की। डीजीपी सी. वी. आनंद ने सभी अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में पदोन्नति मिलने पर बधाई दी और उनके आगामी दायित्वों के लिए शुभकामनाएं दीं। भारतीय पुलिस सेवा में पदोन्नत अधिकारियों को एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि में रहना होगा। इस दौरान उन्हें निर्धारित प्रशिक्षण भी पूरा करना अनिवार्य होगा।

खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले बढ़े : एफजीजी

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने तेलंगाना सरकार से खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों में अभियोजन और जुर्माना वसूली प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने का आग्रह किया है, यह आरोप लगाते हुए कि प्रयोगशाला के निष्कर्षों के बाद दर्ज किए गए मामलों में अक्सर प्रभावी अनुवर्ती कार्रवाई नहीं हो पाती है। फोरम के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे पत्र में कहा कि मिलावट के संदेह वाले खाद्य नमूनों को एकत्र किया जा रहा है और विश्लेषण के लिए नाचाराम स्थित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा जा रहा है। फोरम द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, प्रयोगशाला ने 2023-24 में 6,067 नमूनों का विश्लेषण किया, जिनमें से 802 को असुरक्षित और 119 को निम्न गुणवत्ता का माना गया। 2024-25 में 3,372 नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 251 असुरक्षित और 70 निम्न गुणवत्ता के थे। 2025-26 के दौरान 3,691 नमूनों का विश्लेषण किया गया, जिनमें 257 असुरक्षित और 127 निम्न गुणवत्ता के नमूने शामिल थे। फोरम ने कहा कि असुरक्षित नमूनों के लिए अभियोजन आवश्यक है, जबकि घटिया और गलत लेबल वाले उत्पादों के संबंध में, लागू होने के अनुसार, जुर्माना लगाया जा सकता है या मामलों का निपटारा किया जा सकता है।

एसआईआर में खामियों को लेकर हैदराबाद कांग्रेस ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्लाह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गंभीर खामियों का आरोप लगाते हुए पारदर्शिता की मांग की है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की अधूरी जानकारी और महत्वपूर्ण सूचियां उपलब्ध नहीं कराने से जमीनी स्तर पर सत्यापन प्रभावित हो रहा है। सैफुल्लाह ने मतदान केंद्रों पर आयोजित वार्ड सभाओं का दौरा कर बूथ स्तर के एजेंटों, पार्टी कार्यकर्ताओं और चुनाव अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत मतदाताओं की सूची में मकान नंबर तथा पर्याप्त पता विवरण नहीं दिए गए हैं। ऐसे में बूथ एजेंट संबंधित मतदाताओं तक कैसे पहुंचेंगे और उनका सत्यापन कैसे करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों के बावजूद राजनीतिक दलों को संदिग्ध और बिना मानचित्रित मतदाताओं की सूचियां उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि इन सूचियों के बिना बूथ एजेंट मतदाताओं को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर उनकी समस्याओं का समाधान कराने में सक्षम नहीं होंगे। सैफुल्लाह ने याकूतपुरा विधानसभा क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि जिला कांग्रेस ने 148 संभावित दोहराव वाले मतदाता मामलों की पहचान की है, जिनमें नाम, रिश्तेदारों के नाम और तस्वीरें समान या मिलती-जुलती हैं, जबकि मतदाता पहचान संख्या, मतदान केंद्र, पता या उम्र में अंतर है। उन्होंने चुनाव आयोग से सभी संदिग्ध मामलों का गहन सत्यापन करने, राजनीतिक दलों को पूरी सूचियां उपलब्ध कराने और पर्याप्त पता विवरण देने की मांग की। उन्होंने कहा कि अपात्र और दोहराव वाली प्रविष्टियां हटाई जानी चाहिए, लेकिन केवल संदेह के आधार पर किसी वास्तविक मतदाता का नाम नहीं हटना चाहिए।

मानसून के दौरान वायरल बुखार के मामले बढ़े

डॉक्टरों ने एंटीबायोटिक के गलत इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के मौसम और बढ़ी हुई उमस के बीच, डॉक्टर एलबी नगर और किंग कोटी सेंटर्स पर वायरल बुखार, इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और तेज़ बुखार वाली स्थितियों के लिए ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी देख रहे हैं।

मौसमी बढ़ोतरी को देखते हुए सीनियर डॉक्टरों और संक्रामक रोगों के विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि वे बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक का इस्तेमाल न करें और 72 घंटे से ज़्यादा समय तक बुखार रहने पर जल्द से जल्द लैब में जांच करवाएं।

अस्पताल के डॉक्टरों ने हैदराबाद के लोगों को बचाव की दोहरी रणनीति अपनाने की सलाह दी है: मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए हर हफ़्ते जमा हुआ पानी साफ़ करके मच्छरों पर सख्ती से काबू पाएं, और साथ ही सांस से जुड़ी स्वच्छता का ध्यान रखें, नियमित रूप से हाथ धोएं और भीड़-भाड़ वाली बंद जगहों पर मास्क का इस्तेमाल करें।

फिलहाल, मौसमी वायरल बुखार, एच1एन1 फ्लू और शुरुआती स्टेज के डेंगू वाले मरीजों में पहले 48 घंटों में लगभग एक जैसे लक्षण दिख रहे हैं। डेंगू जैसी बीमारी वाले बड़ी संख्या में मरीजों की जांच में मच्छर से फैलने वाले पैथोजन (रोगाणु) नहीं मिल रहे हैं, बल्कि वे असल में गंभीर वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं। अगर तीन दिनों से बुखार बना हुआ है, तो यह न सोचें कि यह अपने आप ठीक हो जाएगा। उसी दिन ब्लड टेस्ट करवाकर जांच कराएं और बिना डॉक्टर की सलाह के खुद से दवा लेने से पूरी तरह बचें।

तृतीय पुण्यतिथि

श्री सम्पतराजजी भाणा

(सुपुत्र : श्री नणिगरामजी प्रजापत) (मरुधर में पाटवा)

स्वर्गवास दि. 29-8-2023

आँखों में आँसू है, दिल में हो आप।
यादों के उपवन में महकते रहोगे आप।
प्रभु के चरणों में जगह मिले आपको।
भूले से भी ना हम भूला पायेंगे आपको।।

श्रद्धावंत: गोदावरीबाई (धर्मपत्नी), ओमप्रकाश, यशोधर (अशोक कुमार), विष्णु (पुत्र), शीला-चेतनजी (पुत्री-जंवाई) वर्षा, सुशील, भूमिका, रोनक, जयेश, माहीरा (पौत्री-पौत्र) एवं समस्त भाणा (प्रजापत) परिवार

AAI MAA ADS

फर्म : जय बालाजी ज्वैलर्स जगदम्बा पॉन ब्रोकर्स

मेन रोड, बालाजी नगर, हैदराबाद. फोन : 6377968997, 7893535295

सीट बंटवारे की बातचीत से पहले अखिलेश से मिले प्रमोद तिवारी

यूपी में सपा-कांग्रेस गठबंधन पर बढ़ी हलचल

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चर्चाओं ने फिर जोर पकड़ लिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की है।

खास बात यह रही कि प्रमोद तिवारी अपनी बेटी और कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा के साथ अखिलेश यादव के आवास पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात के बाद यूपी की सियासत में इसके राजनीतिक मायने तलाशे जाने लगे हैं। प्रमोद तिवारी की अखिलेश यादव से यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब सपा और कांग्रेस के बीच आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू होने की चर्चा है। यही वजह है कि दोनों नेताओं की मुलाकात को सामान्य मुलाकात से ज्यादा राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। हालांकि, सपा से जुड़े सूत्रों ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। उनका कहना है कि इस मुलाकात को किसी राजनीतिक फैसले या सीट शेयरिंग से जोड़कर देखना सही नहीं होगा। पार्टी फिलहाल संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से संवाद बढ़ाने पर फोकस कर रही है। इसके बावजूद बंद कमरे में हुई बातचीत ने सियासी अटकलों को जरूर हवा दे दी है। राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या दोनों दलों के बीच पर्दे के पीछे बातचीत का दौर शुरू हो चुका है या फिर यह महज व्यक्तिगत मुलाकात थी। प्रमोद तिवारी की अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद कांग्रेस की रणनीति को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

सियासी हलकों में सवाल उठ रहा है कि क्या इस मुलाकात की जानकारी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को पहले से थी? क्या यह बातचीत पार्टी नेतृत्व के स्तर पर तय रणनीति का हिस्सा है या फिर स्थानीय स्तर पर नेताओं के बीच संवाद का नतीजा? हालांकि, इन सवालों पर अभी दोनों पार्टियों की ओर से कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया गया है। इसलिए फिलहाल इस मुलाकात को गठबंधन पर अंतिम बातचीत मानना जल्दबाजी होगी।

संगठन मजबूत करने पर पार्टियों का जोर

सपा खेमे की ओर से कहा गया है कि पार्टी इस समय संगठन को चुनाव के लिए तैयार करने में जुटी है। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ लगातार बैठकें और संवाद किए जा रहे हैं। पार्टी का फोकस बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर है। वहीं कांग्रेस भी यूपी में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस केवल चुनाव के समय सक्रिय होने के बजाय लगातार जनता के बीच रहने की रणनीति पर काम कर रही है।

'महिलाओं का सम्मान मेरे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं व्यक्तिगत संकल्प है,' रक्षाबंधन पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर उत्तर प्रदेश की माताओं, बहनों और बेटियों के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि महिलाओं का सम्मान, उनकी सुरक्षा, उनके सपने और उनकी आकांक्षाएं उनके लिए केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संकल्प हैं।

उन्होंने कहा कि वह ऐसे उत्तर प्रदेश के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां महिलाओं को समान अवसर, न्याय, स्वाभिमान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व का पूरा अधिकार मिले।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक पत्र जारी कर कहा, मेरी प्यारी माताओं, बहनों और बेटियों, रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, यह विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और रिश्तों की पवित्र जिम्मेदारी का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं आप सभी को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपका सम्मान, आपकी सुरक्षा, आपके सपने और आपकी आकांक्षाएं मेरे लिए केवल राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि व्यक्तिगत संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की हर बेटी को निर्भय होकर पढ़ने का अधिकार मिले, हर बहन को आगे बढ़ने के अवसर मिले, हर मां को यह भरोसा हो कि उसका परिवार सुरक्षित और सम्मानित है, यही मेरा वचन है।

मैं ऐसे उत्तर प्रदेश के लिए प्रतिबद्ध हूं जहां महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि समान अवसर, न्याय, स्वाभिमान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व का पूरा अधिकार मिले। अखिलेश यादव ने कहा कि मैं मानता हूं कि जब एक महिला सुरक्षित होती है, तो परिवार मजबूत होता है।

विनय शंकर तिवारी के इलाके में बसपा ने किसे दिया टिकट? ससुर के खिलाफ लड़ चुकी हैं चुनाव

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल की चर्चित चिल्लू पार विधानसभा सीट पर राजनीतिक सरगर्मी अचानक तेज हो गई है। लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय रहीं अस्मिता चंद ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम लिया है। बसपा ने भी बिना देर किए उन्हें चिल्लू पार सीट से अपना प्रभारी यानी प्रत्याशी घोषित कर दिया है। 'तिवारी के हाते के प्रभाव वाले इस इलाके में एक ऐसे राजनीतिक परिवार की बहू का मैदान में उतरना जिसने कभी अपने ही ससुर के खिलाफ चुनाव लड़ा था,पूर्वांचल की सियासत में नए समीकरण बना रहा है।

अस्मिता चंद और उनके परिवार की बीजेपी से नाराजगी की मुख्य वजह वहां मौका न मिलना बताई जा रही थी। तीन दिन पहले बीजेपी के राज्य उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद परिवार सहित उन्होंने बसपा का रुख किया। बसपा में प्रभारी घोषित होने का मतलब प्रत्याशी तय होना माना जाता है। अस्मिता चंद के मैदान में आने से चिल्लूपार सीट पर लड़ाई अब और दिलचस्प हो गई है। अस्मिता चंद जिस परिवार से आती हैं उसकी पूर्वांचल की राजनीति में पीढ़ी-दर-पीढ़ी गहरी पैठ रही है।

उनके पिता इंद्रप्रकाश नारायण दिग्विजयनाथ डिग्री कॉलेज में लेक्चरार हैं। ससुर राज नारायण चंद ने ब्लॉक प्रमुख के रूप में राजनीतिक सफर शुरू किया था। परिवार की इस राजनीतिक पृष्ठभूमि के बावजूद अब चंद परिवार दो राजनीतिक धड़ों में बंटता दिख रहा है।एक हिस्सा बीजेपी के साथ है तो दूसरा हिस्सा अस्मिता चंद के साथ बसपा के पाले में खड़ा नजर आ रहा है।

महावीरी अखाड़ा जुलूस में खूनी खेल, युवक के सिर में मारी गोली; मौके पर हुई मौत

गोपालगंज, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज शहर में शुक्रवार तड़के महावीरी अखाड़ा जुलूस के दौरान एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। पुरानी चौक के समीप अज्ञात बदमाशों ने एक युवक के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। गोली लगने के बाद युवक मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और अफरातफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान पुरानी चौक निवासी शिव जी प्रसाद के पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महावीरी अखाड़ा जुलूस के दौरान किसी बात को लेकर अचानक विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और इसी दौरान कुछ अपराधियों ने विकास कुमार को निशाना बनाते हुए उसके सिर में गोली मार दी।

अयोध्या काशी हुई हमारी, अब है मथुरा की बारी

लखनऊ में लगे पोस्टर, 30 अगस्त को 25 हजार कार्यकर्ताओं का मथुरा कूच

लखनऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण और परिक्रमा मार्ग से मांस-मछली व मदिरा की दुकानों को हटाने की मांग को लेकर मथुरा कुच करने का ऐलान किया है। परिषद की ओर से लखनऊ के अलग-अलग चौराहों पर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें लोगों से 30 अगस्त को प्रस्तावित 'मथुरा कूच यात्रा' में शामिल होने की अपील की गई है।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पोस्टरों में लिखा है- "अयोध्या काशी हुई हमारी, अब है मथुरा की बारी" और "हर सनातनी की गूंज, नहीं होंगे आधे-आधे, अब मथुरा में होगा केवल राधे-राधे।" परिषद का कहना है कि

अयोध्या के बाद अब मथुरा में भी धार्मिक स्थलों की पवित्रता और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठाई जाएगी। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि 30 अगस्त को सुबह नौ बजे लखनऊ स्थित परिषद कार्यालय से यात्रा रवाना होगी। उनके मुताबिक, यात्रा के दौरान अलग-अलग जिलों से परिषद के कार्यकर्ता इसमें शामिल होते जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि यात्रा में करीब 25 हजार कार्यकर्ता और साधु-संत शामिल होंगे। गोपाल राय ने कहा कि मथुरा के परिक्रमा मार्ग पर मांस, मछली और मदिरा की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग को लेकर संगठन जिला प्रशासन को ज्ञापन देगा। उन्होंने कहा कि मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की मांग भी सरकार और प्रशासन के सामने रखी जाएगी।

उन्होंने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह वहां भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और धार्मिक क्षेत्र में मांस-मदिरा की बिक्री पर रोक लगाने के कदम उठाए गए, उसी तरह मथुरा में भी कार्रवाई होनी चाहिए।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या के मामले में गिरी गाज, हेड कांस्टेबल सस्पेंड; आठ पर एफआईआर गिरफ्तारी एक भी नहीं

अयोध्या, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या में हिस्ट्रीशीटर राम लगन मौर्य की हत्या के मामले में पुलिस की लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई हुई है। पूराकलंदर थाने में तैनात हेड कांस्टेबल अशोक सिंह को एसएसपी डॉ। गौरव ग्रोवर ने सस्पेंड कर दिया है। 25 अगस्त को पूराकलंदर थाना क्षेत्र के कन्दैला गांव में गोली व बमबाजी कर हिस्ट्रीशीटर राम लगन मौर्य की हत्या कर दी गई थी।

इस मामले में राजमणि सिंह समेत आठ आरोपियों के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। हत्याकांड के बाद अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

'चवन्नी' वाले तंज पर जयंत चौधरी ने दिया अखिलेश यादव को जवाब

चीनी के बढ़ते दाम पर भी आया बयान

बागपत, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी बागपत पहुंचे। खेकड़ा के गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज में उन्होंने लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयानों पर जमकर पलटवार किया। जयंत चौधरी ने कहा कि चुनावी समय है, आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन जनता सब समझती है। अखिलेश यादव के चवन्नी वाले तंज पर जयंत चौधरी ने कहा कि अखिलेश उन पर जितने कटाक्ष करना चाहें, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

लेकिन अगर समाज को निशाने पर लिया जाएगा तो वह सवाल जरूर पूछेंगे। जयंत ने कहा कि अखिलेश इशारों में उन्हें टारगेट कर रहे थे, इसलिए उन्होंने पहले कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने सवाल किया कि अगर कहा जा रहा है कि समाज को राजनीति नहीं आती, तो आखिर किस समाज की बात की जा रही है? जयंत चौधरी ने कहा, "समाजवादी समाज निर्माण करती है या समाज से बनती है?" उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल समाज से बनता है और किसी भी राजनीतिक दल की इतनी हैसियत नहीं कि वह समाज का निर्माण कर सके। अखिलेश यादव के पोस्टर लगाए जाने के सवाल पर जयंत ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि पोस्टर किसने लगाए हैं।

साथ ही उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा कि राजनीति में लक्ष्मण रेखा नहीं लांघनी चाहिए। एनडीए में आरएलडी को ज्यादा सीट देने के अखिलेश यादव के बयान पर जयंत ने व्यंग्य करते हुए कहा कि क्या उनकी पैरवी के लिए उन्हें ही भेज दें? यूजीसी को लेकर जयंत चौधरी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में रोक लगाई है और उसका पालन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान भी चौधरी चरण सिंह के आदर्शों और संस्कारों से आने वाली पीढ़ियों को जोड़ने की बात कही गई है।

तेजप्रताप ने मल्लिका से कहा-मैंने मर्डर फिल्म कई बार देखी

एक्ट्रेस को हॉट एंड सेक्सी बताया; बांसुरी बजाई; बिहार का सत्तू गिफ्ट किया

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार की जनशक्ति जनता दल के प्रमुख और लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव इन दिनों राजनीति से इतर मनोरंजन की दुनिया में नजर आ रहे हैं। 'भोजपुरी बवाल' के अपकमिंग एपिसोड में बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत स्पेशल गेस्ट के तौर पर नजर आ रही हैं, जहां ने तेज प्रताप यादव संग दिखाई दे रही हैं। तेज प्रताप को मल्लिका हॉट और सेक्सी लगती हैं। यह बात खुद तेज प्रताप ने मल्लिका की तारीफ करते हुए कही। तेजप्रताप ने कहा कि मैंने मर्डर फिल्म कई बार देखी है।

यहां तक कि उन्होंने खुद अपने हाथों से सत्तू का शर्बत बनाकर मल्लिका को टेस्ट भी करवाया। शो के प्रोमो रिलीज होने के बाद तेजू भैया और मल्लिका की जोड़ी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। 'भोजपुरी बवाल' शो के एक प्रोमो में तेज प्रताप यादव और मल्लिका शेरावत किसी कैफे में बैठे चिल करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

तभी मल्लिका मस्ती भरे अंदाज में तेज प्रताप से शिकायत करती हैं कि, 'तेज जी, हम बिहार मिलने आए और आपने अभी तक हमें एक भी कॉमप्लिमेंट नहीं दिया।' फिर वो तेज प्रताप से पूछती हैं, 'कैसी लग रही हूं मैं?' इस पर तेज प्रताप ने तारीफ करते हुए कहा कि 'हॉट और सेक्सी लग रही हैं।' मल्लिका ने आगे तेज प्रताप को टीज करते हुए कहा, 'और ब्यूटीफुल...?' इस पर तेज प्रताप बोले 'ब्यूटीफुल तो हैं ही आप।' फिर मल्लिका ने तेज प्रताप से पूछा, 'आपने मेरी फिल्म मर्डर नहीं देखी क्या?' तेज प्रताप बोले, 'मर्डर। हां, देखी थी मैंने।' मल्लिका ने फिर सवाल किया, 'कितनी बार देखी थी?' इस पर तेज प्रताप ने जवाब दिया, 'बहुत बार देखी थी।' यह कहकर तेज प्रताप शरमाने लगे। तेजू भैया को शरमाता हुआ देख मल्लिका खुशी से चहकती दिखाई दीं। मल्लिका ने उन्हें बांसुरी बजाने के लिए रिक्वेस्ट किया।

तेज प्रताप ने फिर मल्लिका शेरावत के लिए बांसुरी भी बजाई। 'भोजपुरी बवाल' शो के दूसरे प्रोमो में तेज प्रताप यादव मल्लिका के लिए सत्तू का शरबत बनाते हुए दिख रहे हैं। प्रोमो में मल्लिका कहती है, 'नमक आ गया है, नींबू आ गया है।' फिर तेज प्रताप सत्तू बनाने का प्रोसेस बताने लगते हैं। उन्होंने नींबू, नमक और फिर सत्तू डालकर पानी में मिलाया।

फिर दोनों ने गिलास से ग्लास टकराते हुए चीयर्स किया और कहा 'चीयर्स टू न्यू फ्रेंडशिप।' सत्तू पीकर मल्लिका ने कहा, 'मजा आ गया।' फिर तेज प्रताप ने एक सत्तू का डब्बा मल्लिका को गिफ्ट किया।

आईपीएस की पत्नी ने फिनाइल पीकर आत्महत्या करने की कोशिश

ड्राइवर ने पुलिस गाड़ी से आईजीआईएमएस पहुंचाया अब निजी अस्पताल में चल रहा इलाज

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के परिवार से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। आईपीएस की पत्नी ने एयरपोर्ट थाना क्षेत्र स्थित आवास में फिनाइल पीकर आत्महत्या की कोशिश की। घटना के समय अधिकारी घर पर मौजूद नहीं थे। महिला की हालत बिगड़ने के बाद आवास पर मौजूद पुलिस वाहन के चालक ने उन्हें तत्काल आईजीआईएमएस पहुंचाया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद परिजन उन्हें दानापुर-सगुना मोड़ स्थित निजी अस्पताल लेकर गए, जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। उनके पति पूर्व में पटना सिटी एसपी रह चुके हैं।

जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के आवास में महिला ने पारिवारिक विवाद से परेशान होकर फिनाइल पी लिया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उन्हें बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया था। मामला वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के परिवार से जुड़ा होने के कारण पुलिस के अधिकारी इस संबंध में कैमरे के सामने बयान देने से फिलहाल बच रहे हैं। जानकारी के अनुसार, आईपीएस अधिकारी और उनकी पत्नी के बीच पिछले कुछ वर्षों से पारिवारिक विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि महिला ने इससे पहले भी आत्महत्या की कोशिश की थी।

यह दूसरी बार है जब उन्होंने कथित तौर पर ऐसा कदम उठाया है। हालांकि, इस बार उन्होंने किन परिस्थितियों में फिनाइल पीया, इसकी आधिकारिक वजह अभी सामने नहीं आई है। घटना की जानकारी अस्पताल प्रशासन की ओर से स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस परिवार के सदस्यों और घटना से जुड़े अन्य लोगों से जानकारी ले रही है, ताकि महिला के इस कदम के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके।

"नाबालिग बेटी की कस्टडी पिता को देने से मना नहीं कर सकते ननिहाल वाले"

इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि हिंदू माइनॉरिटी एंड गार्जियनशिप एक्ट, 1956 की धारा 6 के तहत अपनी नाबालिग बेटी का स्वाभाविक अभिभावक होने के नाते, पिता को उसकी कस्टडी देने से तब तक मना नहीं किया जा सकता जब तक कि यह साबित न हो जाए कि वह अभिभावक के तौर पर काम करने के लायक नहीं है। जस्टिस सरल श्रीवास्तव और जस्टिस सुधांशु चौहान की डिवीजन बेंच ने प्रयागराज के वकील अभिषेक यादव की अपील को मंज़ूरी देते हुए यह बात कही। अभिषेक ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील की थी जिसमें उन्हें अपनी नाबालिग बेटी की कस्टडी देने से मना कर दिया गया था। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि हिंदू माइनॉरिटी एंड गार्जियनशिप एक्ट, 1956 की धारा 6 के प्रावधानों को देखते हुए, बच्चों की कस्टडी का सबसे बड़ा अधिकार पिता का होता है।

वकील अभिषेक यादव का विवाह 2019 में हुआ था और 2022 में दंपति की एक बेटी हुई। वर्ष 2023 में उनकी पत्नी के भाई उसे मायके ले गए। वर्ष 2024 में उनकी पत्नी की मौत हो गई। अभिषेक की पत्नी के पिता और उसके तीन भाइयों ने बच्ची की कस्टडी अभिषेक यादव को सौंपने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्होंने अदालत का रुख किया। प्रतिवादियों ने आरोप लगाया कि अभिषेक यादव ने दहेज के लिए अपनी पत्नी को प्रताड़ित किया था और उसके साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया था। उन्होंने यह भी कहा कि बच्ची कुछ महीनों की उम्र से ही अपने नाना के साथ रह रही है और अभिषेक के दोबारा शादी करने की संभावना है।

ट्रायल कोर्ट ने यादव की याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद वह हाई कोर्ट गए। हाई कोर्ट ने गौर किया कि बच्ची बारी-बारी से अपने नाना और अपनी मौसी के साथ रह रही थी, जिनके खुद के पांच बच्चे हैं। इसलिए प्रतिवादी अकेले उसकी देखभाल नहीं कर रहे थे। कोर्ट ने, हालांकि हम इस बात से वाकिफ हैं कि नाबालिग बेटी को अपीलकर्ता और उसके परिवार के साथ घुलने-मिलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन साथ ही हम इस बात का भी ध्यान रख रहे हैं कि अगर नाबालिग बेटी को प्रतिवादियों के साथ रहने दिया जाता है, तो उसका भविष्य बहुत सुरक्षित और स्थिर नहीं दिखता है।

अदालत ने कहा, अगर नाबालिग की कस्टडी अपील करने वाले को दी जाती है, तो बदली हुई परिस्थितियों की वजह से उसे जो मुश्किलें झेलनी पड़ सकती हैं, उनकी वजह से उसके बेहतर भविष्य की संभावनाओं को खतरे में नहीं डाला जा सकता। इसके बाद अदालत ने अपील मंज़ूर कर ली और प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि वे एक महीने के भीतर नाबालिग की कस्टडी अभिषेक यादव को सौंप दें। वहीं, एक अन्य मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसी साल अप्रैल में पत्नी से गुजारा भत्ता मांगने वाले एक पति पर 15 लाख रुपये का हर्जाना लगा दिया था।

मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाओ, भविष्य बन जाएगा

गोरखपुर में प्रबंधक का छात्रा से अश्लील बातें करने का ऑडियो वायरल

गोरखपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर के गोला क्षेत्र में प्राइवेट स्कूल के प्रबंधक और एक छात्रा के बीच बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल क्लिप में एक तरफ से आवाज प्रबंधक की बताई जा रही है। जो छात्रा से पढ़ाई और भविष्य को लेकर बातचीत कर रहे हैं। आरोप है कि इसी दौरान भविष्य बनाने का लालच देकर छात्रा पर आपत्तिजनक तरीके से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया जा रहा है। फिलहाल इस वायरल ऑडियो की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस भी इसकी जांच कर रही है। अभी तक गोला थाने में किसी भी पक्ष से कोई शिकायत भी नहीं आई है।

वायरल ऑडियो में बातचीत करने वाला व्यक्ति गोला के पश्चिमी क्षेत्र स्थित एक निजी विद्यालय का प्रबंधक बताया जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर की आवाज को उसी विद्यालय की छात्रा का बताया जा रहा है। बातचीत के दौरान प्रबंधक छात्रा को गोरखपुर में रखकर पढ़ाने और उसके परिजनों से बातचीत करने की बात करता सुनाई दे रहा है।

आंदोलनरत छात्रों की बडी जीत

रोहिणी आचार्य ने सम्राट सरकार के फैसले पर किया बड़ा दावा

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में आंदोलन कर रहे छात्रों की मांग को सम्राट सरकार की ओर से स्वीकार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बकायदा इसका ऐलान भी किया। सरकार के मुताबिक बीपीएससी टीआरई 4 परीक्षा एक ही चरण में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा पीटी और मेंस बोलकर दो अलग- अलग परीक्षा नहीं होगी। पटना में छात्र नेताओं और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ अहम बैठक हुई।

जिसमें कुल 10 बिंदुओं पर सहमति बनी। सीएम सम्राट चौधरी ने खुद ही इसका ऐलान किया। उसके बाद छात्रों की ओर से आंदोलन खत्म करने की स्वीकारोक्ति दी गई है। ध्यान रहे कि छात्रों के आंदोलन पर और सरकार के झुकने पर प्रतिक्रिया देते हुए रोहिणी आचार्य ने कहा कि आंदोलनरत छात्रों- अभ्यर्थियों के संघर्ष और एकजुटता की जीत हुई है। छात्रों और अभ्यर्थियों का संघर्ष हमेशा नीतिगत सुधारों , परिवर्तन और पारदर्शिता की नींव रखता है।

जब युवा अपनी जायज़ मांगों के लिए एक स्वर में आवाज़ उठाते हैं, तो गूंगी - बहरी हो चुकी सरकार को भी झुकना ही पड़ता है। आज फिर से साबित हो गया कि जब - जब छात्र व युवा अपने हक के लिए संगठित होते हैं, तो लोकतंत्र की सबसे मजबूत आवाज़ बनते हैं।

रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखते हुए कहा कि सम्राट सरकार के द्वारा छात्रों की मांगों को मानना केवल एक परीक्षा या फैसले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक सफल प्रयास है।

गौरतलब है कि महीनों की अनिश्चितता और सरकार के द्वारा दिए गए मानसिक- शारीरिक उत्पीड़न के बावजूद छात्रों- अभ्यर्थियों ने अपना संयम नहीं खोया और सम्राट सरकार को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया। रोहिणी आचार्य ने ये भी कहा कि छात्रों की ये जीत हर उस युवा छात्र और अभ्यर्थी की जीत है। जिसने विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी वाजिब मांगों के साथ अपने संघर्ष पर विश्वास बनाए रखा।

ध्यान रहे कि मुख्यमंत्री ने खुद ही कहा कि छात्रों की मांग को लेकर सरकार शुरू से गंभीर रही है। अब छात्रों की मांगों के संबंध में एक निर्णय लिया गया है। इस बार टीआरई-4 परीक्षा एकल चरण में आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही 9 अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर फैसला लिया गया है।

ओडिशा में फिर एक्टिव होगा लो-प्रेशर !

सितंबर के पहले हफ्ते तक लगातार बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा में एक के बाद एक निम्न दबाव (लो-प्रेशर) प्रणाली बनने का सिलसिला जारी है।मौसम विभाग के ताजा आकलन के अनुसार 29 अगस्त तक एक नया निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके बाद सितंबर के पहले सप्ताह में एक और लो-प्रेशर सिस्टम विकसित हो सकता है। इस कारण राज्य में बारिश का दौर लगातार जारी रहने की संभावना है और सितंबर में शुष्क मौसम रहने की संभावना कम दिखाई दे रही है। मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तथा उससे सटे पश्चिम बंगाल और उत्तर ओडिशा तट के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है।

इसके प्रभाव से 29 अगस्त तक उसी क्षेत्र में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। अगले दो सप्ताह के विस्तृत पूर्वानुमान के अनुसार 3 या 4 सितंबर के आसपास उत्तर बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवाती परिसंचरण बन सकता है, जो आगे चलकर निम्न दबाव क्षेत्र का रूप ले सकता है। अनुमान है कि राज्य में बारिश की गतिविधियां और तेज होंगी। बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रापड़ा, कटक, जगतसिंहपुर, सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, बरगढ़, देवगढ़, संबलपुर, अनुगुल, ढेंकानाल, केंदुझर, मयूरभंज, सोनपुर, बौद्ध, नुआपड़ा, बलांगीर, कालाहांडी, कंधमाल, नवरंगपुर, रायगढ़ा, कोरापुट, मालकानगिरी, गंजाम, गजपति, पुरी, खुर्दा और नयागढ़ जिलों के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने केंदुझर और मयूरभंज जिलों में कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। वहीं बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रापड़ा, कटक, जगतसिंहपुर, सुंदरगढ़, संबलपुर, देवगढ़, अनुगुल, ढेंकानाल, सोनपुर और बौद्ध जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की आशंका जताई गई है। 2 सितंबर तक बारिश का प्रभाव अधिक रहने की संभावना है। इसके बाद भी मौसम में किसी बड़े बदलाव के संकेत फिलहाल नहीं दिख रहे हैं। बारिश कम होने के कारण राज्य की विभिन्न नदियों का जलस्तर फिलहाल घटा है। किसी भी स्थान पर नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर नहीं है और सभी नदियों में पानी लगातार कम हो रहा है। हीराकुंड जलाशय का जलस्तर 6 बजे 624.08 फीट दर्ज किया गया।

जलाशय में प्रति सेकंड 2 लाख 49 हजार 29 क्यूसेक पानी प्रवेश कर रहा है, जबकि 2 लाख 26 हजार 938 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। सुबह 9 बजे हीराकुंड बांध के 16 गेट खुले थे, लेकिन दिन में 4 गेट बंद कर दिए गए। वहीं मुंडली में तड़के 3 बजे 6 लाख 49 हजार क्यूसेक पानी का प्रवाह दर्ज किया गया था, जो लगातार घटते हुए शाम 7 बजे 5 लाख 68 हजार क्यूसेक रह गया।

राजोरी में पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ नाकाम, सेना की कार्रवाई से लौटे तीनों ड्रोन

जम्मू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास भारतीय सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, नौशेरा के रुमलीधारा इलाके में देर रात तीन ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल हुए। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने ड्रोन की गतिविधि को तुरंत पता किया। इसके बाद सेना ने बिना देर किए अपने काउंटर-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिए। भारतीय सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद तीनों ड्रोन वापस सीमा पार लौट गए। घटना के बाद इलाके में एहतियात के तौर पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। सुरक्षा बल पूरे क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए हैं और ड्रोन घुसपैठ से जुड़े किसी भी संभावित खतरे की जांच की जा रही है।

11 साल की लड़की के साथ रेप के आरोप में सरकारी स्कूल के हेडमास्टर को गिरफ़्तार किया गया

होशियारपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यहाँ एक सरकारी स्कूल के 52 साल के हेडमास्टर को इस महीने की शुरुआत में 11 साल की लड़की के साथ रेप करने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना 11 अगस्त को दोपहर 1.30 बजे से 2.30 बजे के बीच गाँव के श्मशान घाट के पास हुई। नाबालिग लड़की के पिता की शिकायत के आधार पर, भारतीय न्याय संहिता और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। हरियाना पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ), सब-इंस्पेक्टर गुरबचन सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ़्तार किया गया और मामले की आगे की जांच चल रही है।

कश्मीरी पंडितों ने धमकी भरे पत्र के स्रोत का पता चलने तक 'वर्क-फ्रॉम-होम' की सुविधा बढ़ाने की मांग की

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। घाटी में तैनात 'पीएम पैकेज' वाले कश्मीरी पंडित कर्मचारियों में डर का माहौल है, क्योंकि आतंकवादियों की ओर से कथित तौर पर दूसरा धमकी भरा पत्र जारी किया गया है। कर्मचारियों ने अधिकारियों से मांग की है कि जब तक सुरक्षा का माहौल बहाल नहीं हो जाता और जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक उनकी 'वर्क-फ्रॉम-होम' (घर से काम करने) की सुविधा को बढ़ाया जाए। 'ऑल माइग्रेंट डिस्प्लेस्ड एम्प्लॉइज एसोसिएशन कश्मीर' के उपाध्यक्ष रंजन जोत्शी ने इस नई धमकी के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा,

यह एक गंभीर मामला है और इसमें छह लोगों के बारे में जानकारी - जैसे उनके घर के नंबर और गाड़ियों के नंबर व रंग - जारी की गई है। जोत्शी ने सुरक्षा एजेंसियों से इन पत्रों की जांच करने और इनके स्रोत का पता लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, जांच करने वालों को धमकी भरे पत्र के स्रोत का पता लगाना चाहिए और ऑनलाइन धमकी देने वालों की पहचान करनी चाहिए। माना जा रहा है कि यह पत्र 'यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल' ने जारी किया है,

बकरी को निवाला बनाने घर में घुसा तेंदुआ ग्रामीण ने पकड़ा, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

इंदौर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सुबह बालाघाट जिले की मोहगांव ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले बकवारा गांव के मडकाटोला में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई, जब शिकार की तलाश में एक तेंदुआ एक किसान के घर में घुस गया। इस घटना से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, लेकिन घर के मालिक की सूझबूझ से एक संभावित हादसा टल गया और वन अधिकारियों ने सुरक्षित रूप से तेंदुए को रेस्क्यू कर लिया।

इसके पहले आईआईटी इंदौर के परिसर में तेंदुआ घूमता दिखाई दिया था। स्थानीय किसान तेजलाल मरकाम सुबह करीब 4:30 बजे अपनी बकरियों की अजीब आवाजें सुनकर जागे। जांच करने पर उन्होंने पाया कि घर के अंदर एक तेंदुआ जानवरों का शिकार करने की कोशिश कर रहा था।

गजब की सूझबूझ दिखाते हुए मरकाम ने तुरंत दरवाजा बंद कर दिया और तेंदुए को एक कमरे में कैद कर लिया। इसके बाद उन्होंने तुरंत वन विभाग को इस घुसपैठिए के बारे में सूचना दी। सूचना मिलने के बाद वन विकास निगम के लाम्टा प्रोजेक्ट के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। रिहायशी इलाके में फंसे जंगली जानवर से संभावित खतरे को देखते हुए, रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद के लिए पास के कान्हा नेशनल पार्क से एक पशु चिकित्सक को बुलाया गया। रेस्क्यू टीम ने घर से तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बहुत मेहनत की। सावधानी से योजना बनाने और उसे लागू करने के बाद टीम ने जानवर को बेहोश किया।

रेस्क्यू के बाद पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने तेंदुए की अच्छी तरह से स्वास्थ्य जांच की। अधिकारियों ने पुष्टि की कि जानवर स्वस्थ था और उसकी उम्र डेढ़ से दो साल है। तेंदुए के पूरी तरह ठीक होने और छोड़े जाने के लिए तैयार होने की पुष्टि के बाद उसे जंगल के एक सुरक्षित इलाके में ले जाया गया और उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ दिया गया। इस घटना को देखने के लिए आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। यह घटना जंगल से सटे इलाकों में जंगली जानवरों और इंसानी बस्तियों के बीच बढ़ते संपर्क पर सवाल उठाती है।

सड़क पार कर रही मां-बेटियों को बाइक ने रौंदा, 6 साल की ध्वनि की दर्दनाक मौत

वड़ोदरा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के वड़ोदरा शहर में एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने पैदल सड़क पार कर रही एक महिला और 2 बच्चियों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला और बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिसके बाद एक बच्ची की मौत हो गई। इस भयानक हादसे का चौंकाने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हादसा वड़ोदरा के मकरपुरा क्षेत्र के माणेजा क्रॉसिंग से जाम्बुवा की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर हुआ। वोल्टेम कंपनी के नजदीक मां और दो बेटियां पैदल निकली थीं।

वे सड़क पार कर रही थीं, तभी एक 19 साल के बाइक सवार ने उन्हें पूरी स्पीड से टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुर्घटना में महिला समेत दोनों बच्चियों को गंभीर चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल एक छोटी बच्ची को तत्काल इलाज के लिए वडोदरा की एसएसजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली में पकड़े दो गद्दार

आईएसआई के जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक कथित जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में मो। साहिल और समीरा नामक दो को गिरफ्तार किया गया है। जांच के अनुसार, ये दोनों आरोपी वर्ष 2024 से पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में थे। आरोपियों पर आठ भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजने का आरोप है। वे व्हाट्सऐप के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स से लगातार संपर्क में रहते थे। इस संपर्क का उपयोग गोपनीय जानकारी हासिल करने और साझा करने के लिए किया जाता था। इन व्यक्तियों को भारतीय कैंटोनमेंट इलाकों की रेकी करने के लिए भी भर्ती किया गया था। स्पेशल सेल अब गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। वे पाकिस्तानी हैंडलर्स और संभावित संवेदनशील जानकारियों के बारे में भी विवरण जुटा रहे हैं। यह जांच देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

घात लगाकर किए गए हमले में मारे गए चार नागा नागरिकों के शव बरामद

इम्फाल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर के कांगपोकपी ज़िले में घात लगाकर किए गए हमले में मारे गए चार नागा नागरिकों के शव शुक्रवार सुबह बरामद किए गए। यह हमला हुआ था। 8.30 बजे मकुई अशांग और थानाम्बा नागा गांवों के बीच एक सुनसान इलाके में हथियारबंद हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर हमला किया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। मृतकों की पहचान एक प्राइवेट स्कूल के संस्थापक और प्रिंसिपल टैडसोंगबोउ रिंगकांगमाई; एम विजुनामाई; अनिल विजुनामाई; और चावांगकिइनिंग विलेज अथॉरिटी के चेयरमैन विसोबोउ चारेनामाई के तौर पर हुई। घायल व्यक्ति की पहचान गाइकामांग रिंगकांगमाई के तौर पर हुई। ये सभी पांचों लोग लियांगमाई नागा समुदाय से थे। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार शाम को शवों को लाने की कोशिश की थी, लेकिन रास्ते में पड़ने वाले एक गांव में कथित नाकेबंदी और रुकावटों के कारण वे घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाए। राज्य पुलिस की एक टीम शुक्रवार सुबह हमले वाली जगह पर पहुंची और शवों को वापस लाई, जिन्हें सेनापति ज़िला मुख्यालय ले जाया जा रहा था। इन हत्याओं के बाद रात सेनापति ज़िला मुख्यालय में विरोध-प्रदर्शन हुए और लोगों ने मांग की कि शवों को नागा-बहुल ज़िले में लाया जाए। बाद में, जब शव कांगपोकपी ज़िले के थोंगलांग अतोंगबा पहुंचे, तो गांव के स्वयंसेवकों ने सम्मान के तौर पर हवा में कई राउंड गोलियां चलाईं।

हमले के बाद, मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की और सुरक्षा बलों को इसमें शामिल लोगों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। मणिपुर में नागाओं की सबसे बड़ी संस्था, यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनजी) ने आरोप लगाया कि इस हमले के पीछे दो उग्रवादी संगठन - कुकी नेशनल फ्रंट (पी) और कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी (केआरए) - का हाथ था।

नया वक्फ कानून लागू होने के बाद एमपी में देश की सबसे बड़ी कार्रवाई, अवैध कब्जा करने वालों को 28.9 करोड़ का नोटिस

भोपाल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नया वक्फ कानून लागू होने के बाद एमपी वक्फ बोर्ड ने देश में सबसे बड़ी कार्रवाई की है। वक्फ बोर्ड ने भोपाल में 20 वर्षों से वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जा करने वालों पर एफआईआर दर्ज कराई है। वक्फ बोर्ड का आरोप है कि कब्जाधारियों ने 20 वर्षों में सुल्तानिया रोड शाहजहानी इलाके में अवैध रूप से इज्तिमा में दुकानें लगाकर और अस्पताल खोलकर हर साल 2 करोड़ रुपये से अधिक का किराया वसूला है।

कब्जाधारी शाहिद अलीम और अन्य आरोपियों को 20 सालों के दौरान अवैध रूप से किराए में वसूली गए 28.9 एक करोड़ रुपए का रिकवरी नोटिस जारी किया है। एमपी वक्फ बोर्ड के मुताबिक कब्जा धारियों ने वक्फ की जमीन पर अवैध रूप से मालिकाना हक जताकर 20 सालों से सैकड़ो दुकानों का करोड़ों रुपए किराया लिया है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर सनवर पटेल के मुताबिक ये जमीन 1961 से वक्त के नाम गजट नोटिफाई है, लेकिन दारुल शफकत समिति ने वक्फ की 2.7 एकड़ संपत्ति को अवैध रूप से अपना बताते हुए तमाम संपत्ति को किराए पर देते हुए हर साल दो करोड़ से ज्यादा की कमाई की।

मालदा मेडिकल कॉलेज में 75 से ज्यादा नवजातों की मौत मचा हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

मालदा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नवजातों की मौत की घटना से हड़कंप मचा हुआ है। मालदा में नवजातों की मौत का आंकड़ा 75 के पार हो गया है। इसमें एक ही दिन 10 बच्चों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। मालदा मेडिकल कॉलेज ने पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य विभाग को रिपोर्ट भेजी। इस बीच जिला प्रशासन की ओर से भी अलग से रिपोर्ट मांगी गई है। अतिरिक्त जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रशासन ये जानना चाहता है कि एक माह में 75 से ज्यादा नवजातों की मौत कैसे हो गई। अस्पताल प्रबंधन अतिरिक्त जिलाधिकारी के साथ बैठक में कुछ बिंदू रखे हैं। ये बिंदू विस्तृत रिपोर्ट में शामिल होंगे। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, जन्म के समय वजन कम होना, सांस लेने में परेशानी, पीलिया, संक्रमण और हृदय संबंधी समस्याओं की वजह से नवजातों की मौत हुई है। मौतें रोकने के लिए नई गाइडलाइन बनाई जा रही है। इस बात की भी जांच की जाएगी कि क्या भर्ती के बाद इलाज की प्रक्रिया, बच्चों की स्थिति व उपचार में किसी स्तर पर कमी की गई? अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रसेनजीत बार ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने हमसे रिपोर्ट मांगी थी। हमने पहले प्रारंभिक रिपोर्ट भेजी थी। विस्तृत रिपोर्ट भी भेज दी गई।

जांच इस बात की भी होगी कि क्या मौतों के पीछे सिर्फ चिकित्सकीय कारण हैं या अन्य वजहें भी हैं। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने इन मौतों के लिए भाजपा प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने एक्स पर कहा, क्या स्वास्थ्य मंत्री इस्तीफा देंगे या जवाबदेही पश्चिम बंगाल में भाजपा की शासन व्यवस्था का हिस्सा ही नहीं है? राज्य सरकार में मंत्री सुमोना सरकार ने कहा कि विभागीय शुरू की जा चुकी है। जांच में जो लापरवाही सामने आने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डांस बार में काम का झांसा देकर नेपाल भेजी जा रही थीं लड़कियां, एसएसबी ने दो तस्करों को पकड़ा

सिलीगुड़ी, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का एसएसबी ने फिर खुलासा किया है। पानीटंकी सीमा से नेपाल ले जाई जा रही चार नाबालिग समेत 6 भारतीय युवतियों को एसएसबी ने बरामद किया है। युवतियों के साथ मौजूद दो युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है। एसएसबी और जांच एजेंसी की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि युवतियों और नाबालिगों को नौकरी का झांसा देकर नेपाल के विराटनगर स्थित एक डांस बार में पहुंचाने की तैयारी थी। आगे की कार्रवाई के लिए सभी को दार्जिलिंग जिला पुलिस के खोरीबाड़ी थाने के हवाले कर दिया गया है।

मामले में निर्मल देबबर्मा व चिन्मय बसाक को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी मिली है कि एसएसबी की 41वीं बटालियन की 'डी' कंपनी पानीटंकी के जवानों ने गुरुवार रात ओल्ड ब्रिज इलाके में नियमित जांच के दौरान सीमा पार करने की कोशिश कर रहे 8 लोगों को संदेह के आधार पर उन्हें रोका। 6 युवतियों के साथ दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पूछताछ के दौरान पता चला कि 6 युवतियों में चार नाबालिग हैं।

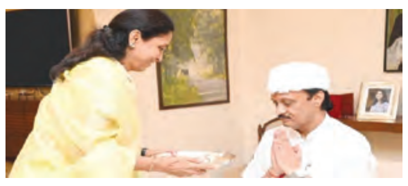

रक्षाबंधन पर सुप्रिया सुले को याद आए दादा अजित पवार

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के मौके पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने अपने दिवंगत भाई अजित पवार को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर भाई के साथ राखी बांधते हुए एक पुरानी तस्वीर साझा की और बेहद भावुक पोस्ट लिखी। सुप्रिया सुले ने अपने संदेश में बचपन की यादों और भाई के साथ अपने रिश्ते को याद करते हुए कहा कि उनकी कमी से पैदा हुआ खालीपन कभी नहीं भर सकता। सुप्रिया सुले ने अपने पोस्ट की शुरुआत 'प्यारे दादा' कहकर की। आइए जानते हुए उन्होंने इस पोस्ट में क्या लिखा। प्यारे दादा, आज रक्षाबंधन है।

लेकिन इस बार आप हमारे साथ नहीं हैं और यह एहसास मेरे दिल को बहुत बेचैन कर रहा है। सात महीने पहले की वह भयानक सुबह और आपका अचानक चले जाना। आज भी मुझे इस बात पर यकीन नहीं होता। बचपन से साथ बड़े होना, हमारी लड़ाइयां, एक-दूसरे के लिए प्यार और एक-दूसरे पर गर्व महसूस करना, यही हमारे रिश्ते की नींव थी। अब भी ऐसा लगता है कि आप अचानक कहीं से आ जाएंगे, मुझे आपको राखी बांधने देंगे, अपनी बहनों के साथ हंसी-मजाक करेंगे और फिर से परिवार का हिस्सा बन जाएंगे।

फर्जी आईएएस तृप्ति राजपूत का मायाजाल

ससुराल से मिला ट्रेनिंग किट, इसमें मोमेंट और मसूरी की तस्वीर ; भोपाल में भी दर्ज हुआ केस

अशोकनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर से गिरफ्तार फर्जी आईएएस अधिकारी तृप्ति राजपूत को लेकर हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। वह बेहद शातिर थी। उसकी चाल में अच्छे-अच्छे लोग फंस जाते थे। भोपाल में भी तृप्ति राजपूत के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। उसने एमपीटी के होटल लीज पर दिलाने के नाम पर 30 लाख रुपए से अधिक की ठगी की थी। चंदेरी पुलिस ने दोनों आरोपी भाई-बहन को लेकर भोपाल पहुंची, जहां पुलिस को आरोपियों के घर से घटना से संबंधित साक्ष्य, दस्तावेज और फर्जी नाम से कई शील्ड और मोमेंटो भी मिले हैं।

इन्हीं चीजों को दिखाकर वह लोगों की आंखों में धूल झोंकती थी। फिर उन्हें ठगी का शिकार बनाती थी। फरियादी जयकुमार कोली समेत अन्य फरियादियों ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 07 अप्रैल 2025 को तृप्ति सिंह राजपूत, उसके भाई सुधांशु सिंह और अन्य साथी तनुज वैश्य और अंजली सिंह चंदेरी भ्रमण के लिए आए थे।

सभी लोग किलाकोठी में ठहरे थे। आरोपियों में से तृप्ति सिंह द्वारा स्वयं को मध्यप्रदेश टूरिज्म विभाग की एडिशनल डायरेक्टर बताते हुए फरियादियों को प्रभावित किया गया। इसके बाद आरोपियों द्वारा फरियादियों को सरकारी नौकरी लगवाने और अच्छा वेतन दिलाने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने बताया कि नौकरी मानव संसाधन विकास

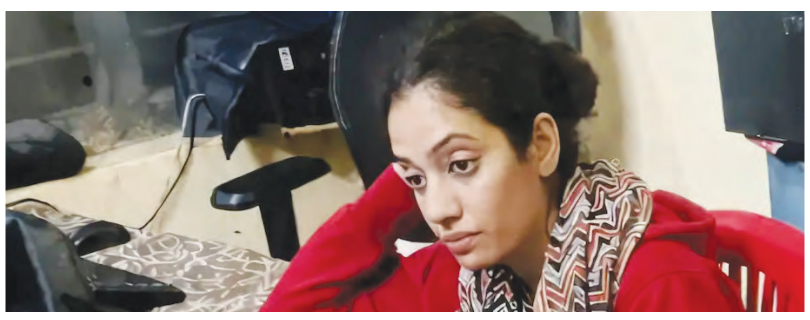

मंत्रालय में लगेगी। तृप्ति सिंह ने स्वयं को उसका हेड बताया। नौकरी लगवाने के नाम पर तीन लाख रुपये प्रति व्यक्ति की मांग की गई। विश्वास में आकर फरियादियों द्वारा कुल 9 लाख 80 हजार रुपये नगद किला कोठी में आरोपियों को दिए गए व आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध कराए गए। शेष 2 लाख रुपये बाद में देने की बात कही गई।

जिसके बाद फरियादियों की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन दिन की रिमांड ली थी। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों को उनके घर संत आसाराम नगर, बागमुगलिया, जिला भोपाल लेकर पहुंची। यहां फरियादियों से लिए गए दस्तावेज, महंगे आईफोन खरीदने की रिसिप्ट, महंगे होटलों में रुकने के बिल और हवाई यात्रा के प्रमाण मिले हैं। पुलिस जब इन दोनों ही आरोपी भाई-बहन को लेकरभोपाल पहुंची तो उनके होश उड़ गए। ठगी के आरोपी दोनों भाई-बहन मोबाइल का डेटा हटा चुके थे।

वहीं, तृप्ति राजपूत के ससुराल ए-147 अलकापुरी में जब पुलिस पहुंची तो वहां फर्जी आईएएस की फर्जी ट्रेनिंग के दस्तावेज मिले। साथ ही आरोपियों के ड्राइवर के घर से भारत सरकार लिखी कार बरामद की गई है। मामले में धारा 319(2), 61(2) बीएनएस का इजाफा किया गया। आरोपी तनुज वैश्य और अंजली सिंह की तलाश जारी है।

कश्मीर में नौकरी और अमरनाथ यात्रा के लिए टेंट लगाने के नाम पर धोखाधड़ी के आरोप में बीजेपी नेता पर केस दर्ज

श्रीनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में एक बीजेपी नेता के खिलाफ़ केस दर्ज किया है। उन पर एक व्यक्ति को स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) की नौकरी दिलाने और अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान पहलगाम में टेंट लगाने की अनुमति दिलाने का झांसा देकर 8.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि यह मामला अनंतनाग के रहने वाले वहीद अहमद इत्तू की लिखित शिकायत पर दर्ज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजबेहरा के रहने वाले बीजेपी नेता और पार्टी की ज़िला इकाई के महासचिव आबिद हुसैन नेगरू ने उनके साथ धोखाधड़ी की। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने शिकायतकर्ता को यह कहकर झांसे में लिया कि वह पुलिस विभाग में एसपीओ के तौर पर सरकारी नौकरी दिला सकता है और अपनी राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल करके अमरनाथ यात्रियों के लिए पहलगाम में टेंट लगाने की अनुमति भी दिला सकता है।

शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि इन आश्रोसनों और बातों के आधार पर, उन्हें कुल 8,25,000 देने के लिए राजी किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत पर संज्ञान लेते हुए, अनंतनाग पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 318(4) और 351(3) के तहत एफआईआर नंबर 283/2026 दर्ज की गई और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा है कि सरकारी नौकरी या अन्य आधिकारिक लाभों के झूठे वादे करके लोगों के साथ धोखाधड़ी, जालसाजी या शोषण में शामिल पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ़ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने जनता को सतर्क रहने और ऐसे धोखाधड़ी वाले आश्वासनों के झांसे में न आने की सलाह दी है। नेगरू ने पहले ही 8 अगस्त को अनंतनाग के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज की अदालत में कथित मानहानि के लिए हर्जाने की मांग करते हुए अर्जी दी थी। अपनी अर्जी में, उन्होंने इत्तू द्वारा उन पर लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद और आधारहीन बताया। नेगरू ने दावा किया कि इत्तू के मन में उनके प्रति बदले की भावना पैदा हो गई थी क्योंकि उन्हें पार्टी और आम जनता के बीच सम्मान और इज़्ज़त मिल रही थी।

उन्होंने अदालत से गुहार लगाई है कि वहीद को उनके खिलाफ़ ऐसे मानहानिकारक बयान देने से अस्थायी रूप से रोका जाए। इस मामले की सुनवाई 15 सितंबर को तय की गई है और वहीद को उस दिन कोर्ट में मौजूद रहने के लिए कहा गया है।

चीन के सिचुआन प्रांत में लगे भूकंप के तेज झटके 5.0 मापी गई तीव्रता दहशत में लोग

ताइपे, 28 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर के मुताबिक लॉन्गचांग शहर में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की खबर मिलते ही हलचल मच गई है और लोग घरों से निकलकर बाहर भागते दिखे। चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर यानी सीईएनसी, जो चीन में भूकंप की निगरानी करने वाली आधिकारिक संस्था है, ने इस भूकंप की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र लॉन्गचांग शहर में था, जो सिचुआन प्रांत में स्थित है। बता दें कि सिचुआन प्रांत में पहले भी कई बार भूकंप आ चुके हैं,

इसलिए यहां भूकंप को लेकर लोग हमेशा सतर्क रहते हैं और 5.0 तीव्रता का भूकंप मध्यम स्तर का माना जाता है और इससे इमारतों में हल्के झटके और दरारें आने की आशंका रहती है। हालांकि फिलहाल किसी तरह के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है।

कंगना रनौत से बैर खत्म करना चाहते हैं बाबा रामदेव

रक्षाबंधन पर भेजे तोहफे और मिठाई

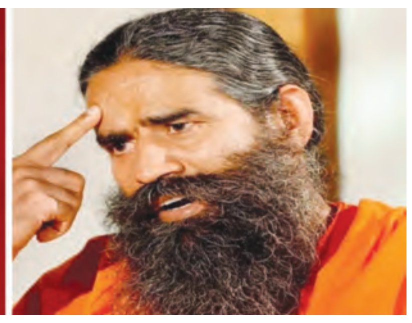

हरिद्वार, 28 अगस्त (एजेंसियां)। योग गुरु बाबा रामदेव और भाजपा सांसद कंगना रनौत के बीच चल रहे विवाद के बाद अब रिश्तों में मिठास लाने के लिए रक्षाबंधन के लिए बाबा रामदेव ने कंगना रनौत को मिठाइयां और तोहफे भेंट किए हैं। बाबा रामदेव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उनके और कंगना रनौत के बीच बढ़ती कड़वाहट को देखते हुए वे अभिनेत्री के घर मिठाइयां और राखी के तोहफे भेज रहे हैं, जिससे रिश्ते सामान्य हो सकें। बाबा रामदेव ने कहा, बहन कंगना रनौत को गिफ्ट और मिठाई हम बाई पोस्ट भेज रहे हैं। किसी भी कारण से देश में नफरत नहीं होनी चाहिए और न ही एक दूसरे के प्रति बैर की भावना होनी चाहिए। इसलिए हमने बैर का परित्याग कर दिया है।

उन्होंने बताया कि तोहफा और मिठाई भेजने के साथ-साथ वे कंगना को फोन भी करेंगे। उन्होंने कहा, पिछले दिनों एक विवाद उठा था कि स्वामी रामदेव और कंगना के बीच कहीं विवाद तो नहीं हो गया है। इस विवाद को संवाद से खत्म करें और आज हम बहन कंगना को फोन भी करेंगे और उनको बोलेंगे कि बहन कंगना रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं। मीडिया के सामने वे लिफाफे में कुछ रुपए डालकर कहते हैं कि बहन कंगना रनौत को हम कुछ उपहार और मिठाइयां भेज रहे है, जिससे रिश्ते में मिठास बनी रहे। उन्होंने कहा, बहुत से ऐसे प्रवाह होते हैं, जिससे हमारी बहन कंगना रनौत से हमने कुछ बोला लेकिन सब शिकवे भुलाकर करके हम एक-दूसरे के साथ प्रेम से आगे बढ़ें, यही रक्षाबंधन का संदेश है। दरअसल, योग गुरु बाबा रामदेव और भाजपा सांसद कंगना रनौत के बीच विवाद कंगना के 'जेन-जी' प्रदर्शनकारियों को 'गटर जेनरेशन/गटरछाप' कहने वाले बयान से शुरू हुआ था। एक टीवी कार्यक्रम के दौरान बाबा रामदेव ने कंगना के इस बयान की कड़ी आलोचना की थी। रामदेव ने कहा था कि किसी युवा पीढ़ी को ऐसा कहना बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है और उन्होंने कंगना के अतीत, बचपन व जवानी पर सवाल उठाए थे। बाबा रामदेव के इस बयान पर कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बाबा रामदेव उनकी जवानी या बेडरूम के बारे में दिन में सपने देखना छोड़ दें। कंगना ने यह भी कहा कि उन पर कभी फर्जी मेडिकल दावों या कानूनी फजीहत का दाग नहीं लगा है।

मलाला यूसुफजई की किताब पढ़ रहे लोगों की पिटाई

बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर लगा आरोप, कई हिरासत में

अहमदाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में मलाला यूसुफजई की किताब पढ़ने पर लोगों को पीटने के आरोप लगे हैं। आरोप है कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वस्त्रपुर इलाके के ऑडा गार्डन में किताब पढ़ने के लिए जुटे सिविल सोसाइटी के सदस्यों के साथ मारपीट की। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए लोगों को अहमदाबाद के वस्त्रपुर स्थित ऑडा गार्डन में इकट्ठा होकर नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफ़ज़ई की किताब पढ़ने की जानकारी दी गई थी। इसकी सूचना मिलने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए। उन्होंने किताब पढ़ने को भारत-विरोधी नैरेटिव का समर्थन बताते हुए विरोध जताया।

मलाला यूसुफजई की किताब को लेकर अहमदाबाद में विवाद करीब दो सप्ताह पहले शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि शहर के एक स्कूल ने अपने छात्रों को यूसुफजई की किताब पढ़ने के लिए दी थी। इसके बाद बजरंग दल के सदस्यों ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ताओं ने कश्मीर मुद्दे पर यूसुफजई के पुराने रुख का हवाला देते हुए उसे भारत-विरोधी बताया। विरोध और विवाद बढ़ने के बाद स्कूल प्रशासन ने किताब को अपनी रीडिंग लिस्ट से हटाने और छात्रों को इसे पढ़ाने पर रोक लगाने का फैसला किया था। स्कूल के इस फैसले के बाद कांग्रेस नेता पार्थिव सिंह कथवाडिया समेत कई नेता, सिविल सोसाइटी के सदस्य और स्थानीय लोग ऑडा गार्डन में जुटे। उनका कहना था कि किताब को स्कूल की रीडिंग लिस्ट में दोबारा शामिल किया जाना चाहिए।

इसी दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए और उन्होंने इसका विरोध किया। दोनों पक्षों के बीच बहस बढ़ने के बाद मारपीट की स्थिति बन गई। आरोप है कि बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किताब पढ़ रहे लोगों के साथ मारपीट की। सिविल सोसाइटी के सदस्यों का कहना है कि भारत में हर व्यक्ति को अपनी पसंद की किताब पढ़ने का अधिकार है।

कनाडा को चिढ़ाने के चक्कर में फिर ट्रोल हुआ व्हाइट हाउस

उल्टा पड़ा बाज और हंस की फोटो का दांव

वाशिंगटन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहे कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव के बीच कनाडा को नीचा दिखाने के लिए एक बाज द्वारा कनाडाई हंस को दबोचने की फोटो पोस्ट की, जिसमें एक अमेरिकी बाज (गंजा बाज) कनाडाई हंस को दबोचे हुए दिख रहा है। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी ताकत का प्रतीक बनाकर शेयर किया, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उल्टा पड़ गया। क्योंकि जिस वीडियो से यह तस्वीर ली गई थी, उसमें अंततः कनाडाई हंस ने ही पलटवार कर बाज को खदेड़ दिया था। दरअसल, व्हाइट हाउस द्वारा शेयर की गई तस्वीर का मकसद यह था कि अमेरिका एक शक्तिशाली बाज की तरह हावी है और कनाडा की बत्तख हार मान चुकी है।

हालांकि, गोवा के एक प्रवासी द्वारा रिकॉर्ड किए गए मूल फुटेज ने इस कहानी का पूरा पासा ही पलट दिया। बर्फ पर करीब 20 मिनट तक चले इस हवाई संघर्ष में कनाडाई बत्तख ने ऐसा पलटवार किया कि अंततः अमेरिकी गंजे बाज को हार मानकर वहां से उड़ना पड़ा। यह अद्भुत दृश्य 23 फरवरी 2025 को ओंटारियो के बर्लिंगटन में मर्विन सेक्वेरा ने अपने कैमरे में कैद किया था। मूल रूप से गोवा के रहने वाले मर्विन कनाडा बसने के बाद एक उत्साही वन्यजीव फोटोग्राफर बन गए हैं। घटना की जानकारी देते हुए मर्विन सेक्वेरा ने ग्लोबल न्यूज को बताया कि उन्होंने बाज को हंस पर बार-बार हमला करते देखा था।

उन्होंने कहा, 20 मिनट तक चले इस संघर्ष के अंत में बाज ने हार मान ली और वहां से उड़ गया। वीडियो सूट करने वाले मर्विन सेक्वेरा ने वन्यजीवों के प्रति अपने लगाव को विदेश नीति से जोड़ने की कोशिशों को खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इसे किसी तरह का राजनीतिक रंग देने के बजाय एक प्राकृतिक घटना के रूप में देखना पसंद करते हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस अनोखी घटना को हाथ से जाने नहीं दिया और इस फोटो के जरिए कनाडा को नीचा दिखाने की कोशिश की, जो पूरी तरह नाकाम हो गया। कनाडा को चिढ़ाने के चक्कर में एक बार फिर व्हाइट हाउस अपनी इस हरकत के चलते ट्रोल हो रहा है।

'ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता'

कैरोलिन लेविट की उत्तराधिकारी को सलाह, व्हाइट हाउस प्रवक्ता पद से विदा

वॉशिंगटन, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की निवर्तमान व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने आखिरी दिन अपने काम की व्यस्तता का जिक्र करते हुए कहा कि टेलीविजन पर दिखाई देने वाली प्रेस ब्रीफिंग उनके काम का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 90 प्रतिशत काम पत्रकारों के फोन कॉल का जवाब देने में जाता है। लेविट ने कहा, 'लोग यह नहीं समझते कि इस नौकरी में ब्रीफिंग और टीवी पर मैंने जो किया, वह 10 प्रतिशत है। 90 प्रतिशत काम सुबह पांच बजे और रात 11 बजे तक आपके सभी फोन कॉल लेने का है'। उन्होंने कहा कि उन्हें इस हिस्से की कमी महसूस नहीं होगी, लेकिन पत्रकारों के साथ रोजाना काम करने की याद आएगी। इस दौरान कैरोलिन लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को सलाह देते हुए कहा कि इस पद पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता हैं। लेविट ने आगे कहा कि व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चिउंग और वह अक्सर मजाक करते थे कि ट्रंप ही व्हाइट हाउस के 'असल कम्युनिकेशन डायरेक्टर और प्रेस सेक्रेटरी' हैं। कैरोलिन लेविट ने 27 अगस्त को व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में अपना आखिरी दिन पूरा किया।

वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में इस पद पर रहने वाली सबसे कम उम्र की प्रेस सचिव थीं। उन्होंने परिवार और अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि, वह ट्रंप के बाहरी सलाहकार के तौर पर काम करती रहेंगी। कैरोलिन लेविट इस पद पर रहने वाली 36वीं प्रेस सचिव थीं। लेविट ने अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का मजबूती से बचाव किया। व्हाइट हाउस ने उनके कार्यकाल के कई चर्चित पलों को याद करते हुए उनकी पत्रकारों के साथ तीखी बहस और सरकार की नीतियों के बचाव का जिक्र किया।

नॉर्वे के राजा हेराल्ड का 89 साल की उम्र में निधन, उनके बेटे बने राजा हाकोन आठवीं

ओस्लो 28 अगस्त (एजेंसियां)। नॉर्वे के राजा हेराल्ड वी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 89 साल के थे। बचपन में जब नाज़ियों ने उनके देश पर कब्ज़ा कर लिया था, तब वे अमेरिका चले गए थे। उन्होंने कई यूरोपीय कुलीन महिलाओं के प्रस्ताव ठुकराकर अपनी स्कूल की प्रेमिका से शादी की थी।महल ने बताया कि ओस्लो के नेशनल हॉस्पिटल में सुबह 6:35 बजे उनका निधन हुआ। हेराल्ड यूरोप के सबसे उम्रदराज़ राजा थे।

इस लोकप्रिय राजा ने शाही परिवार को आधुनिक बनाया, लेकिन हाल के समय में गद्दी छोड़ने वाले दूसरे उम्रदराज़ राजाओं की राह पर चलने से इनकार कर दिया। उनके बेटे अपने आप राजा हाकोन आठवीं बन गए।यूरोप के दूसरे शाही परिवारों की तरह, नॉर्वे के राजाओं की भूमिका भी ज़्यादातर प्रतीकात्मक होती है और उन्हें सेलिब्रिटी जैसा दर्जा मिलता है, जबकि 55 लाख की आबादी वाले इस लोकतंत्र में असली ताकत चुनी हुई संसद के पास होती है। जनवरी 1991 में अपने ब्रिटिश मूल के पिता, राजा ओलाव वी के निधन के बाद हेराल्ड राजा बने और अपने देश में तेल और गैस से आई आर्थिक तेज़ी के दौरान शासन किया। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान शाही परिवार नॉर्वे से भाग गया थाहेराल्ड का जन्म 1937 में ओस्लो के पास एस्कर में हुआ था।

वे 1370 में राजा ओलाव आईवी के बाद देश में पैदा होने वाले पहले नॉर्वेजियन राजकुमार थे। इसके बाद की सदियों में नॉर्वे का अपना कोई राजा नहीं था, जब तक कि 1905 में स्वीडन और नॉर्वे के बीच संघ टूटने के बाद हेराल्ड के दादा, हाकोन वीआईआई को राजा नहीं चुना गया।जब दूसरे विश्व युद्ध की शुरुआत में नाज़ियों ने नॉर्वे पर कब्ज़ा किया, तब हेराल्ड 3 साल के थे। पकड़े जाने से बचने के लिए, उनकी माँ उन्हें और उनकी बहनों, रैगनहिल्ड और एस्ट्रिड को लेकर पहले स्वीडन और फिर नाव से अमेरिका चली गईं, जबकि हेराल्ड के पिता और दादा नॉर्वे की सरकार के साथ ब्रिटेन चले गए। जर्मन मांगों को मानने से हाकोन के इनकार ने लोगों के बीच उनके लिए सम्मान बढ़ाया।

ट्रंप के बेटे बैरन को मारने की साजिश रच रहा ईरान?

तेहरान ने बताया 'झूठ', नेतन्याहू को नर्क भेजने की धमकी

तेहरान, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अब इसकी आंच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार तक पहुंचने के दावे सामने आने लगे हैं। ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति के छोटे बेटे बैरन ट्रंप की हत्या की कथित साजिश को पूरी तरह खारिज किया है। हालांकि, इसी बयान में उन्होंने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ बेहद तीखे तेवर भी दिखाए। लेबनान के दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि बैरन को निशाना बनाने की कथित योजना की खबर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गढ़ी है।

उनका आरोप था कि नेतन्याहू ने इस तरह की खबरों के जरिए ट्रंप को डराने की कोशिश की। मामला तब गंभीर हो गया जब ईरानी सरकारी टीवी से जुड़े एक वीडियो में दावा किया गया कि 20 वर्षीय बैरन ट्रंप पर नजर रखी जा रही है और उनकी हत्या के लिए 10 मिलियन डॉलर यानी करीब 1 करोड़ डॉलर का इनाम रखा गया है। हालांकि, इस वीडियो में किए गए दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने कहा है कि उन्हें वीडिया मिला है और अपने सुरक्षा घेरे में आने वाले लोगों के खिलाफ किसी भी संभावित धमकी की जांच करती है।

सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता नैट हेरिंग ने कहा कि ऑपरेशनल सुरक्षा के कारण वह किसी खास सुरक्षा जानकारी पर चर्चा नहीं कर सकते। ईरानी सुरक्षा प्रमुख ने कथित साजिश को झूठ बताते हुए ऐसा बयान भी दिया, जिसने मामले को और गर्म कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने किसी की हत्या करने का फैसला किया होता तो उसे रोकना आसान नहीं होता। यानी रेजाई एक तरफ बैरन ट्रंप को लेकर सामने आए दावे को मनगढ़ंत बता रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनका बयान अमेरिका के लिए बेहद आक्रामक मैसेजिंग के तौर पर देखा जा सकता है।

'बांग्लादेश क्या भारत से युद्ध लड़ेगा?'

बांग्लादेशी एक्सपर्ट ने मुस्लिम नाटो से दूर रहने के 5 कारण बताए

ढाका, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सियासत और आम लोगों के बीच एक बहस जो सबसे ज्यादा है वो ये कि क्या देश को पाकिस्तान, सऊदी और तुर्की वाले 'इस्लामिक नाटो' में शामिल होना चाहिए? बांग्लादेशी एक्सपर्ट मो। शरीफुल इस्लाम जो राजशाही यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशंस पढ़ाते हैं उन्होंने कहा है कि किसी देश को विदेश नीति से जुड़े फैसले भावनाओं के बजाय तथ्यों और सावधानीपूर्वक किए गए विश्लेषण के आधार पर लेने चाहिए। इसके पीछे उन्होंने 'रैशनल एक्टर मॉडल' का हवाला दिया है और भावनाओं के बजाए तर्क के आधार पर फैसला लेने की अपील की है। उन्होंने लिखा है कि बांग्लादेश को 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' में शामिल होने का फैसला करने से पहले इसी तरह सावधानीपूर्वक आकलन करना चाहिए। इस नजरिए से देखें तो कई ठोस कारण हैं जिनकी वजह से इस समझौते में शामिल होना बांग्लादेश के सर्वोत्तम हित में नहीं हो सकता है। उन्होंने पांच ऐसे वजहों का जिक्र किया है

और तारिक रहमान की सरकार को सलाह दी है कि बांग्लादेश को 'मक्का पैक्ट' में शामिल नहीं होना चाहिए। मो। शरीफुल इस्लाम ने द डेली स्टार में लिखे लेख में पूछा है कि किसी रक्षा समझौते में शामिल होने का सबसे पहला आधार होता है किसी दुश्मन का होना। जब उन्हें गंभीर बाहरी सुरक्षा खतरों खासकर सैन्य खतरों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तान दलील दे सकता है कि उसे भारत और अफगानिस्तान से खतरा है, इसी तरह सऊदी अरब भी इजरायल और मिडिल ईस्ट के हालात का हवाला दे सकता है जबकि तुर्की के लिए भी इजरायल और भूमध्यसागर के देश खतरे की तरह दिख सकते हैं लेकिन बांग्लादेश के सामने क्या खतरा है? उन्होंने मक्का समझौते से दूर रहने की दूसरी वजह का हवाला देते हुए लिखा है कि इस्लामिक नाटो कहता है कि एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला होगा। तो क्या अगर भविष्य में भारत और पाकिस्तान किसी संघर्ष में फंसते हैं तो क्या बांग्लादेश भारत से युद्ध लड़ेगा?

भारत-चीन की बढ़ती नजदीकी से पाकिस्तान बेचैन, आर्टिकल 370 के मॉडल पर पीओके का स्टेटस बदलने की तैयारी

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर बातचीत आगे बढ़ने के बाद पाकिस्तान की चिंता बढ़ती दिख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, शहबाज शरीफ सरकार पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और गिलगित-बाल्टिस्तान के संवैधानिक दर्जे में बदलाव पर विचार कर रही है। इसके लिए एक नए संवैधानिक ढांचे की तैयारी की जा रही है, जिसके तहत दोनों क्षेत्रों को अंतरिम प्रांत जैसा दर्जा दिया जा सकता है। पाकिस्तान का यह कदम 2019 में भारत के अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले की तर्ज पर बताया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि यह बदलाव 28वें संवैधानिक संशोधन या किसी अन्य आगामी कानून के जरिए किया जा सकता है। पाकिस्तान अपने संविधान के अनुच्छेद 1(2) में बदलाव की संभावना पर भी विचार कर रहा है। इस अनुच्छेद में पाकिस्तान के क्षेत्र और अधिकार क्षेत्र वाले इलाकों को परिभाषित किया गया है। प्रस्ताव के तहत पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान को पाकिस्तान के संघीय ढांचे में ज्यादा औपचारिक जगह देने और उन्हें पाकिस्तानी संसद में प्रतिनिधित्व देने की बात सामने आई है। हालांकि, अभी यह प्रस्ताव विचार के स्तर पर है। पाकिस्तान सरकार की ओर से इन दोनों क्षेत्रों को स्थायी रूप से प्रांत बनाने का कोई अंतिम फैसला सार्वजनिक नहीं किया गया है। पाकिस्तान भारत और चीन के बीच चल रही सीमा वार्ता पर बारीकी से नजर रख रहा है। खासकर भारतीय एनएसए अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई हालिया बैठक को इस्लामाबाद अहम मान रहा है। भारत और चीन सीमा विवाद को बातचीत के जरिए सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान को आशंका है कि दोनों देशों के रिश्तों में सुधार से क्षेत्र में उसकी रणनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। पाकिस्तान की प्रस्तावित कवायद की तुलना भारत के 2019 में अनुच्छेद 370 से जुड़े फैसले से की जा रही है।

अगस्त 2019 में भारत ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किया और जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख को अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाया। इसी तरह पाकिस्तान अगर पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान के संवैधानिक दर्जे में बदलाव करता है, तो इन क्षेत्रों को अपने संघीय ढांचे में ज्यादा औपचारिक रूप से शामिल करने की कोशिश मानी जाएगी।

इंसानियत शर्मसारः बाढ़ पीड़ित महिला के शव से सोने की बाली चुराई, वीडियो वायरल होने पर 2 गिरफ्तार

काठमांडू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में बाढ़ और सैलाब से मची तबाही के बीच इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। भोटेकोशी नदी के किनारे बाढ़ में बहकर आए एक शव से सोने की बाली चुराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नेपाल पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आरोपियों के खिलाफ भारी आक्रोश देखने को मिला। पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक नदी किनारे पड़े बाढ़ पीड़िता के शव के कान से सोने की बाली निकालता नजर आ रहा है।

इस दौरान दूसरा युवक भी उसकी मदद करता दिखाई देता है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पहचान शुरू की और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। नेपाल पुलिस के अनुसार, मामले के मुख्य आरोपी की पहचान 25 वर्षीय मदन गुरुंग के रूप में हुई है।

अमेरिकी कोर्ट ने पेंटागन के एंथ्रोपिक पर लगाए बैन को गैर-कानूनी बताया

सैन फ्रांसिस्को, 28 अगस्त (एजेंसियां)। एक अमेरिकी फेडरल जज ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा एआई कंपनी एंथ्रोपिक पर लगाई गई पाबंदियां गैर-कानूनी थीं। जज ने पाया कि सरकार ने कंपनी को उसकी टेक्नोलॉजी के मिलिट्री इस्तेमाल को लेकर हुए विवाद के कारण सजा दी थी। फरवरी में एंथ्रोपिक ने पेंटागन चीफ पीट हेगसेथ को नाराज कर दिया था। कंपनी का कहना था कि उसकी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर निगरानी या पूरी तरह से ऑटोमैटिक हथियारों के सिस्टम के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसके जवाब में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी सरकारी एजेंसियों को एंथ्रोपिक के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बंद करने का आदेश दिया, जबकि हेगसेथ ने कंपनी को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सप्लाई चेन रिस्क करार दिया।

एएफपी द्वारा देखे गए 59 पेज के फैसले में जज रीटा लिन ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा का खोखला हवाला देकर सरकार की आलोचना करने वालों को सजा देना या उनसे बदला लेना सही नहीं है। उन्होंने मुकदमे में शामिल फेडरल एजेंसियों को एंथ्रोपिक (क्लॉड एआई मॉडल बनाने वाली कंपनी) के टूल्स का इस्तेमाल बंद करने के ट्रंप के आदेश को लागू करने से रोक दिया। साथ ही, उन्होंने हेगसेथ द्वारा कंपनी को सप्लाई चेन रिस्क का दर्जा देने के फैसले को भी पलट दिया; यह दर्जा पहले विदेशी कंपनियों के लिए ही होता था।

इस फैसले से मार्च में जज द्वारा लगाई गई पाबंदियों पर अस्थायी रोक अब स्थायी हो गई है और यह तुरंत लागू हो गया है। सरकार इसके खिलाफ अपील कर सकती है। एंथ्रोपिक के एक प्रवक्ता ने कहा, हम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हैं कि 'सप्लाई चेन रिस्क' का दर्जा देना गैर-कानूनी था। हम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एआई का इस्तेमाल करने के मकसद से सरकार के साथ मिलकर काम करने पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, ताकि सभी अमेरिकी इस टेक्नोलॉजी का फायदा उठा सकें। यह विवाद तब शुरू हुआ जब एंथ्रोपिक ने अमेरिकी सेना को पूरी तरह से ऑटोमैटिक घातक हथियारों या अमेरिकियों की बड़े पैमाने पर निगरानी के लिए 'क्लॉड' का इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया।जब कंपनी ने यह कदम उठाया तो ट्रंप ने उस पर तीखा हमला किया था। फरवरी में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने इसे कट्टरपंथी वामपंथी, 'वोक' कंपनी और बेकाबू बताया था। फैसले में जज ने कहा कि कंपनी पर लगाई गई पाबंदियां किसी असली खतरे का मुकाबला करने के बजाय सरकार की आलोचना करने की 'गुस्ताखी' के लिए एंथ्रोपिक को सबके सामने एक मिसाल बनाने की इच्छा पर आधारित थीं।

सेना कई गोपनीय और संवेदनशील सिस्टम में 'क्लॉड' का इस्तेमाल कर रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए जनवरी में चलाए गए ऑपरेशन के दौरान किया गया इस्तेमाल भी शामिल था। मार्च में सप्लाई चेन से जुड़े जोखिम के तौर पर की गई घोषणा के कारण एंथ्रोपिक के मिलिट्री कॉन्ट्रैक्ट रद्द हो गए थे और पेंटागन के दूसरे कॉन्ट्रैक्टर्स को इसकी टेक्नोलॉजी इस्तेमाल करने से रोक दिया गया था।

काठमांडू के त्रिभुवन मेडिकल कॉलेज के बाहर मची चीख–पुकार, पोस्टरों में अपनों को तलाश रहे लोग

काठमांडू, 28 अगस्त (एजेंसियां)। स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग मेडिकल कॉलेज के बाहर का नजारा देखकर किसी का भी कलेजा कांप उठे। शुक्रवार की सुबह से ही अस्पताल परिसर के बाहर सैकड़ों बेबस और हताश लोगों का जमावड़ा लगा हुआ है, जो अपनों की एक खबर पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा परिसर की बाहरी दीवारों पर मृतकों और घायलों की तस्वीरों के पोस्टर लगाये गये हैं। सुबह से ही लोग इन दीवारों के पास सीने में अनहोनी की आशंका लिए पोस्टरों को टटोलते नजर आ रहे हैं। कोई दीवार पर लगी किसी तस्वीर को देखकर अचानक फफक कर रो पड़ता है, तो कोई धुंधली फोटो में अपने भाई, पिता या बच्चे की पहचान करने की नाकाम कोशिश कर रहा है।

अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर लोगों की आंखें पथरा चुकी हैं। अंदर रखे शवों की शिनाख्त के लिए परिजनों को सीमित संख्या में भेजा जा रहा है, जिससे बाहर खड़े लोगों की बेचैनी हर बीतते मिनट के साथ बढ़ती जा रही है। कई परिवार बीते 24 घंटे से बिना खाए-पीए इसी उम्मीद में गेट के बाहर डटे हैं कि शायद कोई चमत्कार हो जाए और उनका कोई अपना सुरक्षित मिल जाये।

आपदा के व्यापक प्रभाव और शवों की स्थिति के कारण शिनाख्त कर पाना प्रशासन के लिए भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। अस्पताल प्रशासन डिजिटल फोटो और कागजी सूचियों के जरिए पहचान प्रक्रिया को गति देने की कोशिश कर रहा है, लेकिन परिजनों की बढ़ती संख्या के आगे व्यवस्थाएं छोटी पड़ती दिख रही हैं।

हाड़ौती क्षेत्र में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं
जहां धार्मिक आस्था के साथ इतिहास भी जुड़ा है

भगवान विष्णु के केशव राय स्वरूप को समर्पित

राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जहां धार्मिक आस्था के साथ इतिहास, लोक मान्यताएं और प्राकृतिक सुंदरता भी देखने को मिलती है. बूंदी, कोटा और बारां से लेकर झालावाड़ तक मौजूद ये मंदिर सदियों पुरानी परंपराओं और स्थानीय संस्कृति से जुड़े हुए हैं. केशवरायपाटन का प्राचीन केशवराय मंदिर चंबल नदी के किनारे स्थित होने के कारण धार्मिक और पर्यटन दोनों दृष्टि से खास है. वहीं झालावाड़ के कामखेड़ा बालाजी मंदिर में राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश और आसपास के राज्यों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं. बूंदी के इंदरगढ़ में पहाड़ी पर स्थित बिजासन माता मंदिर अपनी प्राचीन मान्यताओं और प्राकृतिक गुफा के कारण अलग पहचान रखता है. कोटा का 525 शिवलिंग मंदिर भी भक्तों के लिए अनोखा आस्था केंद्र है, जबकि बारां का श्री कल्याणराय जी मंदिर शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ है. सावन, सोमवार और अन्य विशेष अवसरों पर इन धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है।

बूंदी जिले के केशवरायपाटन में चंबल नदी के किनारे स्थित प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर है. भगवान विष्णु के केशव राय स्वरूप को समर्पित इस मंदिर का निर्माण राव राजा छत्रसाल ने 1641 ईस्वी में पूर्ण करवाया था. धार्मिक मान्यता के अनुसार राजा रंतिदेव की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने दो प्रतिमाओं के रूप में दर्शन दिए. श्वेत पत्थर की केशवजी और काले पत्थर की चारभुजा नाथ प्रतिमा मंदिर की भव्य स्थापत्य कला और चंबल नदी का मनोहारी दृश्य इसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल बनाता है।

झालावाड़ जिले में अकलेरा से करीब 16 किलोमीटर दूर कामखेड़ा कस्बे में स्थित प्रसिद्ध प्राचीन हनुमान मंदिर है. बालाजी के रूप में पूजे जाने वाले हनुमान जी के इस मंदिर में वर्षभर श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यहां पूजा-अर्चना और विशेष अनुष्ठानों से नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति की कामना की जाती है. राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों से श्रद्धालु दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं. आस्था और धार्मिक परंपराओं के कारण कामखेड़ा बालाजी प्रमुख तीर्थस्थलों में गिना जाता है।

कामखेड़ा कस्बे में स्थित प्रसिद्ध प्राचीन हनुमान मंदिर

बूंदी जिले के इंदरगढ़ में स्थित बिजासन माता मंदिर, देवी दुर्गा को समर्पित एक प्राचीन और पूजनीय पहाड़ी तीर्थस्थल है. मान्यता है कि यह मंदिर 2,000 वर्ष से भी अधिक पुराना है. स्थानीय किंवदंती के अनुसार, बाबा कृपानाथ जी महाराज की कठोर तपस्या के बाद देवी की स्वयंभू प्रतिमा एक चट्टान को चीरकर प्रकट हुई थी. प्राकृतिक गुफा में स्थित यह मंदिर पहाड़ी की ऊंचाई पर बना है, जहां पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को लगभग 700 से 750 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है।

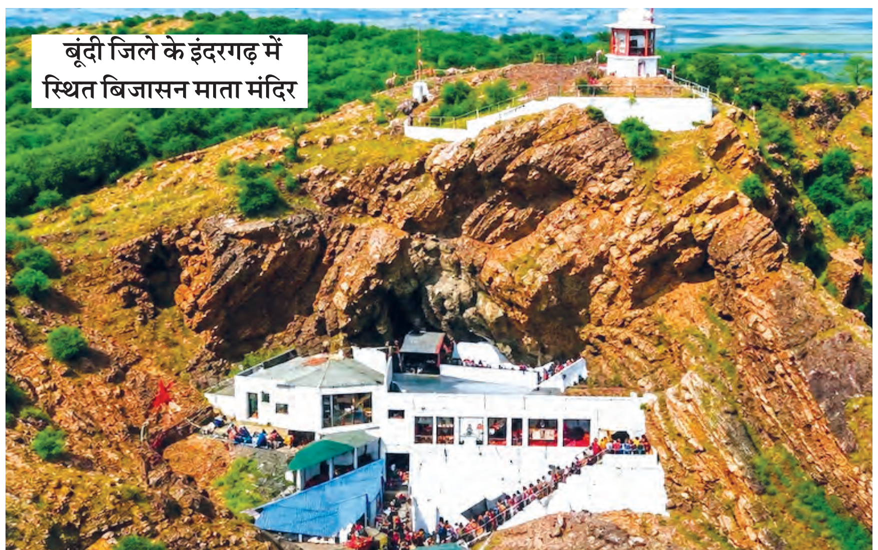
बूंदी जिले के इंदरगढ़ में स्थित बिजासन माता मंदिर

कोटा में स्थित 525 शिवलिंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है. यहां एक ही स्थान पर बड़ी संख्या में शिवलिंग स्थापित होने के कारण यह धार्मिक स्थल अपनी अनोखी पहचान रखता है. सावन के महीने में यहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. भक्त शिवलिंगों पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं. सोमवार और महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं.

कोटा में स्थित 525 शिवलिंग

बारां शहर के सदर बाजार में स्थित प्रसिद्ध श्री जी मंदिर, जिसे श्री कल्याणराय जी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भगवान विष्णु के कल्याणराय स्वरूप को समर्पित एक प्राचीन एवं आस्था का प्रमुख केंद्र है. भगवान कल्याणराय जी को बारां के आराध्य देव के रूप में पूजा जाता है. मंदिर में वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक महत्व के साथ यह मंदिर बारां की सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है।

श्री जी मंदिर, जिसे श्री कल्याणराय जी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है
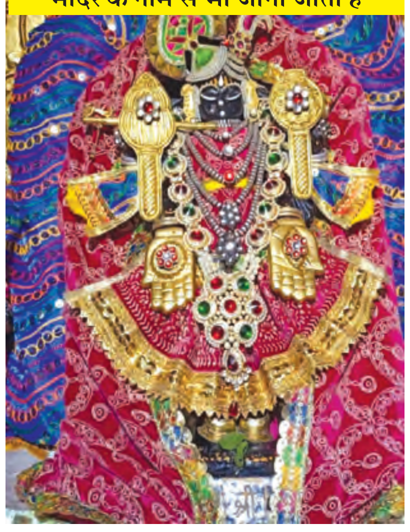

दुखी किसान ने देवी से क्यों नहीं मांगा धन

प्रेरक कथा- हर एक इच्छा पूरी करने के लिए बेचैन रहना सही नहीं है; मन में संतोष होगा, तो सुख-शांति बनी रहेगी

जो लोग हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, उनका मन कभी भी शांत नहीं हो पाता। सुख-शांति केवल धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि मन की संतुष्टि से मिलती है। यह बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं- पुराने समय में एक किसान गरीबी के कारण बहुत परेशान था। एक दिन उसके गांव में एक संत आए। किसान उनके पास पहुंचा और अपनी परेशानियां बताईं। संत ने उसे एक मंत्र बताया और जप करने की विधि समझाई। किसान पूरी श्रद्धा से मंत्र का जप करने लगा।

कुछ दिनों बाद उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर एक देवी उसके सामने प्रकट हुईं। देवी ने कहा, "मैं तुम्हारी भक्ति से प्रसन्न हूं। तुम जो चाहो, मुझसे वरदान मांग सकते हो।"

किसान सोच में पड़ गया। उसने कहा, "देवी, मैं अभी तय नहीं कर पा रहा हूं। क्या मैं कल आपसे वरदान मांग सकता हूं?" देवी ने सहमति दी और अंतर्ध्यान हो गईं।

देवी के जाने के बाद किसान के मन में विचारों का सिलसिला शुरू हो गया। उसने सोचा, "मेरे पास अच्छा घर नहीं है, मुझे घर मांगना चाहिए।" फिर विचार आया, "जमींदार के पास बहुत शक्ति होती है, मुझे जमींदार बनने का वरदान मांगना चाहिए।" अगले ही पल उसने सोचा, "राजा तो जमींदार से भी अधिक शक्तिशाली होता है, मुझे राजा बनने का वरदान मांगना चाहिए।"

इन विचारों में पूरा दिन निकल गया। रात को भी किसान सो नहीं पाया। सुबह देवी फिर प्रकट हुईं और वरदान मांगने को कहा।

इस बार किसान ने कहा, "देवी, मुझे ऐसा वरदान दीजिए कि मेरा मन हमेशा भगवान की भक्ति में लगा रहे और मैं हर परिस्थिति में संतुष्ट रहूं।"

देवी ने प्रसन्न होकर कहा, "तथास्तु।"

देवी ने पूछा, "तुमने धन-दौलत या राज-पाट क्यों नहीं मांगा?"

किसान ने उत्तर दिया, "देवी, मेरे पास धन नहीं था, फिर भी धन मिलने की कल्पना ने ही मेरा मन अशांत कर दिया। मैं दिनभर तनाव में रहा और रात को सो नहीं सका। इसलिए मुझे ऐसा धन नहीं चाहिए, जो मेरे जीवन की सुख-शांति छीन ले।"

कथा का संदेश है- जरूरतें पूरी करें, लेकिन हर इच्छा पूरी करने के लिए बेचैन रहना सही नहीं है। सच्ची समृद्धि वह है, जिसमें उपलब्ध चीजों के प्रति कृतज्ञता का भाव और मन में संतोष हो।

प्रसंग की सीख

अपनी जरूरत और इच्छा में अंतर समझें: हर पसंदीदा चीज जरूरी नहीं होती। खरीदने या पाने से पहले खुद से पूछें कि इसकी वास्तव में आवश्यकता है या नहीं।

दूसरों से तुलना न करें: दूसरों की सफलता देखकर अपने जीवन को कमतर समझना असंतोष बढ़ाता है। अपनी प्रगति को बीते कल की स्थिति से तुलना करके देखें, दूसरों से खुद की तुलना न करें।

जो है, उसके लिए आभार व्यक्त करें: परिवार, स्वास्थ्य, भोजन, घर, काम और छोटे-छोटे सुखों को महसूस करने की आदत मन को सकारात्मक बनाती है।

लक्ष्य रखें, लेकिन बेचैनी से बचें: जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा होना अच्छी बात है, पर लक्ष्य पूरा होने तक वर्तमान जीवन को दुखी बना लेना समझदारी नहीं है। लक्ष्य तय करें, लेकिन उसके लिए बहुत ज्यादा बेचैन होने से बचें।

अनावश्यक इच्छाओं पर विराम लगाएं: हर नई चीज जीवन में खुशी नहीं देती। जरूरत से ज्यादा इच्छाएं मानसिक दबाव बढ़ा सकती हैं। इसलिए इच्छाओं पर नियंत्रण रखें।

मन को शांत करने का समय निकालें: प्रार्थना, ध्यान, प्रकृति के बीच समय बिताना या कुछ देर शांत बैठना मन को स्थिर करने में मदद कर सकता है।

संतोष को कमजोरी न समझें: संतुष्ट व्यक्ति महत्वाकांक्षाहीन नहीं होता। वह प्रयास करता है, लेकिन अपनी शांति को हर उपलब्धि की कीमत नहीं बनाता।

जब हम करुणा और मैत्री के भाव को जीवन में उतारते हैं, तब हमारा चरित्र ऊंचा होता है

अपना चरित्र उच्च बनाइए। सत्यनिष्ठ रहें यानी सत्य को अपनाएं। जीवन की एक महत्वपूर्ण सीख यह है कि सरल होना कमजोरी नहीं, बल्कि महान गुण है। हमें अपने स्वभाव में सरलता रखनी चाहिए, क्योंकि प्रकृति स्वयं सरल और सहज है। अंबर, अग्नि, जल और वायु अपने स्वभाव को कभी नहीं त्यागते। उसी प्रकार व्यक्ति को भी अपने मूल स्वभाव से अलग नहीं होना चाहिए। हमारा स्वभाव करुणा, दया और मैत्री का है। जब हम इन गुणों को जीवन में उतारते हैं, तब हमारा चरित्र ऊंचा होता है और जीवन सच्चे अर्थों में सार्थक बनता है।

- स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

गिरजाबंध हनुमान मंदिर में अनोखा है बजरंगबली का स्वरूप

भगवान हनुमान के देशभर में कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर स्थित गिरजाबंध हनुमान मंदिर की मान्यता बिल्कुल अलग है. यहां बजरंगबली को देवी स्वरूप में विराजमान माना जाता है. मंदिर की इसी अनोखी परंपरा के कारण दूर-दूर से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं. इस मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा का स्वरूप सामान्य मंदिरों से अलग दिखाई देता है. मान्यता के अनुसार, यहां बजरंगबली के नारी स्वरूप की पूजा की जाती है. खास बात यह है कि भक्त उन्हें देवी के समान सोलह श्रृंगार अर्पित करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

प्रतिमा के कंधों पर दिखाई देते हैं राम और सीता

गिरजाबंध मंदिर में स्थापित प्रतिमा की एक और विशेषता इसे बेहद खास बनाती है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, बजरंगबली की इस प्रतिमा के कंधों पर भगवान श्रीराम और माता सीता के स्वरूप भी दिखाई देते हैं. इस वजह से प्रतिमा को हनुमान जी की रामभक्ति और शक्ति के अनोखे संगम के रूप में देखा जाता है।

राजा पृथ्वीदेव जू से जुड़ी है मंदिर की कहानी गिरजाबंध हनुमान मंदिर से जुड़ी एक पौराणिक कथा के अनुसार, रतनपुर के राजा पृथ्वीदेव जू से जुड़ी है. कहा जाता है कि राजा हनुमान जी के परम भक्त थे और एक समय गंभीर रूप से बीमार पड़ गए थे. मान्यता के अनुसार, बीमारी के दौरान हनुमान जी ने उन्हें स्वप्न में दर्शन दिए और मंदिर बनवाने का निर्देश दिया. राजा ने भगवान के आदेश का पालन करते हुए मंदिर का निर्माण कराया. हालांकि, मंदिर बनने के बाद उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह था कि गर्भगृह में किस प्रतिमा की स्थापना की जाए।

महामाया कुंड से मिली थी प्रतिमा?

मान्यता के मुताबिक, इसके बाद हनुमान जी ने राजा को दोबारा स्वप्न में दर्शन दिए. उन्हें महामाया कुंड से प्रतिमा निकालकर मंदिर में स्थापित करने का निर्देश मिला. कहा जाता है कि कुंड से प्रतिमा मिलने के बाद राजा और वहां मौजूद लोग उसके स्वरूप को देखकर हैरान रह गए. प्रतिमा सामान्य पुरुष स्वरूप में नहीं थी, बल्कि नारी स्वरूप में थी. इसके बाद इसी प्रतिमा को गिरजाबंध मंदिर में स्थापित किए जाने की मान्यता है।

बजरंगबली का होता है 16 श्रृंगार

गिरजाबंध हनुमान मंदिर की सबसे खास परंपराओं में से एक यहां होने वाला 16 श्रृंगार है. सामान्य तौर पर हनुमान जी को सिंदूर, चोला और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की जाती है, लेकिन यहां उनके देवी स्वरूप को ध्यान में रखते हुए विशेष श्रृंगार किया जाता है. भक्त हनुमान जी के इस स्वरूप को माता के समान मानकर उनकी पूजा करते हैं. विशेष अवसरों पर प्रतिमा का भव्य श्रृंगार किया जाता है. यही परंपरा इस मंदिर को देश के अन्य हनुमान मंदिरों से अलग पहचान देती है।

क्यों खास है गिरजाबंध हनुमान मंदिर?

गिरजाबंध हनुमान मंदिर की सबसे बड़ी खासियत बजरंगबली का देवी स्वरूप है. यहां उनकी पूजा केवल एक वीर योद्धा या रामभक्त के रूप में ही नहीं, बल्कि नारी स्वरूप में भी की जाती है. प्रतिमा पर होने वाला 16 श्रृंगार और उससे जुड़ी स्थानीय मान्यता श्रद्धालुओं के बीच इस मंदिर को विशेष बनाती है।

मनी प्लांट किस रंग की बोतल में रखना है शुभ?

घर की सजावट में मनी प्लांट का नाम आते ही ज्यादातर लोगों के मन में हरे-भरे पत्तों और लंबी बेल की तस्वीर बन जाती है. यह पौधा देखने में खूबसूरत होने के साथ घरों में काफी पसंद भी किया जाता है. कई लोग इसे धन और समृद्धि से जोड़कर देखते हैं और वास्तु के नियमों के हिसाब से इसकी जगह तय करते हैं. खासकर जब मनी प्लांट को पानी में उगाया जाता है, तो सवाल उठता है कि इसे किस तरह की बोतल में रखना बेहतर माना जाता है।

वास्तु मान्यताओं में हरे या नीले रंग की कांच की बोतल को इसके लिए अच्छा विकल्प बताया जाता है. साथ ही पौधे की दिशा, पानी की सफाई और बेल की बढ़त को लेकर भी कुछ नियम बताए गए हैं।

मनी प्लांट के लिए कैसी बोतल मानी जाती है शुभ?

वास्तु के अनुसार पानी में मनी प्लांट लगाने के लिए हरे या नीले रंग की कांच की बोतल को बेहतर माना जाता है. हरा रंग हरियाली, विकास और बुध ग्रह से जोड़ा जाता है, जबकि नीला रंग शांति और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है. इसी वजह से इन रंगों की बोतल को मनी प्लांट के साथ रखने की सलाह दी जाती है, अगर घर में पहले से कांच की पारदर्शी बोतल है, तो उसका इस्तेमाल भी किया जा सकता है. बोतल बहुत छोटी न हो, ताकि जड़ों को फैलने की जगह मिल सके. साथ ही उसे अच्छी तरह साफ रखना जरूरी है।

प्लास्टिक की बोतल से क्यों बचने की सलाह दी जाती है?

आजकल घरों में पुरानी प्लास्टिक की बोतल का इस्तेमाल करके पौधे उगाना आम बात है, लेकिन वास्तु मान्यताओं में मनी प्लांट के लिए प्लास्टिक की बोतल को अच्छा विकल्प नहीं माना जाता. इसकी जगह कांच की बोतल रखने की सलाह दी जाती है. हालांकि, पौधे की सेहत के लिहाज से सबसे जरूरी चीज साफ पानी, पर्याप्त रोशनी और जड़ों के लिए सही जगह है. इसलिए केवल बोतल के रंग पर ध्यान देने के बजाय पौधे की देखभाल भी उतनी ही जरूरी है।

मनी प्लांट किस दिशा में रखना चाहिए?

वास्तु में मनी प्लांट के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण को शुभ माना जाता है. इसे घर में इस दिशा में रखने की सलाह दी जाती है. मान्यता है कि यह दिशा धन और समृद्धि से जुड़ी ऊर्जा के लिए अनुकूल होती है. इसके उलट, मनी प्लांट को उत्तर-पूर्व यानी ईशान कोण में रखने से बचने की सलाह दी जाती है. वास्तु मान्यताओं के अनुसार इस दिशा में मनी प्लांट रखना सही नहीं माना जाता. घर में पौधा रखने से पहले दिशा समझने के लिए मोबाइल कंपास या सामान्य दिशा ज्ञान की मदद ली जा सकती है. पौधे को ऐसी जगह रखना बेहतर है जहां उसे पर्याप्त रोशनी भी मिल सके।

बेल को जमीन पर न फैलने दें

मनी प्लांट की बेल तेजी से बढ़ती है और कुछ समय बाद नीचे की ओर लटकने लगती है. वास्तु मान्यता में बेल का जमीन को छूना अच्छा नहीं माना जाता. इसे ऊपर की तरफ सहारा देकर दीवार या किसी स्टैंड पर चढ़ाने की सलाह दी जाती है. मसलन, अगर बेल खिड़की के पास रखे पौधे से नीचे गिर रही है, तो उसे हल्के धागे या छोटे सपोर्ट की मदद से ऊपर की ओर मोड़ा जा सकता है. इससे पौधा व्यवस्थित भी दिखता है और कमरे की सजावट भी बेहतर लगती है।

पानी और पत्तियों की सफाई का रखें ध्यान

पानी में उगाए गए मनी प्लांट में सबसे ज्यादा ध्यान पानी की सफाई पर देना चाहिए. पानी लंबे समय तक गंदा या बदबूदार रहने से जड़ों को नुकसान हो सकता है. इसलिए समय-समय पर पानी बदलें और बोतल को भी साफ करें. अगर पौधे की कोई पत्ती पीली, सूखी या खराब हो गई है, तो उसे हटा देना बेहतर है. इससे पौधा साफ-सुथरा दिखाई देता है और नई पत्तियों के विकास के लिए जगह बनी रहती है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 29 अगस्त - 2026

सम्राट जी ! असहमति सुनिए, संकेत समझिए

कुमार कृष्णन

सम्राट जी, सवाल यह नहीं है कि आपके खिलाफ कितने लोग सड़क पर हैं, बड़ा सवाल यह है कि सड़क पर आने की नौबत क्यों आ रही है? बिहार में इस समय छात्र नौकरी और भर्ती परीक्षाओं को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, किसान जमीन बचाने के लिए लामबंद हैं और सैटेलाइट टाउनशिप जैसी महत्वाकांक्षी विकास योजनाओं के बीच ग्रामीण समाज अपने भविष्य को लेकर आशंकित है। इन आंदोलनों को एक ही राजनीतिक रंग देना ठीक नहीं होगा, लेकिन इन्हें अलग-अलग घटनाएं मानकर छोड़ देना भी उतना ही जोखिम भरा है। इनके भीतर एक साझा बेचैनी जरूर दिखाई देती है—अपने भविष्य पर अपना अधिकार और शासन के फैसलों में अपनी आवाज।

25 अगस्त को पटना में छात्रों का गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च पुलिस से टकराव में बदल गया। बैरिकेड तोड़े गए, पुलिस ने पानी की बौछार की और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। यह आंदोलन 70वीं बीपीएससी परीक्षा को लेकर कथित अनियमितताओं, शिक्षक भर्ती परीक्षा-4 की प्रक्रिया, नकारात्मक अंक व्यवस्था, डोमिसाइल और अन्य भर्ती संबंधी मांगों को लेकर चल रहा है। इस आंदोलन को केवल कुछ अभ्यर्थियों की नाराजगी मानना समस्या को छोटा करके देखना होगा। बिहार में सरकारी नौकरी का अर्थ सिर्फ नौकरी नहीं है। वह सामाजिक सुरक्षा, परिवार की आर्थिक स्थिरता और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी है। एक युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है। परिवार उसकी पढ़ाई, कोचिंग, रहने और परीक्षा की लागत उठाता है। ऐसे में परीक्षा की प्रक्रिया को लेकर संदेह या नियुक्ति में अनिश्चितता केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं रह जाती, वह भरोसे का संकट बन जाता है।

टीआरई -4 को लेकर अभ्यर्थियों की मांग एक चरण में परीक्षा कराने और नकारात्मक अंकन हटाने जैसी बातों पर केंद्रित है, जबकि बीपीएससी का कहना है कि परीक्षा दो चरणों में होगी और नकारात्मक अंकन जारी रहेगा। 70वीं बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग भी आंदोलन का हिस्सा है, हालांकि आयोग ने उससे जुड़ी अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक के आरोपों को खारिज किया है। यहां सरकार और आयोग दोनों के पास अपने तर्क हो सकते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल अपना पक्ष रखना पर्याप्त नहीं होता। दूसरे पक्ष को विश्वास में लेना भी शासन का हिस्सा है।

स्थिति तब और गंभीर हुई जब बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक की एक कहावत वाली टिप्पणी को प्रदर्शनकारियों ने अपने अपमान के रूप में लिया। सरकार ने बाद में उन्हें निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई स्वागतयोग्य हो सकती है, लेकिन इससे बड़ा सवाल सामने आता है-क्या प्रशासनिक भाषा में भी असहमति के प्रति संवेदनशीलता जरूरी नहीं होनी चाहिए? सरकार ने अब हर महीने 'विद्यार्थी सहयोग शिविर', पोर्टल और हेल्पलाइन शुरू करने की घोषणा की है। यह संवाद की दिशा में कदम है। लेकिन संवाद का अर्थ केवल शिकायत दर्ज करने की व्यवस्था नहीं, बल्कि शिकायत के पीछे मौजूद असंतोष को समझना भी है। छात्र आंदोलन के समानांतर बिहार के गांवों में जमीन का सवाल भी आकार ले रहा है। सैटेलाइट टाउनशिप का सपना निश्चित रूप से बिहार के नियोजित शहरीकरण के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। राज्य सरकार ने 12 ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य शहरों पर बढ़ते दबाव को कम करना, आधुनिक आधारभूत संरचना विकसित करना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। पटना मेट्रोपॉलिटन एरिया अथॉरिटी भी सैटेलाइट टाउनशिप में उद्योग, आवासीय, वाणिज्यिक और सार्वजनिक क्षेत्र विकसित करने की योजना का उल्लेख करती है। लेकिन विकास की सबसे कठिन परीक्षा वहीं शुरू होती है, जहां उसका नक्शा किसान के खेत तक पहुंचता है। पटना के प्रस्तावित पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप का आकार ही बताता है कि चुनौती कितनी बड़ी है। प्रस्तावित विकास योजना करीब 81,730 एकड़ और 273 गांवों को समेटती है। इसमें पटना जिले के नौ प्रखंडों के हिस्से शामिल हैं। योजना का उद्देश्य 2047 तक एक बड़े नए शहरी विकास केंद्र का निर्माण करना है।

सरकार ने सार्वजनिक भागीदारी और किसानों से संवाद की बात कही है। भूमि जुटाने के लिए लैंड पूलिंग समेत कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। लेकिन दूसरी तरफ किसान संगठनों का विरोध सामने आ चुका है। 25 अगस्त को पाटलिपुत्र टाउनशिप के लिए भूमि को लेकर विरोध तेज हुआ और किसानों ने जमीन देने के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी। यहां सरकार को किसानों की बात केवल मुआवजे के नजरिए से नहीं देखनी चाहिए। किसान की जमीन का बाजार मूल्य और उसकी जिंदगी का मूल्य एक ही चीज नहीं है खेत छिनने के बाद किसान को मुआवजा मिल सकता है, लेकिन क्या उसकी अगली पीढ़ी को वही आजीविका मिलेगी? क्या वह नई अर्थव्यवस्था में भागीदार बनेगा? क्या उसके परिवार के लिए रोजगार, आवास और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या वह विकास परियोजना का साझेदार होगा या केवल जमीन देने वाला व्यक्ति?

यही प्रश्न बिहार के दूसरे प्रस्तावित टाउनशिप क्षेत्रों में भी उठेंगे। यदि विकास का मॉडल केवल कृषि भूमि को शहरी भूमि में बदलने का मॉडल बन गया तो आने वाले वर्षों में जमीन का सवाल और तीखा हो सकता है। बिहार को शहर चाहिए। उद्योग चाहिए। बेहतर सड़कें, अस्पताल, स्कूल, आवास और रोजगार चाहिए। लेकिन शहर किसान को विस्थापित करके नहीं, उसे साथ लेकर बनना चाहिए।लैंड पूलिंग इस समस्या का एक रास्ता हो सकता है, यदि उसमें किसान की वास्तविक सहमति, विकसित जमीन में हिस्सेदारी, पारदर्शी मूल्यांकन और दीर्घकालीन आय की गारंटी हो। केवल नाम बदल देने से अधिग्रहण की आशंका समाप्त नहीं होती। किसान को यह विश्वास होना चाहिए कि उसके खेत की कीमत केवल आज के बाजार भाव से नहीं, उसके अगले बीस-पच्चीस वर्षों के जीवन से भी जुड़ी है। यहीं छात्र और किसान आंदोलनों के बीच एक गहरी समानता दिखाई देती है। छात्र कह रहा है-मेरे भविष्य का फैसला मेरी भागीदारी के बिना मत कीजिए। किसान कह रहा है-मेरी जमीन के बारे में मेरी आवाज सुने बिना विकास मत कीजिए। दोनों की मांगें अलग हैं, लेकिन दोनों में भागीदारी और भरोसे की मांग समान है। बिहार का इतिहास भी बताता है कि युवाओं की बेचैनी को नजरअंदाज करना कभी सरल रास्ता नहीं रहा। 1974 का छात्र आंदोलन आज की परिस्थितियों का प्रतिरूप नहीं है और उसकी सीधी तुलना करना उचित भी नहीं होगा।

फिर भी इतिहास की एक बुनियादी सीख आज भी प्रासंगिक है-छात्र असंतोष यदि लंबे समय तक अनसुना रहे तो वह व्यापक राजनीतिक प्रश्नों में बदल सकता है। आज का समय और अधिक संवेदनशील है। सोशल मीडिया ने हर स्थानीय विवाद को राज्यव्यापी मुद्दा बनने की गति दे दी है। किसी परीक्षा का विवाद, किसी अधिकारी की टिप्पणी या किसी गांव में जमीन को लेकर टकराव कुछ ही घंटों में सार्वजनिक बहस का विषय बन सकता है।

मिठास पर महंगाई की मार

भारत में त्योहार और मिठाइयां एक-दूसरे के पर्याय हैं। कोई शुभ अवसर हो या पर्व-त्योहार, मुंह मीठा किए बिना उत्सव अधूरा लगता है। लेकिन इस बार त्योहारों से पहले चीनी के बढ़ते दाम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा रहे हैं। चीनी और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में तेजी का असर केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मिठाई, बेकरी और अन्य खाद्य उत्पाद भी महंगे होते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सरकार महंगाई के कारणों को समझते हुए समय रहते ठोस कदम उठाए। सबसे महत्वपूर्ण चिंता आपूर्ति और मांग के बीच संभावित असंतुलन की है। हाल में चीनी और उससे जुड़े उत्पादों पर कैपिंग किए जाने की खबरें सामने आई हैं। कुछ सुपरस्टोर्स ने भी ग्राहकों के लिए खरीद की मात्रा सीमित की है। इसका उद्देश्य घबराहट में जरूरत से अधिक खरीदारी रोकना हो सकता है, लेकिन ऐसी स्थिति बाजार में चिंता का संकेत भी देती है। जब किसी जरूरी वस्तु के दाम अचानक बढ़ते हैं या उसकी कमी की आशंका पैदा होती है, तो उपभोक्ता सामान्य जरूरत से अधिक खरीदारी करने लगते हैं। इससे मांग और बढ़ती है और कीमतों पर दबाव और तेज हो जाता है। यहीं से जमाखोरी और मुनाफाखोरी का खतरा बढ़ता है। भारतीय शुगर मिल्स एसोसिएशन की ओर से मौसम की मार और कम उत्पादन के साथ जमाखोरी की आशंका जताई गई थी। ऐसी परिस्थितियों में अफवाहें भी बाजार को प्रभावित करती हैं। भविष्य में अधिक मुनाफे की उम्मीद में बड़े पैमाने पर स्टॉक जमा कर लिया जाए तो कृत्रिम कमी पैदा होना स्वाभाविक है। मांग वास्तविक रूप से जितनी हो, उससे अधिक कीमत केवल आपूर्ति बाधित होने से नहीं, बल्कि जमाखोरी से भी बढ़ सकती है। इसलिए बाजार में निगरानी और पारदर्शिता बेहद जरूरी है। सरकार ने पहले भी ऐसे अवसरों पर मुक्त आयात, निर्यात संबंधी फैसलों में बदलाव और बाजार में अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे उपाय किए हैं। इन कदमों का उद्देश्य कीमतों को नियंत्रित रखना और घरेलू बाजार में पर्याप्त चीनी उपलब्ध कराना है। लेकिन केवल आयात या प्रशासनिक आदेश पर्याप्त नहीं होंगे। जरूरत इस बात की है कि उत्पादन, भंडारण, थोक व्यापार और खुदरा बाजार की पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभावी नजर रखी जाए। आने वाले महीनों में चुनौती और बढ़ सकती है। सरकार के अनुसार अक्टूबर-सितंबर के मौजूदा सत्र में चीनी का उत्पादन शुरुआती अनुमान से लगभग 11 प्रतिशत कम रह सकता है। दूसरी ओर आगे त्योहारों का लंबा मौसम है, जिसमें चीनी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। ऐसे में अभी से रणनीति बनाना समझदारी होगी। पर्याप्त बफर स्टॉक, जमाखोरी पर कड़ी कार्रवाई, राज्यों के बीच बेहतर आपूर्ति और बाजार में नियमित निगरानी जैसे कदम उठाने होंगे। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितता को पूरी तरह नियंत्रित करना संभव नहीं है, लेकिन घरेलू जमाखोरी और अव्यवस्थित विपणन पर नियंत्रण सरकार के हाथ में है। त्योहारों की मिठास महंगाई की कड़वाहट में न बदल जाए, इसके लिए सरकार को प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि पूर्व-तैयारी वाली नीति अपनानी होगी। आम आदमी को राहत तभी मिलेगी, जब बाजार में पर्याप्त चीनी हो, कीमतें तर्कसंगत हों और जमाखोरों के लिए, संकट को मुनाफे के अवसर में बदलना मुश्किल बना दिया जाए। आखिर त्योहारों की मिठास केवल मिठाइयों में नहीं, बल्कि उनकी सुलभ कीमत और आम लोगों की संतुष्टि में भी होती है।

आज भी कायम है ध्यानचंद की स्टिक का जादू

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महा- खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे।

सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। ध्यानचंद की हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था। 1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई।

1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए। दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है।

इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरुबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए।

भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा : आर्थिक निवेश और संघ नेटवर्क का विस्तार

अशोक भाटिया

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत-अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च-स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन है। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में वैश्विक भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है।

इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी। इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप-टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च-स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत-अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी-मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भारत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं।

इस तीन दिवसीय दौरे का दूसरा और दृश्य रूप से सबसे भव्य पहलू न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक और दुनिया भर में प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित होने वाला 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' है। रक्षाबंधन के पावन सांस्कृतिक अवसर पर आयोजित होने वाले इस विशाल समागम में पूरे अमेरिका महाद्वीप से 5,000 से अधिक विशिष्ट भारतीय प्रवासियों और सैकड़ों सांस्कृतिक, दार्शनिक व आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई । इस भव्य आयोजन के पीछे बहुत गहरे भू-राजनीतिक और सामाजिक निहितार्थ छिपे हुए हैं, क्योंकि इस पूरे उत्सव का मूल दर्शन भारतीय संस्कृति के कालजयी विचार 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया एक परिवार है, के सार्वभौमिक सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे दौर में जब पूरा विश्व भू-राजनीतिक संघर्षों, युद्धों, वैचारिक ध्रुवीकरण और गंभीर जलवायु संकटों से जूझ रहा है, मैडिसन स्क्वायर गार्डन जैसे अत्यधिक प्रभावशाली पश्चिमी मंच से सर्वसमावेशी, बहुसांस्कृतिक और अंतरधार्मिक एकता का संदेश देना भारत की उस 'विश्व-मित्र' वाली छवि को वैश्विक जनमानस में स्थापित करता है जो सभी के कल्याण की कामना करती है। यह आयोजन अमेरिकी समाज, वहां की अर्थव्यवस्था, विज्ञान और राजनीति में शीर्ष पदों पर आसीन भारतीय प्रवासियों की एकजुटता और उनकी जनसांख्यिकीय व आर्थिक शक्ति का भी एक बहुत बड़ा प्रदर्शन है, जिसकी उपेक्षा कोई भी अमेरिकी सरकार या नीति-निर्माता नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के माध्यम से संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खिलाफ बने पुराने नैरेटिव को तोड़ने और पश्चिमी दुनिया के सामने खुद को एक वैश्विक, समावेशी और परोपकारी दार्शनिक आंदोलन के रूप में पेश करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। इस ऐतिहासिक यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी आयाम प्रवासी भारतीयों के बीच संघ की अंतरराष्ट्रीय शाखाओं, विशेष रूप से हिंदू स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों पर पड़ने वाला प्रभाव है। डॉ. भागवत की इस उपस्थिति ने अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय देशों में सक्रिय एचएसएस के नेटवर्क को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। भारत से बाहर रहने वाले हिंदुओं को अपनी संस्कृति, जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखने में हिंदू स्वयंसेवक संघ दशकों से मूक भाव से काम कर रहा है, लेकिन इस स्तर के शीर्ष नेतृत्व के प्रवास ने इन गतिविधियों को मुख्यधारा की वैश्विक चर्चा में ला खड़ा किया है। इस यात्रा के बाद विदेशों में चल रही संघ की साप्ताहिक और मासिक 'बालगोकुलम' जैसी गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जहां प्रवासी परिवारों की नई पीढ़ी को भारतीय दर्शन, योग और नेतृत्व क्षमता के संस्कार दिए जाते हैं।

हमारे पास सब कुछ है, बस एक-दूसरे के लिए वक्त कम है

कृति जैन

हर दौर अपनी तरक्की के साथ एक सवाल भी छोड़ जाता है—क्या आगे बढ़ते-बढ़ते हम भीतर से पीछे तो नहीं रह गए? तकनीक और भौतिक उपलब्धियाँ जीवन को आसान बना सकती हैं, लेकिन जीवन की सार्थकता तब है, जब हम अपने अस्तित्व की सीमाएँ लांघकर दूसरों के जीवन से जुड़ें। सहानुभूति कमजोरी नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों को थामे रखने वाली ताकत है। किसी अनजान की आँखों में छिपा दर्द देख पाना, किसी दूसरे के दुःख को महसूस कर पाना—यहीं से मनुष्यता जीवंत होती है। तकनीक हमें सक्षम और संपत्ति हमें सम्पन्न बना सकती है, मगर इंसान होने की पूर्णता तभी मिलती है, जब किसी और की पीड़ा हमारे भीतर संवेदना जगा सके।

आज की विडंबना है कि कदम तेज हुए हैं, मगर ठहरकर किसी को महसूस करने की फुर्सत कम हो गई है। प्रतिस्पर्धा ने दृष्टि को इतना अपने तक सीमित कर दिया है कि सामने का दुःख भी भीतर दस्तक नहीं दे पाता। विचारशीलता दिखावटी संवेदना नहीं, बल्कि उन अनकहे भावों को समझने की क्षमता है, जिन्हें शब्द नहीं मिलते। किसी अजनबी की आँखों में चिंता पहचानना, थके हाथ को सहारा देना, किसी अकेले के पास कुछ देर ठहरना—ये छोटे लगने वाले प्रयास ही समाज को जोड़ते हैं। यदि हर व्यक्ति रोज ऐसा कोई काम करे, जो किसी दूसरे की मुश्किल कम कर दे, तो नकारात्मकता का अंधेरा धीरे-धीरे छंटने लगेगा।

समाज की मजबूत नींव कानून से पहले आपसी समझ पर टिकी होती है। परिवार से लेकर अपरिचित व्यक्ति तक हर रिश्ता तब जीवित रहता है, जब दूसरे की स्थिति समझने की इच्छा बनी रहे। समझ खत्म होते ही संवाद की जगह कठोरता और अपनत्व की जगह दूरी ले लेती है। परिवर्तन हमेशा बड़े आंदोलनों से नहीं आता; रोजमर्रा की दया, विनम्रता, क्षमा और सहयोग की आदतें भी दूर तक असर डालती हैं।

तनाव के बीच प्रेम और अलगाव के बीच एकता का बीज बोना ही सामाजिक जिम्मेदारी है। शक्ति का असली प्रमाण यह नहीं कि हम कितना हासिल कर सकते हैं, बल्कि यह है कि किसी दूसरे का बोझ कितना हल्का कर सकते हैं। सभ्यता की पहचान संसाधनों से कम और संवेदनशीलता से अधिक होती है। संवेदना की पहली पाठशाला बाहर नहीं, भीतर है। जिसने अपने मन की आवाज दबा दी, वह दूसरे के मौन को कैसे सुनेगा? आधुनिक आपाधापी ने तनाव, अकेलेपन और मानसिक थकान को जीवन का हिस्सा बना दिया है। हम दुनिया संभालने की चिंता में अपने भीतर का संतुलन भूल जाते हैं। स्वयं के प्रति संवेदनशील होना स्वार्थ नहीं, बल्कि करुणा की आधारभूमि है। अपने भय, थकान और भावनाओं को समझना हमें अधिक मानवीय बनाता है। भीतर संतुलन होगा, तभी बाहर सहानुभूति बहेगी। आत्मचिंतन वह दीप है, जो भीतर की अंधेरी जगहों को प्रकाशित करता है। शिक्षा की सफलता इससे तय होनी चाहिए कि वह बच्चों को कितना योग्य और जिम्मेदार बनाती है। विद्यालय यदि केवल अंक, प्रतियोगिता और पद की तैयारी कराएं, तो सफल व्यक्ति बना सकते हैं, उत्तरदायी नागरिक नहीं। बच्चों के मन में सहानुभूति का बीज जितनी जल्दी पड़े, समाज का भविष्य उतना सुरक्षित होगा। सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और साझा जिम्मेदारियों में भागीदारी उन्हें सिखाती है कि जीवन केवल स्वयं तक सीमित नहीं है। सफलता का अर्थ ऊंचे अंक या बड़ा पद भर नहीं; किसी दूसरे के लिए उपयोगी और सहृदय होना भी उसकी कसौटी है। ऐसी शिक्षा बच्चों को संवेदनशील नागरिक और सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनाती है।

सच्चे बदलाव की नींव सत्ता, धन या बल से नहीं, मानवीय मूल्यों से बनती है। इतिहास गवाह है कि अहिंसा और सत्य को जीवन का मार्ग बनाने वाले, निस्वार्थ सेवा में स्वयं को समर्पित करने वाले और समानता के लिए संघर्ष करने वाले महान व्यक्तित्वों ने करुणा को सामाजिक शक्ति बनाया। उनका संदेश था कि मनुष्य पर अधिकार जमाना परिवर्तन नहीं; उसके भीतर परिवर्तन जगाना ही असली उपलब्धि है। स्थायी परिवर्तन वहीं संभव है, जहां दूसरे की गरिमा अपने हित जितनी ही महत्वपूर्ण हो। समाज तभी बेहतर बनता है, जब संवेदना विचारों तक सीमित न रहकर व्यवहार का हिस्सा बने।

तकनीक ने दूरियों को पलों में मिटा दिया, लेकिन दिलों की दूरी अब भी संवेदना से ही घटती है। स्क्रीन का लाइक, टिप्पणी या सहानुभूति का इमोजी उस मदद का विकल्प नहीं बन सकता, जो संकट में किसी के साथ खड़े होकर दी जाती है। किसी को ध्यान से सुनना, समय देना, अकेलेपन में साथ बैठना या जरूरत पर सहारा बनना आभासी प्रशंसा से कहीं अधिक मूल्यवान है। किसी चेहरे पर लौटती राहत की चमक किसी डिजिटल स्वीकृति से गहरी होती है। इसलिए सवाल तकनीक छोड़ने का नहीं, बल्कि उसके बीच मनुष्य को देखने का है। धर्म, जाति और संस्कृति अलग हो सकती हैं, पर करुणा वह भाषा है, जो सबको जोड़ती है। विचारशीलता किसी अवसर या औपचारिकता तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह हमारे रोजमर्रा के व्यवहार की दिशा बननी चाहिए। दूसरों के लिए समय निकालना, उनकी भावनाओं को समझना और जहां संभव हो, उनके जीवन की कठिनाई कम करना ही इसकी सच्ची अभिव्यक्ति है।

वार्ड नंबर तीन

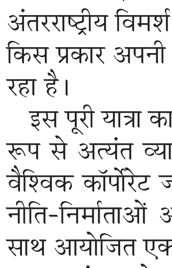

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

जिला अस्पताल के वार्ड नंबर तीन के बाहर गलियारे में पचहत्तर साल के मंशाराम हर सुबह नौ बजे इस निष्ठा से आकर बैठ जाते थे जैसे कोई ईमानदार भ्रष्टाचारी अपनी अगली किश्त का इंतज़ार करता है। उनके हाथों में लोहे की एक पुरानी ज़ंग लगी व्हीलचेयर का उखड़ा हुआ चमड़े का हत्था होता था जिसे वे अपनी धोती के पल्ले से इस आत्मीयता से पोंछते थे जैसे कोई नेता चुनाव के बाद अपने दागदार चरित्र को धो रहा हो। अस्पताल का नया वार्ड बॉय जब भी उन्हें देखता तो ऐसी चुटकी लेता जो सरकारी फाइलों की चुभन से भी तेज होती और कहता कि बाबा जब हर वीआईपी मरीज को नया स्ट्रेचर और आम आदमी को नई उम्मीद का झांसा मिल रहा है तो इस कबाड़ को अपनी छाती से लगाकर डॉक्टरों का रास्ता क्यों रोकते हो। अस्पताल में डॉक्टरों का रास्ता रोकना दरअसल लोकतंत्र का रास्ता रोकने जैसा अपराध है क्योंकि दोनों ही जगह केवल वीआईपी गाड़ियां ही बिना रुके निकल सकती हैं। मंशाराम अपनी धुंधली आँखों से उसकी तरफ देखते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि बेटा यह लोहे का टुकड़ा केवल कबाड़ नहीं है बल्कि इस सरकारी अस्पताल की उस अंधी संवेदनहीनता का हिस्सा है जो रोज जिन्दगियों का सौदा ऐसे करती है जैसे बाज़ार में सड़ी हुई सब्जियां बिक रही हों। आसपास खड़े तीमारदार और कर्मचारी उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बूढ़े का दिमाग उम्र के साथ वैसा ही सठिया चुका है जैसा हमारे देश का शिक्षा तंत्र जो डिग्रियां तो बाँटता है पर अक्ल छीन लेता है। वे कहते कि यह टूटी व्हीलचेयर के हत्थे को ढाल बनाकर पूरे महकमे से मुकाबला करने चला है मानो कोई अकेला सच का सिपाही संसद में नैतिकता की तलाश कर रहा हो। मंशाराम किसी की कड़वी बात का बुरा माने बिना उस उखड़े हुए हत्थे को अपनी कांपती हथेलियों में वैसे ही भींचे रहते थे जैसे एक मध्यमवर्गीय आदमी अपनी आखिरी बचत को महंगाई से बचाता है।

अस्पताल के सभी कर्मचारी उनके इस अनूठे नियम से वाकिफ़ थे और उन्हें एक हठी बुज़ुर्ग मानकर वैसे ही अनदेखा कर देते थे जैसे सरकार बेरोज़गारी के आंकड़ों को कर देती है। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी फ़ाइलों का ढेर लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के केबिन की तरफ बढ़ता जो फ़ाइलों का बोझ नहीं बल्कि दबे हुए अरमानों का कब्रिस्तान लगता था तो मंशाराम उम्मीद के सहारे खड़े हो जाते। वे पूछते कि बाबू जी क्या आज उस आयुष्मान योजना वाले कागज़ पर साहब की मुहर लग गई जो गरीबों के लिए वैसे ही दुर्लभ है जैसे किसी भ्रष्ट विभाग में ईमानदारी का मिलना। बाबू गुस्से में चश्मा उतारकर ऐसे डांटता जैसे वह खुद उस योजना का मालिक हो और कहता कि बाबा जब तक पोर्टल पर एप्रूवल का लाल निशान नहीं दिखेगा तब तक मुफ़्त इलाज का कागज़ पास नहीं होगा क्योंकि हमारे यहाँ इंसान की जान से ज़्यादा पोर्टल की सांसें मायने रखती हैं। तुम इस लोहे के हत्थे को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटते रहोगे क्योंकि सरकारी दफ़्तरों के चक्कर और यमराज का बुलावा दोनों में से यमराज ही ज़्यादा जल्दी सुनता है।

मंशाराम बिना कोई प्रतिवाद किए वापस अपनी जगह पर बैठ जाते और उस ज़ंग को उंगलियों से कुरेदने का वैसा ही निरर्थक प्रयास करते जैसा कोई नागरिक प्रशासन से जवाब मांगने का करता है।

सूर्यकुमार ने नहीं छोड़ी वापसी की उम्मीद फिर टीम से जुड़ने के लिए कर रहे कड़ी मेहनत

भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। सूर्यकुमार का कहना है कि वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उन्हें भविष्य में सब कुछ ठीक होने की उम्मीद है।

बल्लेबाजी में लगातार लचर प्रदर्शन करने के कारण भारतीय टीम से बाहर किए गए पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को कहा कि वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और भविष्य में सब कुछ ठीक होने की उम्मीद कर रहे हैं। भारत को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप में खिताब दिलाने के कुछ महीनों बाद 35 वर्षीय सूर्यकुमार को उनकी फॉर्म के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था।

सूर्यकुमार से जब एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय टीम में वापसी की संभावना के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा, 'मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और अपनी तरफ से हर संभव कोशिश कर रहा हूं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो सब कुछ अपने आप ठीक हो जाएगा।' सूर्यकुमार भारतीय टीम के अलावा आईपीएल में मुंबई इंडियंस की तरफ से भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

टी20 की छिनी थी कप्तानी

सूर्यकुमार की अगुआई में भारत ने इस साल टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन इसके बाद सूर्यकुमार टीम से बाहर कर दिए गए। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को राष्ट्रीय टीम की कमान सौंपी गई। सूर्यकुमार ने संन्यास की घोषणा नहीं की है और उनके ताजा बयान के अनुसार, उन्होंने टीम में वापसी की उम्मीद भी नहीं छोड़ी है। सूर्यकुमार कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

ऋषभ पंत पर क्यों भड़के रविचंद्रन अश्विन?

टीम इंडिया के पूर्व स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत के खराब शॉट चयन को लेकर नाराजगी जाहिर की है। अश्विन का कहना है कि पंत को मैच की परिस्थितियों को समझते हुए ज्यादा जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करने की जरूरत है। श्रीलंका के खिलाफ हुए दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पंत ने 168 रन बनाए। हालांकि, पंत तेजी से रन बटोरने के प्रयास में हर बार खराब शॉट खेलकर पवेलियन लौटे।

अश्विन बोले- पंत से उम्मीदें अब तक पूरी नहीं

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर बात करते हुए कहा, ऋषभ पंत से मेरी उम्मीदें अब तक पूरी नहीं हुई हैं। मुझे बहुत अफसोस है। सोनल दिनुषा का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा था। हालांकि, फर्क हाई-रिस्क विकल्प का है। जब गेम आपके हाथ में होता है, तो ये सब बातें होती हैं कि ऋषभ ऐसे ही खेलते हैं। यह इस बारे में है कि आपकी टीम को क्या चाहिए। सिडनी और ब्रिस्बेन में ऋषभ ने शानदार पारी खेली, लेकिन वॉशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर के बिना आप वह मैच नहीं जीत सकते थे। टेस्ट मैच खेलने और उसे खेल के आखिरी सेशन में जीतने के लिए 11 क्रिकेटरों की जरूरत होती है, लेकिन टेस्ट मैच हारने के लिए बस एक पल की बेवकूफी ही काफी है।

अश्विन ने कहा भारतीय-विकेटकीपर बल्लेबाज को मैच की परिस्थिति को समझकर बल्लेबाजी करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, मैं बस उन मौकों की बात कर रहा हूं जब गेम दांव पर होता है और ऐसे जोखिम लिए जाते हैं। मुझे ऋषभ एक खिलाड़ी के तौर पर बहुत पसंद हैं। बात इस फॉर्मेट में हालात के हिसाब से खेलने की है। सहवाग और गिलक्रिस्ट ने शानदार क्रिकेट खेला, लेकिन वे तब आगे बढ़कर शॉट खेलने की कोशिश में आउट नहीं होते थे जब उनकी टीम 500 रन पीछे हो।

अश्विन ने कहा, किसी एक खिलाड़ी को खास ट्रीटमेंट न दें। अगर आप पीढ़ी में एक बार आने वाले खिलाड़ी को सपोर्ट कर रहे हैं, तो यह समर्थन सभी को दें। यशस्वी जायसवाल भी ऐसे ही खिलाड़ी हैं। ऋषभ में बस इतना कह रहा हूं कि वह अनुभवी हैं, उन्होंने 50 टेस्ट खेले हैं। उन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पीढ़ी में एक बार वाला तर्क न दें। उनके फैसले लेने के तरीके की वजह से ही वह बाकी दो फॉर्मेट नहीं खेल रहे हैं। जिस दिन आप उन्हें सच बताएंगे, वह भारत के लिए तीनों फॉर्मेट के खिलाड़ी बन जाएंगे।

कोलंबो में ड्रॉ के बावजूद डब्ल्यूटीसी फाइनल का सपना बरकरार, गिल ने बताया आगे का प्लान

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में जीत का मौका गंवाने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम की उम्मीदों को लेकर बड़ा बयान दिया है। मैच ड्रॉ होने से निराश गिल ने कहा कि भारत के पास अब भी डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने का अच्छा मौका है। उन्होंने साफ किया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट की घरेलू सीरीज में जीत बेहद अहम होगी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल को लेकर क्या बोले गिल?

गिल ने कहा, 'मुझे अब भी लगता है कि हमारे पास डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करने का काफी अच्छा मौका है। अगर हम न्यूजीलैंड सीरीज अच्छा खेलते हैं और फिर ऑस्ट्रेलिया सीरीज तक ऐसी स्थिति में पहुंचते हैं जहां हमें सिर्फ सीरीज जीतनी हो, तो मुझे लगता है कि हम डब्ल्यूटीसी के लिए अच्छी स्थिति में होंगे।'

श्रीलंका के खिलाफ जीत नहीं मिलने से निराश गिल

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन मेजबान टीम ने पांचवें दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैच ड्रॉ करा लिया। श्रीलंका ने दिन का पूरा खेल खेलते हुए 229/6 के स्कोर से आगे बढ़कर भारत को जीत से दूर कर दिया। सोनल दिनुषा ने नाबाद 133 रन की शानदार पारी खेलकर भारतीय गेंदबाजों की कोशिशों पर पानी फेर दिया। गिल ने माना कि मैच का नतीजा उनके लिए निराशाजनक था। उन्होंने कहा कि भारत ने शुरुआत में काफी आक्रामक तरीके से विकेट हासिल करने की कोशिश की, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, पिच धीमी होती गई और बल्लेबाजों के लिए रक्षात्मक रवैया अपनाना आसान हो गया।

तीन दिन तक स्पिनरों ने डाले 50-60 ओवर

भारतीय कप्तान ने अपने गेंदबाजों और फील्डरों के प्रयास की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारतीय स्पिनरों ने तीन दिनों तक लगातार 50-60 ओवर गेंदबाजी की, जबकि इन परिस्थितियों में लगातार तीन दिन फील्डिंग करना भी आसान नहीं था। गिल ने कहा, 'मैं प्रयास और इरादे के लिए 10 में से 10 अंक दूंगा। हमने वह सब करने की कोशिश की जो हम कर सकते थे। हमारी तरफ से तीव्रता या प्रयास में कोई कमी नहीं थी।'

सिराज की फिटनेस पर भी गिल ने दिया अपडेट

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की धीमी गति को लेकर उठ रहे सवालों पर गिल ने स्पष्ट किया कि वह चोटिल नहीं हैं। उन्होंने बताया कि सिराज लंबे अंतराल के बाद मैदान पर लौटे हैं और लय हासिल करने में समय लग रहा है। गिल ने कहा कि सिराज गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में भी अपनी पूरी गति में नहीं थे, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर कोई चिंता नहीं है।

प्रसिद्ध कृष्णा बने टीम के भरोसेमंद गेंदबाज

सिराज के अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने के बीच प्रसिद्ध कृष्णा ने भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी अच्छी तरह संभाली। गिल ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि जब परिस्थितियां विकेट हासिल करने के लिए अनुकूल नहीं होतीं, तब भी प्रसिद्ध ने मौके बनाए हैं। गिल के मुताबिक, प्रसिद्ध इस सीजन में टीम के गो-टू बॉलर रहे हैं और कप्तान के तौर पर उन्हें ऐसे गेंदबाज की जरूरत है जो मुश्किल परिस्थितियों में भी विकेट के मौके पैदा कर सके। भारत बनाम श्रीलंका टेस्टः पडिक्कल का बल्ला बोला, सुथार ने मचाया धमाल; विदेश दौरे से टीम इंडिया को क्या मिला?

अब नजर न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को जीत नहीं मिलने के बाद डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में उसकी राह कुछ चुनौतीपूर्ण जरूर हुई है, लेकिन गिल ने भरोसा जताया है कि टीम अभी भी फाइनल की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है। भारत को अब न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की विदेशी सीरीज खेलनी है, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर में पांच टेस्ट मैच होंगे।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका

स्थान	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	10	8	2	0	96	80.00%
2	द. अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00%
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	52	72.22%
4	बांग्लादेश	6	3	2	1	40	55.56%
5	भारत	11	5	4	2	68	51.52%
6	श्रीलंका	6	1	2	3	24	33.33%
7	इंग्लैंड	14	5	8	1	50	29.76%
8	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	30	20.83%
9	पाकिस्तान	7	2	5	0	16	19.05%

विदेश दौरे से टीम इंडिया को क्या मिला?

श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत ने 1-0 से जीत दर्ज की। हालांकि सीरीज में कई सवालों के जवाब मिले, वहीं कुछ चिंताएं अब भी बरकरार हैं। सबसे बड़ी सकारात्मक बात देवदत्त पडिक्कल का नंबर-3 पर शानदार प्रदर्शन और युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का प्रभावशाली प्रदर्शन रहा। पडिक्कल ने बल्लेबाजी में अपनी दावेदारी मजबूत की, जबकि सुथार ने रवींद्र जडेजा के बाद भारत के प्रमुख टेस्ट स्पिनर के रूप में लंबी पारी के लिए खुद को तैयार साबित किया। दूसरी ओर, गेंदबाजी की अंतिम पारी में भारत के प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन को एक बार फिर सोचने पर मजबूर किया है।

नंबर-3 पर पडिक्कल ने मजबूत की दावेदारी

देवदत्त पडिक्कल इस सीरीज में भारत के सबसे बड़े हासिल के रूप में उभरे। उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाए और उनका औसत 109.33 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक भी लगाए और उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

स्पिन के खिलाफ पडिक्कल की बल्लेबाजी खास तौर पर चर्चा में रही। जहां श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने भारतीय स्पिनरों से निपटने के लिए स्वीप और उसके अलग-अलग रूपों का सहारा लिया, वहीं पडिक्कल ने बैकफुट प्ले और शानदार फुटवर्क को अपना हथियार बनाया।

उनके शुरुआती कोच मोहम्मद नसीरुद्दीन के मुताबिक, सीरीज से पहले पड्डिकल ने स्पिन के खिलाफ इसी पहलू पर काफी काम किया था। उन्होंने कहा, 'अगर आप क्रीज पर टिके रहते हैं तो स्पिनरों के खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। इसलिए हम गेंद के जितना करीब हो सके जाने या आगे निकलकर ड्राइव खेलने की ट्रेनिंग कर रहे थे।'

पडिक्कल के इस प्रदर्शन ने नंबर-3 की जगह को लेकर चल रही बहस को काफी हद तक खत्म कर दिया है। साई सुदर्शन के चोट से वापसी करने के बाद भी पड्डिकल इस स्थान के मजबूत दावेदार नजर आ रहे हैं। कप्तान शुभमन गिल ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर पड्डिकल इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे तो उन्हें नंबर-3 पर निश्चित तौर पर मौका दिया जाएगा।

ध्रुव जुरेल ने भी किया प्रभावित

ध्रुव जुरेल ने भी निचले क्रम में भारत को नई रणनीतिक मजबूती दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज जुरेल अब ऋषभ पंत के पीछे नंबर-6 पर विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। जुरेल की सबसे बड़ी खासियत परिस्थितियों के मुताबिक अपना खेल बदलने की क्षमता है। गाले में उन्होंने पड्डिकल के शतक के बाद तेज अर्धशतक लगाया, जबकि एसएससी में पहले आक्रामक अंदाज में पंत का साथ दिया और फिर खुद शतक जड़ दिया।

स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ उनका आत्मविश्वास भी खास रहा। दूसरे टेस्ट में जुरेल ने स्पिनरों की 101 गेंदों का सामना करते हुए 56 रन बनाए। तेज गेंदबाजों ने उन्हें बाउंसर से परेशान करने की कोशिश की, लेकिन सात बाउंसर में ही जुरेल ने 15 रन बना लिए। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने यह रणनीति लगभग छोड़ दी। ऐसे में जुरेल भारत के लिए नंबर-6 पर परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालने वाले बेहद उपयोगी बल्लेबाज बनकर उभरे हैं।

मानव सुथार ने दिखाया भविष्य का रास्ता

युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने भी सीरीज में अपनी छाप छोड़ी। गाले में उन्होंने परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाते हुए मैच में 10 विकेट हासिल किए। कोलंबो के एसएससी मैदान पर परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं। यहां पिच धीमी थी और गेंद को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी। इसके बावजूद सुथार ने करीब 63 ओवर गेंदबाजी कर छह विकेट हासिल किए।

गॉल में जहां वह 80 किलोमीटर प्रति घंटे से कुछ ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, वहीं एसएससी की धीमी पिच पर उन्हें करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे की अतिरिक्त गति से गेंदबाजी करनी पड़ी ताकि गेंद से कुछ टर्न और पकड़ हासिल की जा सके।

भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने सुथार की तारीफ करते हुए कहा कि यह उनके लिए सीखने का अनुभव है। उन्होंने कहा, 'यह मानव का तीसरा टेस्ट है और उसे अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। वह जानते थे कि बल्लेबाज उन पर हमला करेंगे। वह सीख रहे हैं। हमें उनकी सबसे अच्छी बात उनका जुझारूपन लगता है। वह हमेशा 100 प्रतिशत देते हैं।'

आखिरी पारी ने फिर बढ़ाई चिंता

हालांकि सीरीज में भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता आखिरी पारी में सामने आई। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने कोलंबो टेस्ट की दूसरी पारी में करीब पांच सत्र तक बल्लेबाजी करते हुए मैच ड्रॉ करा दिया। डेब्यू कर रहे ऑफ स्पिनर सारांश जैन प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। उनकी गेंदबाजी में लेंथ की निरंतरता नहीं दिखी और वह श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर पर्याप्त दबाव नहीं बना सके। इस प्रदर्शन के बाद टीम प्रबंधन के सामने स्पिन संयोजन को लेकर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। गाले में एक अपेक्षाकृत कमजोर टेस्ट खेलने वाले कुलदीप यादव को बाहर रखने या टीम में बनाए रखने को लेकर चर्चा संभव है।

महिला एशिया कपः टी20 टूर्नामेंट में कैसा है भारतीय टीम का रिकॉर्ड? तीन बार खिताब पर जमा चुकी है कब्जा

महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत शुक्रवार से हो रही है। इस बार टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाना है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। आइए आपको बताते हैं टीम इंडिया का टी20 एशिया कप में रिकॉर्ड कैसा रहा है।

टी20 प्रारूप आता है रास

दरअसल, भारतीय टीम को एशिया कप में टी20 प्रारूप खूब रास आता है। कुल मिलाकर भारत ने टी20 एशिया कप में 25 मुकाबले खेले हैं। इसमें से हरमनप्रीत एंड कंपनी ने 21 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि महज चार मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम टी20 एशिया कप के खिताब को तीन बार अपने नाम कर चुकी है। साल 2012, 2016 और 2022 में टीम इंडिया ने ट्रॉफी को अपने नाम किया था।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम से इस बार भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के ऊपर टीम को शानदार शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। शेफाली और मंधाना दोनों की ही हालिया फॉर्म शानदार रही है। मंधाना इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में कप्तान हरमनप्रीत कौर के कंधों पर मध्यक्रम की जिम्मेदारी होगी।

थाईलैंड के खिलाफ अभियान की करेगी शुरुआत

ऋषा घोष और दीप्ति शर्मा भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकती हैं, जबकि ऋचा तूफानी बल्लेबाजी के बूते किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। गेंदबाजी में क्रांति गौड़ और रेणुका ठाकुर तेज गेंदबाजी की कमान संभालती हुई नजर आ सकती हैं। वहीं, स्पिन विभाग की जिम्मेदारी श्री चरणी और राधा यादव पर होगी। चरणी ने इस साल खेले 15 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कुल 27 विकेट चटकाए हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी।

दोस्त सारा की मां पर ओरी का बड़ा बयान, बुरे दौर पर बोले- 'अमृता ने मुझे मानसिक तनाव दिया था'

ओरी सोशल मीडिया का पॉपुलर चेहरा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में ओरी ने अभिनेत्री अमृता सिंह से जुड़े कई खुलासे किये। इसके साथ ही जीवन के सबसे खराब दौर का चर्चा की। जानें क्या बोले ओरी?

अमृता पर क्या बोले ओरी?

ओरी ने एक बुरे अनुभव को साझा किया। पिंकविला से हुई बातचीत में ओरी ने अमृता सिंह पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा 2021 में अमृता अली खान ने मुझे मानसिक रूप से परेशान किया था। यह मेरी लाइफ के लिए बहुत बड़ी बात थी। वह मेरे जीवन का बहुत ही बुरा और अंधकारमय दौर था। यह सब होने से मुझे उस समय नरक जैसा अनुभव होता था। मेरे लिए यह सदमे जैसा था।

ओरी ने आगे अपनी बातचीत में कहा, 'जब मैं उस स्थिति से बाहर आ गया। तब मैंने सोचा मुझे इतनी ताकत की जरूरत नहीं है। भला किसी को अपनी जिंदगी में इतनी ताकत की जरूरत क्यों होती है? फिर मुझे एहसास हुआ कि अब मुझे किसी भी चीज से कोई फर्क नहीं पड़ता। मतलब, कोई भी चीज मुझे दुखी नहीं करती। मुझे लगता है कि उस सदमे ने मुझे इतना मजबूत बना दिया कि जब मैं एक जानी-मानी हस्ती बना, तो शुरुआत में मुझे जितनी नफरत मिलती थी, उसका मुझ पर कोई असर नहीं हुआ।'

ओरी और सारा अली खान की दोस्ती में 2025 में तब खटास आ गई जब ओरी ने सारा के जन्मदिन पर उनकी कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट कीं जिन्हें कुछ लोगों ने आपत्तिजनक बताया। यह विवाद तब और बढ़ गया जब ओरी ने ₹3 सबसे खराब नाम शीर्षक से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें सारा, अमृता और पलक के नाम बिना उनके सरनेम के लिखे गए थे। इसके तुरंत बाद, सारा और उनके भाई इब्राहिम अली खान दोनों ने इंस्टाग्राम पर ओरी को अनफॉलो कर दिया।

नोरा फतेही ने विवादित गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' पर टिप्पणी करने वाले इन्फ्लुएंसर्स को सुनाई खरी खोटी

कुछ महीनों पहले संजय दत्त और नोरा फतेहि की फिल्म 'केडीः द डेविल' का गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' विवादों में घिर गया था, क्योंकि इसके बोल और विजुअल्स पर आपत्ति उठाई गई थीं। और नोरा फतेही को बुरी तरह ट्रोल किया गया था। हाल ही में नोरा एक बार फिर इस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अब आलोचनाओं का उन पर असर नहीं होता है और उन्हें पता है कि हर इन्फ्लुएंसर एक ही तरह की बातें क्यों करता है।

मुझे पता है कि तुम्हें कितने पैसे दिए

नोरा फतेही ने कहा, मुझे पहले से पता है कि तुम्हें किसने हायर किया, कब किया और कितने पैसे दिए। जिसने भी यह किया, उसने इस मौके का पूरा फ़ायदा उठाया। फेमिनिज्म की वजह से, मैं पहले से तैयार थी कि मेरा शरीर इस पर कैसे रिएक्ट करेगा। मैं घबराई नहीं थी, न ही डरी हुई थी। मैं तीन दिन तक शूटिंग कर रही थी - मुझे पता नहीं था, और फिर अचानक हंगामा मच गया।

उन्होंने आगे कहा, और फिर जब हम वापस आए तो मैंने सोचा कि एक वीडियो डाल देती हूं क्योंकि गलत बातें फैल रही थीं। कभी-कभी मेरी चुप्पी का गलत मतलब निकाला जा सकता है। फिर भी मुझे कोई रियायत नहीं मिली। मैंने अपनी बात रखी। मैंने सच बताया। मैंने कहा कि मुझे नहीं पता यह कहां से आया, मैंने इस गाने के लिए शूटिंग नहीं की थी। मैंने सारी डिटेल्स दीं। मैं अपनी बात बहुत साफ-साफ रखती हूं। लेकिन फिर भी कमेंट्स में लोग कह रहे थे, 'वह झूठ बोल रही है। उसे कैसे पता नहीं चला, जबकि गाना रिलीज ही नहीं हुआ था?' वैसे, पूरा गाना रिलीज नहीं हुआ था। बस कुछ हिस्से - कुछ क्लिप्स और AI फ़ोटो थीं। इसके आगे उन्होंने कहा ऐसे गाने रोज बनते हैं। जो है, सो है। मैं यह नहीं कह रही कि यह अच्छा है।

एक डिटेल्ड वीडियो मैसेज में, उन्होंने आलोचनाओं का जवाब दिया, अपनी बात कही और गाने के हिंदी वर्जन से खुद को अलग बताया। नोरा ने बताया कि उन्होंने यह गाना कई साल पहले कन्नड़ में शूट किया था और उन्हें पता नहीं था कि बाद में इसे कैसे बदला जाएगा। उन्होंने कहा, मैंने यह गाना तीन साल पहले कन्नड़ में शूट किया था। जब मैंने यह गाना शूट किया, तो मैंने इसके लिए हां कहा क्योंकि यह एक बड़ी फिल्म का हिस्सा था और संजय दत्त के साथ था - भला कौन मना करता? मुझे लगा कि यह 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं' गाने का रीमेक है।

उन्होंने आगे कहा, जब उन्होंने इस गाने का अनुवाद किया, तो मुझे कुछ भी गलत या अश्लील नहीं लगा, लेकिन मुझे कन्नड़ नहीं आती, इसलिए मैं उनकी बातों पर ही भरोसा करती हूं। अभी उन्होंने जो कुछ भी किया है - हिंदी में डबिंग और गाने के बोल - उसके लिए उन्होंने मुझसे कोई इजाजत या मंजूरी नहीं ली। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

उन्होंने यह भी बताया कि लॉन्च इवेंट के दौरान ही उन्हें कुछ दिक्कतें नजर आईं

नोरा फतेही ने बताया कि लॉन्च इवेंट में कन्नड़ वर्जन देखकर वह नाराज हो गई थीं, खासकर अपनी और संजय दत्त की AI तस्वीरें देखकर। हिंदी वर्जन पर उन्होंने मेकर्स से आपत्ति जताई और प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया। नोरा ने कहा कि कलाकारों के पास ज्यादा कंट्रोल नहीं होता, लेकिन आलोचना के बाद गाना हटाया गया, जिसके लिए वह शुक्रगुजार हैं।

ऐसे फिल्ममेकर्स और प्रोड्यूसर्स को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए

नोरा फतेही ने कहा कि ऐसे कंटेंट के लिए फिल्ममेकर्स और प्रोड्यूसर्स को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि उन्हें हिंदी गाने की जानकारी नहीं थी, उन्होंने उस पर परफॉर्म नहीं किया था और उनकी तस्वीर इस्तेमाल करने की अनुमति भी नहीं ली गई थी। उन्होंने फैंस से गाना शेयर न करने की अपील की।

गाने को लेकर क्या थीं लोगों की शिकायतें

शिकायत के अनुसार, गाने के कुछ बोल साफ तौर पर आपत्तिजनक हैं और आम जनता के देखने के लिए ठीक नहीं हैं, खासकर इसलिए क्योंकि नाबालिगों की इन तक आसानी से पहुंच है। शिकायत करने वाले ने चिंता जताई है कि जब ऐसा कंटेंट ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध होता है, तो बच्चे ऐसी चीजों के संपर्क में आते हैं जो उनकी उम्र के हिसाब से सही नहीं हैं।

ऋतिक के बेटे रेहान ने संगीत जगत में रखा पहला कदम

डेब्यू गाने की रिलीज पर भावुक हुआ रोशन परिवार

ऋतिक रोशन और सुजैन खान के बेटे रेहान रोशन ने शुक्रवार को अपना सिंगिंग डेब्यू कर लिया है। शुक्रवार को रेहान ने अपना पहला गाना 'द हेवनली प्लेस' रिलीज किया। इसकी जानकारी ऋतिक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए फैंस को दी।

बेटे के लिए क्या लिखा ऋतिक ने

ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर बेटे को इस शुरुआत के लिए बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'आपमें जन्मजात बुद्धिमत्ता है। मुझे इस पर पूरा भरोसा है। यही बात मुझे निडर बनाती है।' इसके साथ ही उन्होंने बेटे के लिए हार्ट इमोजी का साइन भी लगाया।

दादा ने भी जताई खुशी

रेहान रोशन के रिलीज हुए गाने पर उनके दादा राकेश रोशन ने भी अपनी खुशी बयां की। उन्होंने अपने पोते के लिए एक भावुक नोट लिखा, 'संगीत हमेशा से हमारे परिवार की धड़कन रहा है और आपको अपने एल्बम के साथ नेतृत्व करते हुए देखना एक अच्छा अनुभव है। हर शब्द को लिखना, संगीतबद्ध करना और गाना बेहद भावुक कर देने वाला है। आप अपनी प्रतिभा और कलात्मकता से अपना अलग रास्ता बना रहे हैं। आगे बढ़ती रहिए।'

सुजैन और सबा ने लुटाया प्यार

रेहान रोशन की मां सुजैन खान ने भी अपने बेटे के पहले गाने की रिलीज का जश्न मनाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, 'बेहद भावुक हूं, तुमसे बहुत प्यार करती हूं।" गायिका और अभिनेत्री सबा आजाद ने भी रेहान रोशन को बधाई दी। उन्होंने रेहान का पहला गाने सुनने के बाद उनकी प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, 'बहुत ही खूबसूरत रे। मुझे तुम पर बहुत गर्व है।'

'टॉक्सिक' में कामुकता और नफरत दिखाए जाने पर भड़के अन्नामलाई, सर्टिफिकेट देने के लिए सीबीएफसी की आलोचना की

यश की फिल्म 'टॉक्सिक' ने रिलीज के एक दिन के अंदर ही 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। कई बड़े स्टार्स वाली इस गैंगस्टर ड्रामा फिल्म पर महिलाओं को बहुत ज्यादा कामुक अंदाज में दिखाने का आरोप लगा है। आरोप यह भी है कि महिलाओं के प्रति नफरत या भेदभाव वाली सोच दिखाया गया है।

क्या बोले अन्नामलाई

पूर्व भाजपा नेता और 'वी द लीडर्स' के फाउंडर के. अन्नामलाई ने फिल्म में महिलाओं के प्रति नफरत वाली सोच दिखाने पर इसकी आलोचना की है। उन्होंने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन पर भी कड़ा हमला किया है और फिल्म को मंजूरी देने पर सवाल उठाए हैं।

पूर्व आईपीएस अफसर से नेता बने अन्नामलाई ने कहा...

नियम सख्त होने चाहिए।

सेंसर बोर्ड को यह तय करने के लिए कड़े फैसले लेने चाहिए कि कौन से सीन दिखाए जा सकते हैं, भले ही फिल्म में बड़े स्टार्स हों।

अगर बच्चे ऐसी फिल्में देखते हैं, जिनमें महिलाओं को एक खास नजरिए से दिखाया जाता है, तो इसका बुरा असर पड़ेगा।

फिल्म ने पहले ही दिन 104 करोड़ रुपये कमाए हैं। वे महिलाओं को एक खास तरह से दिखाते हैं।

अगर हम बच्चों को रोज ऐसी फिल्में दिखाएंगे, तो इस देश में महिलाओं का क्या होगा?

फिल्मों का असर पड़ता है

अन्नामलाई ने इस बात पर जोर दिया कि फिल्मों में महिलाओं को गलत तरीके से दिखाने से महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर हो रहे काम पर पानी फिर जाता है। नेता ने फिल्म को मंजूरी देने के लिए सेंसर बोर्ड की आलोचना की।

उन्होंने कहा 'हम हर शहर और कॉलेज में जाकर महिलाओं की सुरक्षा पर बात करते हैं। मगर सेंसर बोर्ड इसे मंजूरी दे देता है। क्या फिल्म महिलाओं को सही सम्मान देती है? नहीं। फिल्मों में बहुत कुछ होता है और उसका आप पर असर पड़ता है।'

महिलाओं को लेकर क्या बोले यश?

हैदराबाद में 'टॉक्सिक' के प्री-रिलीज इवेंट में, यश ने फिल्म में महिलाओं को दिखाए जाने के तरीके पर हो रही आलोचना का जवाब दिया और डायरेक्टर गीतू मोहनदास का बचाव किया। उन्होंने कहा 'हो सकता है कि वे कहें या इसे स्वीकार न करें, लेकिन बात यह है कि हर कोई आपको देखेगा। मुझे मेरे पैसे के लिए सम्मान नहीं मिलता, मुझे मेरे काम के लिए सम्मान मिलता है। मुझे पता है कि निर्देशक यह साबित करेंगी कि हर महिला और हर लड़की हर तरह की स्थिति का सामना कर सकती है, अपने विचार और नजरिया रख सकती है और इस समाज में सफल हो सकती है।'

नेपाल त्रासदी पर एकजुट हुआ बॉलीवुडः मनीषा कोइराला ने जताया दुख तो उदित नारायण बोले- तबाही देख रोना आ रहा

हिमालयी सीमावर्ती देश नेपाल और तिब्बत में एक विशाल ग्लेशियर के अचानक ढहने से आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। भारी बारिश और हिमस्खलन के बाद भोटे कोशी नदी के उफान पर आने से रसुवा क्षेत्र जलमग्न हो गया, जिससे अब तक 359 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है वहीं, 1500 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस त्रासदी ने न केवल स्थानीय लोगों को बल्कि वहां मौजूद भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के कई पर्यटकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस दुखद हादसे पर भारतीय फिल्म उद्योग के कई दिग्गज कलाकारों ने गहरा शोक जताया है।

नेपाल त्रासदी से बॉलीवुड सितारे हुए दुखी

नेपाली मूल के मशहूर बॉलीवुड गायक उदित नारायण झा ने इस प्राकृतिक आपदा पर अपना गहरा दुख व्यक्त किया है। उदित नारायण, जिनका पैतृक जुड़ाव नेपाल और भारत के मिथिला क्षेत्र से है, वह इस त्रासदी को लेक भावुक हो गए।

उदित नारायण ने कहा, यह बहुत दुखद और दिल तोड़ने वाला है, लेकिन ईश्वर की इच्छा के आगे इंसान बेबस है। हालांकि, मेरा परिवार प्रभावित क्षेत्र से थोड़ा दूर है, फिर भी पूरे इलाके में खतरे का अलर्ट जारी है। इस स्तर की तबाही देखकर रोने का मन कर रहा है। पूरी दुनिया दुखी है और मैं राहत कार्यों में योगदान देना चाहता हूँ ताकि मदद सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। हम बस यही प्रार्थना कर रहे हैं कि सब जल्द ठीक हो जाए।

अनुपम खेर ने भी दुख जताते हुए कहा, मैं नेपाल के लिए प्रार्थना करता हूं। नेपाल में अचानक आई बाढ़ से हुई तबाही से मैं बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। लोगों की जान गई है। परिवार उजड़ गए हैं। घर बह गए हैं। बेबस जानवर इस तबाही में फंस गए हैं। यह सोचना ही दिल दहला देने वाला है कि कैसे कुछ ही पलों में, कोई व्यक्ति जिसे अपना कहता है, वह सब कुछ गायब हो सकता है।

मनीषा कोइराला ने भी लोगों से की अपील

बॉलीवुड की कई प्रमुख हस्तियों ने पीड़ितों के प्रति अपनी एकजुटता दिखाई है। नेपाल मूल की अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी एक कार्यक्रम में प्रशंसकों से नेपाल के लिए प्रार्थना करने की अपील की और राहत सामग्री पहुंचाने वाले जरूरी हेल्पलाइन नंबर्स शेयर किए है। वहीं, अभिनेता रोहित सराफ ने कहा कि नेपाल से आ रही तस्वीरें बेहद दर्दनाक हैं और वह लापता लोगों की सलामती की प्रार्थना कर रहे हैं।

हमेशा राहत कार्यों में आगे रहने वाले अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने एक्स (ट्विटर) पर लिखा, नेपाल, आप इस आपदा में अकेले नहीं हैं। हम भोजन, आश्रय और पुनर्निर्माण में आपकी सहायता के लिए पूरी ताकत के साथ आ रहे हैं। इनके अलावा संजय दत्त और अरुण गोविल ने भी जान गंवाने वाले परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

सुनील शेट्टी ने भी नेपाल त्रासदी पर चिंता जाहिर की। उन्होंने लिखा, नेपाल में हुई तबाही को देखकर दिल टूट जाता है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित हर परिवार और जमीन पर दिन-रात काम कर रहे लोगों के साथ हैं। नेपाल के लिए प्रार्थना कर रहा हूं। हिम्मत बनाए रखें।

पर्यटक फंसे, नेपाल सरकार ने जारी किए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर

बाढ़ के कारण नेपाल और तिब्बत का संपर्क कट गया है और कई देशों के नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने राहत कार्यों में तेजी लाते हुए पर्यटकों की सहायता के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। बोर्ड ने टोल-फ्री नंबर 1234, हॉटलाइन 1144 और पर्यटक पुलिस का संपर्क नंबर 9851289445 जारी किया है, ताकि फंसे हुए लोगों और उनके परिवारों को तुरंत जानकारी दी जा सके।

अमाल मलिक ने संगीत को क्यों कहा अलविदा? खुद बताई वजह; 'आवारापन 2' के कंपोजर ने फैंस से की ये अपील

बॉलीवुड के मशहूर संगीतकार और गायक अमाल मलिक को लेकर बड़ी खबर आ रही है। अमाल ने एक पोस्ट से अपने चाहने वालों को बड़ा झटका दे दिया है। इमरान हाशमी स्टारर फिल्म 'आवारापन 2' के हालिया रिलीज हुए गाने 'ये आवारापन' की सफलता के बीच, अमाल ने अचानक फिल्म संगीत से लंबा ब्रेक लेने का ऐलान किया है। उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया और साथ अपने फैंस से अपील की है कि उन्हें परेशान न किया जाए।

अमाल मलिक ने लिया फिल्मों से ब्रेक

अमाल मलिक ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल पर एक लंबा और भावुक मैसेज शेयर किया। अमाल ने स्पष्ट किया कि वह अगले साल (2027) तक किसी भी नई फिल्म के लिए संगीत तैयार नहीं करेंगे। अपने पोस्ट में बिग बॉस 19 के पूर्व प्रतियोगी अमाल मलिक ने लिखा कि यह फैसला उन्होंने अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए लिया है।

अमाल ने अपने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए लिखा, "मैं बिल्कुल ठीक हूं और इस बार मैं पूरी तरह से वही करूंगा जो मेरे लिए सबसे अच्छा है, और सिर्फ वही काम करूंगा जो मेरे दिल और मेरी सेहत के लिए जरूरी है। मुझे अपने मन, शरीर, आत्मा और पूरी तरह से शारीरिक रूप से ठीक होने के लिए एक ब्रेक की जरूरत है।

अमाल मलिक ने फैंस से की गुजारिश

अमाल मलिक ने आगे लिखा, "मुझे उठना है, ठीक होना है और जल्द ही वापसी करनी है। आप सभी प्यारे प्रशंसकों के लिए ढेर सारे सुरों और संगीत के साथ। अगले साल तक कोई फिल्मी संगीत नहीं। पुरानी रिलीज न हुई फिल्मों के गाने जल्द ही आ सकते हैं, अगर वे फिल्में रिलीज होती हैं तो, क्योंकि वह कम बजट की फिल्में हैं और अच्छी नीयत से बनी हैं, लेकिन ऐसे लोगों को आसानी से स्क्रीन नहीं मिलतीं, इसलिए उन प्रोजेक्ट्स का भविष्य पता नहीं। अमाल मलिक ने आगे अपने फैंस से अपील करते हुए लिखा, आपसे गुज़ारिश है कि मुझे और परेशान न करें। जैसे ही मुझे कुछ पता चलेगा, मैं अपडेट कर दूंगा। संगीत से सिनेमा तक का सफर मुझे बहुत दूर ले आया है, अब मैं संगीत की ओर वापस चलने लगा हूं... अब मुझे विदा दें, मैं वापस आऊंगा। अभी के लिए विदा लेता हूं।

फैंस का मिला जबरदस्त समर्थन, मैसेज पढ़कर भावुक हुए लोग

अमाल के इस अचानक ब्रेक लेने के फैसले से भले ही उनके प्रशंसक निराश हैं, लेकिन वह उनके फैसले का पूरा समर्थन कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अपनी सेहत का ख्याल रखो भाई, यह सबसे ज्यादा जरूरी है। आराम करो और नकारात्मक बातों को नजरअंदाज कर खुद पर ध्यान दो। हम तुम्हारा इंतजार करेंगे। वहीं एक अन्य ने लिखा, तुम्हारी मन की शांति और सेहत सबसे पहले आती है। आराम करने के लिए जितना समय चाहिए ले लो, शेर! हम हर सुख-दुख में तुम्हारे साथ खड़े हैं। वहीं कुछ हैं जो अमाल के लिए परेशान हो रहे हैं और उनसे उनकी हेल्थ को लेकर सवाल-जवाब कर रहे हैं।

बुर्का उठाते ही पता चल गया था करीना सुपरस्टार बनेगी : करिश्मा कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर अपने सशक्त, बहुमुखी और सहज अंदाज के लिए बॉलीवुड में विशेष स्थान रखती हैं। उनकी बड़ी बहन करिश्मा कपूर ने बताया कि उन्हें एहसास हो गया था कि करीना सुपरस्टार बनने के लिए ही आई हैं। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने फिल्म 'रिफ्यूजी' के पहले क्लोजअप शॉट को याद करते हुए कहा कि उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि करीना एक सुपरस्टार बनने वाली है। करिश्मा कपूर ने कहा कि फिल्म 'रिफ्यूजी' के डायरेक्टर जेपी दत्ता, पिता एक्टर रणधीर कपूर के असिस्टेंट रह चुके थे। उन्होंने कहा, जेपी दत्ता सर मेरे पापा के असिस्टेंट थे और फिर जेपी दत्ता सर ने करीना को लॉन्च किया। हम शूटिंग में गए थे और करीना का पहला क्लोज-अप हो रहा था और वे अपना बुर्का ऊपर कर रही थीं, जिसे देखकर लगा कि करीना सुरपरस्टार बनने वाली हैं। मुझे लगता है करीना अपनी आंखों से गजब एक्सप्रेशन देती हैं , वो कैसे करती हैं पता नहीं लेकिन वो एक अलग लेवल का होता है।

करिश्मा ने यह भी बताया कि बड़े होते समय बहनें अपनी पर्सनैलिटी के मामले में कितनी अलग थीं। खुद को सिंपल बताते हुए उन्होंने कहा कि करीना जोशीली और बोल्ड हैं। उन्होंने कहा, मैं थोड़ी सी सिंपल टाइप की हूं और करीना काफी डैशिंग टाइप की लड़की है। आम तौर पर ये होता है, बड़े बच्चे थोड़े सिंपल होते हैं और छोटे वाले काफी हॉट-ब्लडेड होते हैं। हर समय मुझे अपनी मां से बहन को बचाना पड़ता था।

बता दें कि करिश्मा कपूर और करीना कपूर दोनों को बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक माना जाता है। दोनों एक्ट्रेस मशहूर एक्टर राज कपूर की पोती और एक्टर रणधीर कपूर और बबीता की बेटियां हैं। करिश्मा ने 90 के दशक की शुरुआत में बॉलीवुड में डेब्यू किया था जबकि करीना ने वर्ष 2000 में एक्टिंग में कदम रखा था।

महासमुंद में कचरे के नीचे मिला 85 लाख का गांजा

मिनी ट्रक में छिपाकर यूपी में तस्करी, कार से पीछा कर रहे 3 तस्कर पकड़ाए

महासमुंद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की महासमुंद पुलिस ने 85 लाख रुपए का गांजा पकड़ा है। तस्करों ने गांजे को मिनी ट्रक में कांच के टुकड़ों और कचरे के नीचे छिपा रखा था, जिससे जांच के दौरान पुलिस को शक न हो। मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कुल 170.75 किलो गांजा जब्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक 26 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांजे की बड़ी खेप मिनी ट्रक से ले जाई जा रही है। इसके बाद महासमुंद थाना पुलिस ने NH-353 पर बिरकोनी के महाराजा ढाबा के पास घेराबंदी की। इस दौरान संदिग्ध मिनी ट्रक को रोका गया।

ट्रक की पहली नजर में जांच करने पर उसमें सिर्फ कांच के टुकड़े और कचरा दिखाई दिया। पुलिस को शक होने पर तलाशी ली गई। कांच और कचरे के नीचे छिपाकर रखे गए 170.75 किलो गांजा बरामद कर लिया गया।

ट्रक चालक अंकित कुमार यादव (25), निवासी रायबरेली, उत्तर प्रदेश से पूछताछ की गई। उसने बताया कि उसके साथी स्विफ्ट कार से ट्रक का पीछा कर रहे थे। इसके बाद पुलिस ने लाल रंग की स्विफ्ट कार को रोक लिया।

कार में सवार संतोष गुप्ता (60), अविनाश सिंह (43) और श्याम प्रकाश सोनी (37) को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पूछताछ में तीनों ने गांजा तस्करी में शामिल होना स्वीकार किया।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी गांजे की खेप बौद्धगढ़, ओडिशा से फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। तस्करों ने गांजे को वाहन में कांच और कचरे के नीचे इस तरह छिपाया था कि सामान्य जांच में वह नजर न आए।

छत्तीसगढ़ के भाजपा नेता की बेटी लापता

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गई थीं डॉक्टर, इमीग्रेशन सेंटर पर थीं, संपर्क टूटा

सरगुजा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई बाढ़ में अंबिकापुर के सीनियर भाजपा नेता करता राम गुप्ता की बेटी डॉ. मीना गुप्ता लापता हो गई हैं। हादसे के समय वह अपनी टीम के साथ नेपाल-तिब्बत सीमा स्थित इमीग्रेशन सेंटर में थीं। डॉ. मीना के साथ उनके दल के सभी 80 लोग भी लापता बताए जा रहे हैं। यह दल कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गया था। डॉ. मीना गुप्ता वर्तमान में इंग्लैंड में स्किन स्पेशलिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। वह 14 अगस्त को मानसरोवर यात्रा के लिए दिल्ली पहुंची थीं। इसके बाद एक आध्यात्मिक गुरु के साथ करीब 80 लोगों का दल दिल्ली से काठमांडू रवाना हुआ था। 23 अगस्त को दल ने कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर ली थी।

25 अगस्त को दल के सदस्य नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित इमीग्रेशन सेंटर में औपचारिकताएं पूरी करने पहुंचे थे। इसी दौरान पूरा इमीग्रेशन सेंटर बाढ़ की चपेट में आ गया। हादसे के बाद डॉ. मीना गुप्ता सहित दल में शामिल सभी 80 लोग लापता हो गए। डॉ. मीना गुप्ता ने अपने पिता करता राम गुप्ता को भी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर साथ चलने के लिए कहा था, लेकिन व्यस्तता के कारण उन्होंने जाने से इनकार कर दिया।

रक्षाबंधन पर बेटी से दिल्ली में मुलाकात करने के इरादे से करता राम गुप्ता भी दिल्ली गए थे, लेकिन इससे पहले ही उन्हें हादसे की सूचना मिल गई। पर्यटन और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने करता राम गुप्ता से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

बेटी को छेड़ने से रोका तो पिता को सरिया मारा

आरोपी बोला– हमारी बात है, तुम क्यों बीच में पड़ रहे हो

इंदौर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के चंदन नगर क्षेत्र में बेटी को मोबाइल पर परेशान करने से रोकना एक पिता को भारी पड़ गया। आरोपी ने पहले उसके साथ गाली-गलौज की और फिर सरिए से सिर पर हमला कर दिया। मारपीट के बाद आरोपी ने धमकी भी दी। पीड़ित की शिकायत पर चंदन नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक रामबलराम नगर निवासी राहुल पुत्र पूरन सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। पीड़ित ने बताया कि राहुल आए दिन उसकी बेटी को मोबाइल पर कॉल कर परेशान करता था। गुरुवार को उसने राहुल से बेटी को परेशान नहीं करने के लिए कहा।

इस पर राहुल ने कहा कि 'हमारे बीच की बात है, तुम बीच में क्यों आ रहे हो।' इसके बाद गाली-गलौज करते हुए उसने सरिया निकाला और पीड़ित के सिर पर मार दिया। आरोपी ने उसके साथ मारपीट भी की और धमकी दी कि उसे युवती से बात करने से रोका तो ठीक नहीं होगा।

घटना के बाद पीड़ित परिवार के साथ थाने पहुंचा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, धमकी सहित संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इधर, राऊ क्षेत्र में पूर्व विवाद को लेकर महिला और उसके पति से मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने रजनी की शिकायत पर सन्नी पाटिल और हेमलता के खिलाफ केस दर्ज किया है। रजनी ने बताया कि सन्नी से पहले विवाद हुआ था, जिसकी उसने शिकायत की थी। गुरुवार को वह पति दिलीप के साथ घूमकर घर लौटी थी। दोनों गाड़ी घर में रख रहे थे, तभी सन्नी वहां पहुंचा और उनके सामने खड़े होने की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा।

आरोप है कि सन्नी ने मारपीट शुरू कर दी और पत्थर उठाकर रजनी व उसके पति दिलीप पर हमला कर दिया। हमले में दोनों के चेहरे और पीठ पर चोट आई। राऊ पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देवभोग में किडनी बीमारी से 8 मौतों का दावा

लोगों ने बोर का पानी पीना छोड़ा, 50 से ज्यादा कनेक्शनों में 1200 तक टीडीएस

गरियाबंद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सुपेबेड़ा के बाद अब गरियाबंद के देवभोग में किडनी की बीमारी से मौत का मामला सामने आया है। यहां वार्ड क्रमांक 3 में करीब 350 लोग रहते हैं, जिन्होंने मोहल्ले का पानी पीना छोड़ दिया है। स्थानीय लोग 1 किमी दूर से पीने का पानी ला रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि देवभोग में पिछले छह साल में 15 लोगों की किडनी की बीमारी से मौत हो गई, मृतकों में 8 लोग वार्ड क्रमांक 3 के ही थे, जिसके बाद लोग सावधानी बरत रहे हैं। हालांकि इन मौतों को आधिकारिक तौर पर किडनी की बीमारी से जोड़ने की पुष्टि सरकारी रिकॉर्ड में नहीं है।

ग्रामीणों की शिकायत के बाद पीएचई विभाग की तरफ से यहां पानी की जांच करवाई गई। रिपोर्ट में देवभोग के 50 से ज्यादा बोर कनेक्शनों के पानी में टीडीएस यानी पानी में घुले हुए कुल ठोस पदार्थ की मात्रा 800 से 1200 मिलीग्राम प्रति लीटर तक है।

वार्ड 3 में किडनी रोग से पीड़ित रविशंकर निषाद, चरण निषाद, अभिमन्यु सेन और खीरोबाई ठाकुर की मौत 2019 में हुई थी। टीचर खगेश्वर ठाकुर का निधन 2021 में हुआ, जबकि रामेश्वर यादव और प्रेमसिंह ठाकुर की मौत 2023 में हुई।

वार्ड 3 में रहने वाले एक सरकारी कर्मचारी का किडनी ट्रांसप्लांट भी हो चुका है। उनकी पत्नी ने उन्हें एक किडनी दान की थी। फिलहाल वे डायलिसिस के सहारे इलाज करा रहे हैं। सभी किडनी की बीमारी से पीड़ित थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार मांग के बावजूद इलाके के पानी की डिटेल जांच नहीं की गई है। वार्ड में मौजूद एक अच्छे जल स्रोत पर लगा सोलर सिस्टम भी लंबे समय से बंद पड़ा है।

वार्ड-3 के रहने वाले भोलेश्वर राजपूत ने बताया कि पीने का पानी लाने के लिए करीब एक किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। इलाके में बोर का पानी तो है, लेकिन वह पीने लायक नहीं है। इस पानी को पीने से पेट खराब हो जाता है। इसलिए पूरे मोहल्ले के लोग दूसरे इलाके से पीने का पानी लाते हैं। किडनी की बीमारी के कारण अपने माता-पिता को खो चुके भजन ठाकुर ने बताया कि मोहल्ले के ज्यादातर लोग वार्ड-3 में लगे सोलर पंप से पानी लाते हैं। बताया जाता है कि इस पंप के पानी का टीडीएस सामान्य है। घनश्याम ठाकुर ने बताया कि वे सुबह परिवार के साथ खेत जाते हैं और वहीं से दिनभर पीने के लिए जरूरी पानी लेकर घर लौटते हैं।

सरकारी नर्सिंग कॉलेज में कैसे फेल हुए 74% स्टूडेंट्स

छात्र बोले– हमसे कहा कॉपी भरके आ जाओ, सेंटर मैनेज है, पास कर देंगे, 10,500 लिए थे

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सेमेस्टर पास कराने की सेटिंग के लिए 10,500 रुपए लिए गए। चेयरमैन सर ने कहा कि पैसा दे दी हो न, फिर क्यों परेशान हो। कुछ भी लिखकर आ जाना, एग्जाम में पास हो जाओगी। सब मैनेज है। मैं इसी वहम में रह गई। परीक्षा में फेल हो गई, पैसा भी गया। अब पैरेंट्स पूछ रहे हैं कि रिजल्ट क्या आया? उन्हें क्या मुंह दिखाऊंगी?" यह बताते-बताते बीएससी नर्सिंग की छात्रा नेहा कुमारी परेशान हो गई। उसके चेहरे पर चिंता साफ दिखाई दे रही थी। दो पल रुककर वह कहती है-

मैं पारा मेडिकल कॉलेज की छात्रा हूं। कोर्स के लिए किसी से 7.5 लाख, तो किसी से 8 लाख रुपए लिए गए। हर सेमेस्टर में पास कराने के लिए सेटिंग के नाम पर सभी छात्रों से 10,500 रुपए लिए गए। हर बार कहा गया कि सेंटर मैनेज है। दो बार का एग्जाम मैनेज था, इसलिए रिजल्ट ठीक आया। इस बार मैनेज नहीं हो पाया, तो रिजल्ट गड़बड़ हो गया।"

नेहा कुमारी अकेली नहीं हैं, जो बीएससी नर्सिंग की परीक्षा में फेल हुई हैं। ऐसे छात्रों की संख्या सैकड़ों में है। इन छात्रों ने 25 अगस्त को बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में जमकर हंगामा किया। इस दौरान तोड़फोड़ भी हुई। छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प में 8 से अधिक छात्र और 3 पुलिसकर्मी घायल हुए।

बिहार यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस की ओर से जारी नर्सिंग और बी. फार्मा के रिजल्ट को लेकर छात्रों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्रों के फेल होने के बाद पटना समेत 5 जिलों में प्रदर्शन हुए हैं। छात्रों ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की। पटना सदर एसडीओपी मनोज कुमार के अनुसार, हत्या के प्रयास, सरकारी काम में बाधा डालने और गैरकानूनी तरीके से मजमा लगाने के आरोप में 500 से अधिक अज्ञात छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

खराब रिजल्ट के चलते अब तक समस्तीपुर, वैशाली, सीवान, पटना और पूर्णिया में छात्रों ने प्रदर्शन किया है। पटना के फतुहा, दानापुर, पालीगंज और बहादुरपुर में भी छात्र आक्रोश जता चुके हैं। छात्रों का आरोप है कि रिजल्ट में गड़बड़ी हुई है।

खान सर-रौशन आनंद के हाथ में राखियों का वजन 5किलो

इतनी राखी बांधी की हाथ नहीं उठ रहा; रौशन आनंद के सेंटर पर 84 तरह की डिश बनी

पटना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पूरे देश की तरह बिहार में भी रक्षाबंधन बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के डायरेक्टर रौशन आनंद अपनी कोचिंग पर रक्षाबंधन मना रहे हैं। उनके हाथ में बंधी राखी का वजन करीब 5 किलो बताया जा रहा है। इतनी राखी बांधी गई है कि वो हाथ नहीं उठा पा रहे हैं। यहां छात्राओं के लिए 84 तरह की डिश बनवाई गई है। मिठाई में काजू कतली से लेकर गुलाबजामुन, रसगुल्ले तक का इंतजाम है। खाने में साउथ इंडियन से लेकर चाइनीज आइटम भी हैं। लिट्टी चोखे से लेकर सादा खाना खाने वालों के लिए भी व्यवस्था की गई है। इधर, खान सर पटना के एके मेमोरियल हॉल में राखी मना रहे हैं। उनके हाथ में राखियों का वजह 5 किलो से ज्यादा हो गया है। इतनी राखी बांधी गई है कि वो हाथ नहीं उठा पा रहे हैं। रक्षाबंधन पर बिहार की जेलों में बहनें भाइयों को सलाखों के बाहर से राखी बांध रही हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री आवास में बहनों से राखी बंधवाई। इस दौरान मुख्यमंत्री पीले रंग के कुर्ते और पिंक धोती में नजर आए।

एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त विमान का टायर फटा

दिल्ली से आए सभी 37 यात्री सुरक्षित; हादसे की वजह से प्रयागराज की फ्लाइट कैंसिल

बिलासपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर फट गया। शुक्रवार दोपहर अलायंस एयर की फ्लाइट 9I613 जब दिल्ली से बिलासपुर पहुंची तभी यह हादसा हुआ। विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई।

विमान में सवार सभी 37 यात्री और 4 क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। इसी फ्लाइट को बिलासपुर से प्रयागराज जाना था, लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने उसे कैंसिल कर दिया है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने जानकारी दी कि विमान के लेफ्ट (बाएं) साइड का टायर पंचर हुआ था।

जानकारी के मुताबिक, रनवे पर लैंडिंग के बाद विमान दौड़ रहा था, तभी टायर फटने की आवाज सुनकर यात्री दहशत में आ गए। हालांकि, पायलट ने स्थिति को संभालते हुए विमान को सुरक्षित रोक लिया। एयरपोर्ट पर मौजूद स्टाफ तुरंत एक्टिव हुआ और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

बेगूसराय में आरजेडी नेता के भाई की गोली मारकर हत्या

टीचर को 4 गोलियां मारीं; रक्षाबंधन पर परिवार के साथ राखी बंधवाने आए थे

रणधीर कुमार यादव, मृतक

बेगूसराय, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बेगूसराय में गुरुवार को राजद के जिला सचिव के भाई रणधीर कुमार यादव (50) की हत्या कर दी गई। रणधीर कुमार प्राइवेट टीचर थे। भागलपुर में पढ़ाते थे। 4 दिन पहले वे पत्नी और बेटी के साथ घर लौटे थे। रक्षाबंधन के बाद सोमवार को ड्यूटी पर लौटना था।

घर से किसी ने फोन कर ताश खेलने के लिए बुलाया। वे घर से निकले ही थे। थोड़ी दूर बगीचे में उन्हें 4 गोलियां मारी गई, मौके पर ही मौत हो गई। पेट में दो, सिर और छाती में एक-एक बुलेट दागी गई। गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े, लेकिन तब तक सभी बदमाश भाग निकले। घटना डंडारी थाना क्षेत्र स्थित राजोपुर गांव की है।

सूचना मिलते ही डंडारी थाना की पुलिस और बलिया डीएसपी पहुंचे। घटना की सूचना पर एसपी मनीष भी घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक जानकारी ली। एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। वहीं, पुलिस ने मौके पर से तीन खोखा बरामद किया है। मृतक के भाई रणवीर कुमार यादव राजद के जिला सचिव है। उन्होंने बताया कि मैं गांव से बेगूसराय के लिए निकला था। भाई को गांव में ही रहने बोला था। भाई रणधीर गाड़ी धो रहा था, इसी दौरान किसी ने फोन करके बुलाया और घर से थोड़ी दूर पर गोली मारी। मार्च में भी मेरी दुकान पर आकर बदमाशों ने गोली चलाई थी। रंगदारी टैक्स मांग रहा था।

एसपी मनीष ने बताया कि गोली लगने से मौत हुई है। परिजनों ने कुछ लोगों के नाम बताए हैं। पता चला है कि बगीचे में ताश खेलने के लिए बुलाया गया था। जिनके पास गए थे, वह सब फरार है। 1 साल पहले गांव में एक हत्या हुई थी, जिसमें रणधीर को नामजद किया गया था। बाद में जांच में निर्दोष पाए जाने पर उनका नाम केस से हटा दिया गया था। सभी पहलुओं पर जांच और कार्रवाई चल रही है।

एनटीए में केंद्र के तीन अफसरों की नियुक्ति

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में दो डायरेक्टर और एक जॉइंट डायरेक्टर नियुक्त किया है। ये आदेश 27 अगस्त को जारी किया गया था। जानकारी आज सामने आई है।

आईपीएस रवि कुमार सिंह और आईएएस अधिकारी प्रसन्ना वेंकटेश वी को डायरेक्टर बनाया गया है। 2016 बैच के आईआरएस अधिकारी अमित सामदारिया जॉइंट डायरेक्टर होंगे।

तीनों अधिकारियों को आदेश जारी होने की तारीख से तीन हफ्ते के भीतर पद संभालना होगा। आदेश में कहा गया है कि ऐसा नहीं करने पर सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम से डिबार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एनटीए में अफसरों के बदलाव की शुरुआत नीट पेपर लीक मामले के बाद से हुई। 25 जुलाई को नीट पेपर लीक मामले में एनटीए ने 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया था।

स्कूटी सवार दादा और दो पोतियों समेत 4 की मौत

रक्षाबंधन के लिए खरीदारी कर लौट रहे थे; तेज रफ्तार बाइक सामने से भिड़ी

रीवा, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रीवा के गुढ़ थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार बाइक और स्कूटी की जोरदार टक्कर में एक ही परिवार के दादा और उनकी दो पोतियों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। हादसा भैरव बाबा मोड़ के पास हुआ। स्कूटी पर 55 वर्षीय विंध्यवासिनी तिवारी उर्फ बबलू अपनी दो पोतियों शिवी (4) और शक्ति (5) के साथ सवार थे। हादसे में शिवी की मौके पर ही मौत हो गई। शक्ति और उनके दादा विंध्यवासिनी तिवारी गंभीर रूप से घायल हुए। दोनों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं बाइक सवार पंकज सिंह (22), निवासी मझौली, सीधी की भी इलाज के दौरान मौत हो गई।

चौड़ीयार निवासी दोनों बच्चियां रक्षाबंधन के लिए गुढ़ बाजार में खरीदारी करने आई थीं। बाजार से लौटते समय रास्ते में उन्हें उनके दादा मिल गए। इसके बाद दोनों बच्चियां दादा के साथ स्कूटी से घर लौटने लगीं। इसी दौरान भैरव बाबा मोड़ के पास सीधी की तरफ से रीवा की ओर जा रही तेज रफ्तार बाइक उनकी स्कूटी से सामने से भिड़ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी सवार दादा और दोनों बच्चियां सड़क पर जा गिरे।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। 4 साल की शिवी तिवारी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं 5 साल की शक्ति तिवारी और उनके दादा विंध्यवासिनी तिवारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरी ओर बाइक सवार पंकज सिंह की हालत भी गंभीर थी। इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

मुजफ्फरनगर में रिटायर्ड दरोगा के घर 2.5 करोड़ की चोरी

70 तोला सोना, डायमंड और 5 किलो चांदी की ज्वेलरी समेट ले गए चोर

मुजफ्फरनगर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में रिटायर्ड दरोगा के घर से चोरों ने करीब 2.5 करोड़ रुपए की सोने-चांदी और डायमंड की ज्वेलरी चुरा ली। चोरी के वक्त दरोगा का परिवार घर पर नहीं था। चोरों ने घर के मेन गेट का ताला तोड़ा। अंदर जाकर चार कमरों के ताले तोड़े और अलमारी व बक्सों में रखी ज्वेलरी पर हाथ साफ कर दिया। चोर नई नवेली दुल्हन के लिए लाया गया लहंगा और गाउन भी उठा ले गए। गुरुवार देर रात करीब 11 बजे की वारदात जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर बुढ़ाना क्षेत्र की है। रिटायर्ड दरोगा करीब 10 दिन पहले पत्नी के साथ अपने साले के घर शामली गए थे। शुक्रवार सुबह मेन गेट का ताला टूटा देखकर पड़ोसियों ने उन्हें कॉल कर सूचना दी। घर पहुंचने पर पता चला कि चोर सारी ज्वेलरी समेट ले गए हैं। नवंबर में उनके इकलौते बेटे की शादी होनी है, जिसके लिए बहू के गहने खरीदकर रखे थे। बुढ़ाना तहसील के पीछे रिटायर्ड दरोगा देशपाल चौधरी का मकान है। वह 2017 में शामली के झिंझाना थाने से यूपी पुलिस से रिटायर हुए थे। परिवार में पत्नी कुसुमलता, दो बेटियां नीतू और कामिनी और एक बेटा हेमंत है। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी कामिनी दिल्ली में एडवोकेट हैं, जबकि नीतू के पति एसओजी में तैनात हैं। बेटा हेमंत उत्तराखंड के रुड़की में नशा मुक्ति केंद्र चलाता है। हेमंत की नवंबर में रुड़की में ही शादी होने वाली है।

देशपाल चौधरी ने बताया कि वह पिछले 10 दिन से पत्नी के साथ शामली में अपने साले के घर गए हुए थे। मकान बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने रात में धावा बोला। चोरों ने पहले हथौड़े से मुख्य दरवाजा तोड़ा और फिर अंदर का दरवाजा कटर से काटकर घर में एंट्री की। इसके बाद चार कमरों के दरवाजों पर लगे ताले तोड़े। फिर अलमारियों और बक्सों के ताले तोड़कर बेटी की शादी के लिए खरीदे गए गहने चुरा लिए।

वर्दी मिलते ही बॉयफ्रेंड के साथ पत्नी फरार

पति बोला–2 .50 लाख खर्च कर पढ़ाया; अब कहती है तीनों में से किसी एक का मर्डर तय है

सासाराम, 28 अगस्त (एजेंसियां)। एक पति का आरोप है कि पुलिस की नौकरी लगते ही उसकी पत्नी प्रेमी के साथ भाग निकली। अजय सिंह का कहना है कि पत्नी को पुलिस बनने के लिए करीब 2.50 लाख खर्च किए। उसने जैसा कहा वैसा किया लेकिन अब वो मेरा घर छोड़कर अपने प्रेमी विवेक के साथ भाग गई है। पत्नी ने यह भी कहा है कि हम तीनों में से किसी एक का मर्डर तय है। अजय रोहतास के डालमियानगर थाना इलाके के रहने वाले हैं। अजय का कहना है कि मेरी और अर्चना की शादी 26 जनवरी 2025 को हुई थी। छह महीने तक मेरा वैवाहिक जीवन सामान्य रहा। इस दौरान मैंने अपनी पत्नी की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में पूरा सहयोग किया। उसके साथ सुबह दौड़ने जाता था, उसके लिए ट्रेनिंग किट खरीदी। उसकी बिहार पुलिस में नौकरी भी लग गई। नौकरी लगने के बाद उसकी पहली पोस्टिंग दरभंगा में हुई। वहां जाने के बाद वो थोड़ी बदल सी गई। एक बार जब वो घर आई तो मैंने उसके मोबाइन में विवेक नाम के लड़के के साथ चैटिंग देखी। मुझे शक हुआ। पता चला कि विवेक अर्चना के गांव का ही रहने वाला है। मैंने अर्चना को समझाया। इसके बाद अर्चना की पोस्टिंग बेगूसराय हो गई। वहां जाने के बाद उसने बातचीत करनी बंद कर दी।

अजय सिंह ने कहा कि अर्चना और विवेक के बीच शादी से पहले से ही प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसी सब परेशानी के बीच मेरा एक्सीडेंट हो गया। इसके बाद अर्चना को उसकी मां और जीजा समझाकर घर लेकर आए वो 6 महीने तक वो मेरे साथ रही। अजय ने बताया कि 3 जुलाई की सुबह अर्चना ने मुझे 6 बजे उठाया। 10 बजे तक मेरा भाई और मैं काम पर चले गए। बच्चे भी स्कूल चले गए। घर में सिर्फ भाभी और अर्चना थी। अर्चना ने अपनी भाभी से कहा कि वो उसके सिर में दर्द है वो दवा लेने जा रही है और वो अपने प्रेमी के साथ मेरे घर से भाग निकली। पति ने यह भी आरोप लगाया है कि पत्नी घर छोड़ते समय कुछ आभूषण और नगदी भी अपने साथ ले गई हैं। पति अजय ने बताया कि शादी के बाद अर्चना दो बार गर्भवती हुई थी, लेकिन किसी वजह से दोनों बार गर्भपात हो गया। वहीं पत्नी के घर से जाने के बाद अजय सिंह ने डालमियानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं महिला की मां भी बेटी की तलाश और मामले की जांच के लिए रोहतास एसपी के पास पहुंची है।

दुनिया भर में भारत का 'फ़ैब 4' मिशन!

चीन से रूस और अमेरिका से जापान तक पहुंचे 4 दिग्गज, क्या है मास्टरप्लान

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने लगभग एक ही समय में चार रणनीतिक और आर्थिक रूप से अहम साझेदारों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत किया है. इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की बीजिंग यात्रा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की कनाडा-अमेरिका यात्रा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का जापान दौरा शामिल है. इन सभी यात्राओं में सीमा प्रबंधन, ऊर्जा सुरक्षा, निवेश, टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग जैसे मुद्दे प्राथमिकता पर रहे हैं. इनका समय भी काफी अहम है. भारत 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आना तय है, जबकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी शामिल होने की उम्मीद है. चीन के साथ, अब सीमा विवाद पर बातचीत के साथ-साथ निवेश पर भी चर्चा हो रही है. रूस के साथ बातचीत में ऊर्जा, फर्टिलाइजर और बढ़ते व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दे शामिल हैं. जापान में, गोयल ने निवेश और मैन्युफैक्चरिंग में साझेदारी की कोशिश की, जबकि सीतारमण कनाडा में निवेशकों और फाइनेंशियल कंपनियों से मुलाकात कर रही हैं. इस समय दो ऐसे पहलू भारत के सुरक्षा संबंध और उसके आर्थिक हित भी एक साथ आ रहे हैं जिन्हें अक्सर अलग-अलग देखा जाता रहा है. आइए इस पर विस्तार से चर्चा करते हैं

चीन के साथ बॉर्डर और इंवेस्टमेंट पर चर्चा

डोभाल की 24-25 अगस्त की बीजिंग यात्रा भारत-चीन सीमा विवाद पर केंद्रित थी. स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव्स की बातचीत के 25वें दौर में, दोनों पक्ष सीमा के निर्धारण और मैनेजमेंट पर काम जारी रखने और बॉर्डर पर स्थितियों से निपटने के लिए डिप्लोमैटिक और मिलिट्री चैनलों का इस्तेमाल करने पर सहमत हुए. भारत और चीन पूर्वी और मध्य सेक्टर में मीटिंग पॉइंट्स और मिलिट्री हॉटलाइन जोड़ने पर भी सहमत हुए.भारत ने चीन को बॉर्डर पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व के बारे में भी बताया. दोनों पक्ष सीमा के मुद्दे के पॉलिटिकल समाधान की दिशा में प्रयास जारी रखने पर सहमत हुए. सुरक्षा पर बातचीत अब बिजनेस और इन्वेस्टमेंट पर बातचीत के साथ-साथ हो रही है. ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, बदले हुए नियमों के तहत चीन से जुड़ा 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा का इन्वेस्टमेंट पहले ही भारत में आ चुका है.ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और चीन बिजनेस-टू-बिजनेस एक्सचेंज और इन्वेस्टमेंट के लिए एक नए फ्रेमवर्क पर विचार कर रहे हैं. चर्चाओं में चीनी इन्वेस्टमेंट के फ्लो को तेज करने और नॉन-स्ट्रेटेजिक सेक्टर में इन्वेस्टमेंट के लिए मंजूरी के प्रोसेस को आसान बनाने के तरीके शामिल हैं. रिपोर्ट के अनुसार, शी की संभावित ब्रिक्स यात्रा के दौरान बीजिंग इन्वेस्टमेंट पैकेज की घोषणा भी कर सकता है. चर्चा के तहत प्रस्तावों में स्पेशल इकोनॉमिक जोन और एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन में इन्वेस्टमेंट शामिल है, लेकिन किसी भी कमिटमेंट की पुष्टि नहीं हुई है. चर्चा के तहत इन्वेस्टमेंट प्रस्तावों की भी सीमाएं हैं. रिपोर्ट के अनुसार, लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल और डिफेन्स से जुड़े प्रोजेक्ट्स सहित संवेदनशील क्षेत्र ऐसे इन्वेस्टमेंट के दायरे से बाहर हैं. भारत चीनी टेक्नोलॉजी और जरूरी रॉ मटीरियल तक ज्यादा एक्सेस भी चाहता है और ट्रेड डेफिसिट को कम करने में मदद के लिए भारत से ज्यादा चीनी इम्पोर्ट चाहता है.जयशंकर की 23-24 अगस्त की मॉस्को यात्रा ने एनर्जी सिक्योरिटी और ट्रेड, दोनों पर जोर दिया है. जयशंकर ने 27वीं भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में कहा कि भारत-रूस के बीच सामान का व्यापार पांच सालों में चार गुना बढ़ गया है – 2021-22 में लगभग 13 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2025-26 में लगभग 60 बिलियन डॉलर हो गया है. लेकिन रूस के साथ भारत का ट्रेड डेफिसिट (व्यापार घाटा) भी 6.6 बिलियन डॉलर से बढ़कर 50 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है.जयशंकर ने कहा था कि इस असंतुलन को ठीक करना आज हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है. भारत और रूस ने 2030 तक आपसी व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है. जयशंकर ने इस लक्ष्य को पाने की दिशा में काम करते हुए मार्केट तक बेहतर पहुंच और व्यापार की बाधाओं को दूर करने जैसे उपायों के बारे में बताया है.नई दिल्ली अब रूसी बाजार में भारतीय सामानों के लिए ज्यादा पहुंच चाहती है क्योंकि दोनों पक्ष 100 बिलियन डॉलर के टारगेट की दिशा में काम कर रहे हैं.

प्याज लेकर आखिरकार दिल्ली पहुंच गई कांदा एक्सप्रेस

एनसीआर में 35रुपए किलो होंगे दाम

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार की कोशिशों के तहत, राष्ट्रीय राजधानी और आस-पास के शहरों में सप्लाई बढ़ाने और कीमतों पर काबू पाने के लिए, महाराष्ट्र के नासिक से लगभग 453.65 टन प्याज लेकर पहली 'कांदा एक्सप्रेस' (एक खास रेलगाड़ी) शुक्रवार को दिल्ली पहुंची. उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि 21 वैगनों में 453.65 टन प्याज लेकर पहली कांदा एक्सप्रेस सुबह राष्ट्रीय राजधानी पहुंची. उन्होंने कहा कि नासिक में जमा किया गया यह प्याज दिल्ली-एनसीआर में 35 रुपए प्रति किलो की सब्सिडी वाली दर पर बेचा जाएगा. स्टॉक का कुछ हिस्सा चंडीगढ़, लुधियाना और जम्मू जैसे आस-पास के शहरों में भी भेजा जाएगा. केंद्र सरकार के पास अभी 'प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड' (कीमतों को स्थिर रखने वाला फंड) के तहत बफर स्टॉक के तौर पर लगभग 1.21 लाख टन प्याज मौजूद है.

कब सस्ती हो सकती है प्याज

खरे ने बताया कि शुक्रवार को चेन्नई जाने वाली कांदा एक्सप्रेस ट्रेन लोड की जाएगी, और इसके बाद मदुरै, एर्नाकुलम और गुवाहाटी के लिए एक के बाद एक ट्रेनें भेजी जाएंगी. उन्होंने कहा कि बफर स्टॉक जारी करने से एक हफ्ते के भीतर दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें कम होने की उम्मीद है. उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी में प्याज की खुदरा कीमतें गुरुवार को 88 प्रतिशत बढ़कर 62 रुपए प्रति किलो हो गईं, जो एक साल पहले 33 रुपए प्रति किलो थीं.उसी दिन पूरे देश में औसत खुदरा कीमत 46.58 रुपए प्रति किलो थी, जबकि थोक भाव 38.29 रुपए प्रति किलो था. कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, खरे ने कहा कि आने वाले महीनों में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए प्याज की उपलब्धता ठीक रहेगी. इसकी वजह 2025-26 में अनुमानित 307.37 लाख टन उत्पादन है, जो पिछले साल हुए 307.67 लाख टन उत्पादन के लगभग बराबर है.

14 रेक से 86 तक

बड़े पैमाने पर प्याज़ की ढुलाई में लॉजिस्टिक्स की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए 2024-25 में शुरू की गई 'कांदा एक्सप्रेस' पहल को काफी बढ़ाया गया है. 2024-25 में, लगभग 12,000 टन प्याज का बफर स्टॉक लेकर 14 रेलवे रैक पांच शहरों में भेजे गए थे. 2025-26 में, यह संख्या तेजी से बढ़कर 86 रैक हो गई, जिनसे देश भर के 16 बड़े शहरों में लगभग 88,000 टन प्याज पहुंचाया गया.

घर बैठे-बैठे ऐसे बंद कराएं क्रेडिट कार्ड

जानें क्या कहता है आरबीआई का नियम

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल करने की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय बैंक यानी कि भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, देश में एक्टिव क्रेडिट कार्ड यूजर्स की संख्या 120 मिलियन से अधिक हो गई है। वहीं, इनका मासिक कार्ड खर्च बढ़कर 2.02 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। इस बीच ऐसे कई लोग हैं, जिनके पास क्रेडिट कार्ड तो हैं, लेकिन वे कई दिनों या महीनों से उनका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। इनमें से कई ऐसे लोग होते हैं, जिन्हें क्रेडिट कार्ड को बंद कराना होता है। आइए इसके बारे में जानते हैं। हम यहां आरबीआई के कुछ ऐसे खास नियम को बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप घर बैठे-बैठे ही अपने क्रेडिट कार्ड को बंद करा सकते हैं।

जब आप अपना क्रेडिट कार्ड बंद कराने वाले होते हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान रखना होता है। सबसे पहले आप क्रेडिट कार्ड का कोई बकाया राशि नहीं रखें। अगर कुछ बकाया राशि है तो उसका भुगतान कर दें, नहीं तो आपका कार्ड बंद नहीं होता है। यदि कोई रिवॉर्ड प्वॉइंट्स मिले हैं तो उनका इस्तेमाल कर लें। वहीं, सभी ऑटो पेमेंट रद्द कर दें।

घर बैठे-बैठे बंद कराएं क्रेडिट कार्ड

आरबीआई के नियम और संबंधित बैंक की सुविधाओं के अनुसार, आप घर बैठे-बैठे ही क्रेडिट कार्ड को बंद करा सकते हैं। इसके लिए आप बैंक के कस्टमर केयर को फोन करके, बैंक ऐप के जरिए, नेट बैंकिंग के जरिए समेत अन्य माध्यमों से कार्ड को बंद करने के लिए अनुरोध कर सकते हैं। इसके लिए आपका नाम, पता, कार्ड नंबर के अंतिम चार अंक समेत अन्य जानकारियों की जरूरत होती है।

आपके अनुरोध के बाद संबंधित बैंक को 7 कार्य दिवस (वर्किंग डे) के अंदर क्रेडिट कार्ड को बंद करना होता है। जब आपका क्रेडिट कार्ड बंद हो जाता है तो आप इसे तिरछा काटकर कार्ड को नष्ट कर सकते हैं। कार्ड को इस तरह से काटे कि चुंबकीय पट्टी (काली पट्टी) अच्छे से कट जाए।

क्रेडिट कार्ड बंद कराने के अन्य तरीके

क्रेडिट कार्ड को बंद कराने के अन्य कई तरीके हैं। आप संबंधित बैंक को एक लिखित आवेदन देकर के अपने क्रेडिट कार्ड को बंद करने का अनुरोध कर सकते हैं। इसके लिए आपको संबंधित बैंक की शाखा में जाना होगा।

रक्षाबंधन पर शेयर बाजार में लौटी रौनक

दो दिन की गिरावट के बाद सेंसेक्स 331 अंक उछला, आईटी शेयरों भी चमके

मुंबई, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार ने सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को लगातार दो दिनों की गिरावट का सिलसिला तोड़ दिया। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और आईटी, फार्मा तथा मेटल शेयरों में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में बंद हुए। दो दिन की कमजोरी के बाद रक्षाबंधन पर बाजार की इस वापसी ने निवेशकों को कुछ राहत दी।

सेंसेक्स और निफ्टी में कितनी तेजी आई?

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 330.92 अंक यानी 0.43 प्रतिशत चढ़कर 77,264.51 पर बंद हुआ। इससे पहले यह 76,933.59 पर बंद हुआ था और शुक्रवार को 77,128.05 पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 424.38 अंक तक चढ़कर 77,357.97 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। हालांकि, एक समय यह 76,988.22 तक भी फिसला। एनएसई निफ्टी 50 भी 84.80 अंक यानी 0.35 प्रतिशत बढ़कर 24,175.65 पर बंद हुआ।

शुक्रवार की तेजी में आईटी शेयर सबसे आगे रहे। निफ्टी आईटी में 3.51 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज की गई। टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो निफ्टी 50 के प्रमुख बढ़ने वाले शेयरों में रहे। इसके अलावा निफ्टी मेटल, हेल्थकेयर, फार्मा, मीडिया और पीएसयू बैंक में भी तेजी रही। दूसरी ओर निफ्टी केमिकल्स, सीमेंट, एफएमसीजी, फाइनेंशियल सर्विसेज और ऑटो में गिरावट दर्ज की गई।

किन शेयरों में सबसे ज्यादा हलचल रही?

दिन के कारोबार में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो के शेयरों ने निवेशकों का ध्यान खींचा और ये प्रमुख बढ़ने वाले शेयर रहे। इसके उलट आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस, आईटीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.05 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.20 प्रतिशत की मामूली बढ़त रही। यानी तेजी केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रही, लेकिन व्यापक बाजार में इसकी रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही।

क्या बाजार की यह तेजी आगे भी टिकेगी?

बाजार में शुक्रवार की रिकवरी से राहत जरूर मिली, लेकिन आगे की राह पूरी तरह आसान नहीं मानी जा रही है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और जैक्सन होल में फेडरल रिजर्व के भाषण से पहले उसकी मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता बाजार पर दबाव डाल सकती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	सिंह	06-10 बजे
चंद्र	कुंभ	कन्या	07-22 बजे
मंगल	मिथुन	तुला	08-26 बजे
बुध	सिंह	वृश्चिक	11-37 बजे
गुरु	कर्क	धनु	13-52 बजे
शुक्र	कन्या	मकर	15-56 बजे
शनि	मीन	कुंभ	17-48 बजे
राहु	कुंभ	मीन	19-25 बजे
केतु	सिंह	मेष	21-01 बजे
		वृष	22-44 बजे
		मिथुन	00-48 बजे
		कर्क	03-04 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष शनिवार **29 August 2026**
तिथि - प्रतिपदा **09-57** तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद **03-42** रात्रि तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - सुकर्मा **06-36** तक धृति
करण - कौलव **09-48** तक उप तैतिल

विशेष: पंचक

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखायें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 09-10 से 10-43 तक

श्री पंचागुल्ति ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06-01 - 07-36 अशुभ	लाभ	18-42 - 19-58 शुभ
शुभ	07-36 - 09-10 शुभ	उत्पात	19-58 - 21-24 अशुभ
रोग।	09-10 - 10-43 अशुभ	शुभ	21-24 - 22-51 शुभ
उत्पात	10-43 - 12-17 अशुभ	अमृत	22-51 - 00-17 शुभ
चंचल	12-17 - 13-51 शुभ	चंचल	00-17 - 01-44 शुभ
लाभ	13-51 - 15-24 शुभ	रोग	01-44 - 03-10 अशुभ
अमृत	15-24 - 16-58 शुभ	काल	03-10 - 04-37 अशुभ
काल	16-58 - 18-42 अशुभ	लाभ	04-37 - 06-01 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे ।आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें । एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा । अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी । घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहें हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । स्थिति की मांग के अनुसार कार्य करें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है । जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे , वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे । वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें । आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है , जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए , न केवल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित बल्कि अपने सहकर्मियों का समर्थन हासिल करना भी बहुत आवश्यक है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञानं काफी मदद करेगा । आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे । आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चो की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

इंडिगो को छोड़कर सभी कंपनियां घाटे में

क्यों टेकऑफ नहीं कर पा रहा भारत का विमानन उद्योग?

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश के घरेलू विमानन बाजार में दो एयरलाइंस की 91% से अधिक हिस्सेदारी चिंतनीय है। प्रतिस्पर्धा कम होने से यात्रियों के विकल्प भी सीमित हो जाते हैं। जुलाई में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 67.4% हो गई। 24% हिस्सेदारी के साथ एयर इंडिया दूसरे स्थान, 5.5% के साथ अकासा एयर और 1.6% के साथ स्पाइसजेट क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रही। शेष 1.5% हिस्सेदारी छोटी विमानन कंपनियों की है। आज अधिकतर मार्गों पर सिर्फ इंडिगो या एयर इंडिया की उड़ानें हैं। ऐसे में उड़ान रद्द होने, समय बदलने या अचानक किराया बढ़ने पर यात्री के पास उसी कंपनी की शर्तें स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।

यात्रियों की परेशानी

हवाई यात्रियों के लिए समय पर उड़ान ही पर्याप्त नहीं है। उड़ान रद्द होने या देरी की समय पर सूचना, रिफंड, वैकल्पिक उड़ान, सामान की सुरक्षित डिलीवरी, कॉल सेंटर और व्यवधान के दौरान सम्मानजनक व्यवहार भी जरूरी हैं। अधिकांश यात्रियों को नियमों की जानकारी नहीं होती और शिकायतों के समाधान में भी समय लगता है।

मोनॉपली का खतरा

विमानन उद्योग में मनॉपली का खतरा पिछले साल दिसंबर में साफ दिखा। तब इंडिगो की तैयारियों में कमी और नियमों का ठीक से पालन न होने के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द और लेट हुईं। डीजीसीए ने इंडिगो पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया और 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने को कहा। इस संकट का दूसरी एयरलाइनों ने फायदा उठाया। इसके बाद सरकार ने हवाई किराये पर सीमा लगाने और निगरानी बढ़ाने के कदम उठाए।

देशव्यापी असर

इस संकट ने यह बता दिया कि अगर दो-तिहाई बाजार हिस्सेदारी वाली कोई विमानन कंपनी का परिचालन लड़खड़ाएगा, तो इसका असर देशव्यापी हो सकता है। हमारी सरकार असहाय नहीं है। वह सुरक्षा मानक लागू कर सकती है। लेकिन, कानून ही ऐसा है कि एयरलाइंस को बाजार की मांग, लागत, प्रतिस्पर्धा और बुकिंग के समय के आधार पर किराया तय करने की आजादी है।

रक्षाबंधन पर सोना सस्ता हुआ : दो दिन में दाम 3 हजार घटकर 1.58 लाख पर आया

चांदी आज 882 बढ़कर 2 .40 लाख किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन पर आज यानी 28 अगस्त को सोने की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 160 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। सोना 2 दिन में ही 3 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 882 रुपए बढ़कर 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.58 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

1 सितंबर से महंगाई का अटैक

अचानक 9 रुपए बढ़े दूध के दाम; कहां होंगे लागू?

नई दिल्ली।, 28 अगस्त (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन के शुरू होते ही आम आदमी पर महंगाई की मार बढ़ती ही जा रही है। खबर है कि अब 1 सितंबर से दूध के दामों में सीधे 9 रुपए की बढ़ोतरी की गई है, जिससे किचन का बजट अब बिगड़ने वाला है। तो आखिर अचानक कैसे बढ़े दूध के दाम और कहां-कहां लागू होंगे ये नए रेट, आइए विस्तार से जानते हैं।

महाराष्ट्र में एलान हुआ है कि 1 सितंबर से दूध 9 रुपए महंगा मिलेगा। हालांकि ये कोई अचानक से हुआ एलान नहीं, बल्कि इससे पहले 11 अगस्त 2026 से राज्य में दूध प्रोड्यूसर और प्रोसेसर्स की वेलफेयर एसोसिएशन ने गाय और भैंस, दोनों के दूध के दामों में 2 की बढ़ोतरी की थी। और ऐसे में अब फिर दूध में 9 की बढ़ोतरी का एलान हुआ है। मई 2026: अमूल और मदर डेयरी ने 14 मई 2026 को दूध के दाम 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए। इसके साथ ही राजस्थान की सरस, मध्य प्रदेश की सांची और महाराष्ट्र की गोकुल जैसी रीजनल डेयरियों ने भी अपने रेट बढ़ा दिए। जून की शुरुआत में केरल की मिल्मा ने दूध 4 रुपये प्रति लीटर तक महंगा कर दिया। अगस्त में शुरुआती बढ़ोतरी के बाद अब 1 सितंबर से महाराष्ट्र में 9 रुपये तक की भारी बढ़ोतरी लागू होने जा रही है।महंगाई के मोर्चे पर देखें तो फिलहाल आम आदमी की जेब पर कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

चालू वित्त वर्ष में दूध के दाम 4 से 5% तक और बढ़ सकते हैं। हालांकि कंपनियां एक साथ ये बढ़ोतरी नहीं करेंगी, लेकिन धीरे-धीरे दामों में इजाफा करती जाएंगी। वहीं अगर डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे कि घी, पनीर, दही और मक्खन की बात करें तो इनमें भी 5-6% का इजाफा हो सकता है।

टाटा संस की 18.4% हिस्सेदारी का होगा सौदा?

एसपी ग्रुप को मिल सकते हैं टाटा पावर के शेयर ; 3 विकल्पों पर विचार

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। टाटा संस के नए चेयरमैन की खोज के बीच एक बार फिर से टाटा ग्रुप और शापूरजी पलोनजी ग्रुप के बीच हिस्सेदारी को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। दरअसल, टाटा ग्रुप और एसपी ग्रुप के बीच लंबे समय से चल रही हिस्सेदारी की खींचतान अब किसी समाधान की ओर बढ़ती दिख रही है। दोनों पक्ष टाटा ग्रुप के सभी कंपनियों को मैजने करने वाली टाटा संस में एसपी ग्रुप की हिस्सेदारी को लेकर कई विकल्पों पर बातचीत कर रहे हैं।

टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों के बदले टाटा संस की हिस्सेदारी एसपी ग्रुप से खरीदी जा सकती है। यानी एसपी ग्रुप की टाटा संस में जो हिस्सेदारी है, उसके बदले उसे टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों में स्टेक दिया जा सकता है।रिपोर्ट्स के अनुसार शापूरजी पलोनजी ग्रुप के पास टाटा संस में करीब 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है। समूह इस हिस्सेदारी से पैसा जुटाकर अपने महंगे कर्ज को कम करना चाहता है। इसी को देखते हुए टाटा समूह के प्रतिनिधि और एसपी के बीच कई संभावित रास्तों पर चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार टाटा समूह और एसपी ग्रुप के बीच तीन विकल्पों पर बातचीत जारी है।

इनमें पहला विकल्प है कि टाटा संस में एसपी ग्रुप की हिस्सेदारी के बदले टाटा ग्रुप की कुछ लिस्टेड कंपनियों के शेयर दिए जाएं। दूसरा विकल्प है कि टाटा संस खुद एसपी की हिस्सेदारी खरीदे। इसके लिए विदेशी बैंकों से फंड जुटाने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। और तीसरा विकल्प है कि एसपी ग्रुप अपनी हिस्सेदारी किसी बाहरी निवेशक को बेच दे। इसके लिए किसी बड़े ग्लोबल निवेशक को प्राथमिकता दी जा सकती है।

इस स्थिति में एसपी ग्रुप को टाटा पावर में मिल सकता है स्टेक

अगर बातचीत के दौरान पहले विकल्प पर मुहर लगती है तो एसपी ग्रुप को टाटा संस की लिस्टेड कंपनियों में स्टेक मिल सकता है।इनमें टाटा पावर जैसी कंपनियों के शेयर शामिल होने की संभावना बताई जा रही है। इस व्यवस्था से एसपी ग्रुप को अपनी हिस्सेदारी की वैल्यू को सीधे नकदी में बदलने के बजाय शेयरों के जरिए लिक्विडिटी हासिल करने का मौका मिलेगा। हालांकि, अभी इस प्रस्ताव पर अंतिम सहमति नहीं बनी है।एसपी ग्रुप ने हाल ही में एक बड़ा प्राइवेट क्रेडिट ट्रांजैक्शन पूरा किया है। समूह के कर्ज में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय निवेशक शामिल हैं। इनमें सर्बेरस कैपिटल मैनेजमेंट, डेविडसन केम्पनर कैपिटल मैनेजमेंट और फैरालोन कैपिटल मैनेजमेंट जैसे नाम शामिल हैं। ऐसे में टाटा संस में मौजूद हिस्सेदारी एसपी के लिए बेहद महत्वपूर्ण संपत्ति है।

रक्षाबंधन और संस्कृत दिवस पर सीएम भजनलाल का संदेश

'यह पर्व बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के संकल्प का अवसर'

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन और संस्कृत दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रक्षाबंधन के मौके पर मुख्यमंत्री ने इसे भाई-बहन के अटूट स्नेह और विश्वास का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह पर्व राजस्थान और देश की समृद्ध संस्कृति एवं पारिवारिक मूल्यों का परिचायक है। वहीं, संस्कृत दिवस पर उन्होंने संस्कृत भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए नई पीढ़ी से इसके संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह और विश्वास का प्रतीक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 28 अगस्त को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति का भी परिचायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय परंपरा में रिश्तों का विशेष महत्व है। इन रिश्तों को केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि मन, कर्म और वचन से निभाया जाता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस पावन पर्व को आपसी प्रेम, विश्वास और भाईचारे की भावना के साथ मनाने की अपील की।

संस्कृत ने ज्ञान की समृद्ध परंपरा को सहेजा

मुख्यमंत्री ने संस्कृत दिवस, जो श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर मनाया जाता है, पर भी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीन भाषाओं में से एक होने के साथ ही अनेक भाषाओं की जननी भी है। संस्कृत ने धर्म और दर्शन के साथ-साथ चिकित्सा, योग, संगीत और साहित्य से जुड़े ज्ञान को भी सदियों से सहेजकर रखा है।

नई पीढ़ी से संस्कृत के संवर्धन का आह्वान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की नव पीढ़ी से संस्कृत भाषा के संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन और संस्कृत दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए दोनों पर्वों को भारतीय संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का अवसर बताया।

पुलिस पर फायरिंग कर एक साल से फरार 25 हजार का इनामी नशे की पार्टी में दबोचा

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस पर फायरिंग कर करीब एक साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने जयपुर में दबोच लिया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में ठिकाने बदलकर रह रहा था। पुलिस को उसकी लोकेशन एक नशे की पार्टी के दौरान मिली।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी संदीप राज शर्मा (31) दौसा जिले के आछीवास का रहने वाला है। उसके खिलाफ जयपुर और दौसा सहित अलग-अलग थानों में मारपीट, अपहरण, आपराधिक षड्यंत्र, आर्म्स एक्ट और फायरिंग समेत 11 मामले दर्ज हैं। जयपुर पुलिस आरोपी की तलाश में जून 2025 में नंदन विहार कॉलोनी स्थित एक किराए के मकान पर पहुंची थी। पुलिस के मुताबिक संदीप राज ने वहां अचानक देशी कट्टा निकालकर पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। गोली एक पुलिसकर्मी के हाथ को छूकर निकल गई। फायरिंग के बाद आरोपी हथियार लहराते हुए मकान से बाहर निकला और वहां खड़ी स्कॉर्पियो में बैठकर फरार हो गया।

सरपंच के अश्लील वीडियो बनाकर मांगे 50 लाख रुपए

इस्टाग्राम-व्हाट्सऐप से शुरू हुई थी चैटिंग, पिस्टल से फायर कर महिला बोली- चिल्लाया तो मार देंगे

बाड़मेर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बालोतरा में सरपंच (प्रशासक) के साथ मारपीट और वीडियो बनाकर हनीट्रेप में फंसाने का मामला सामने आया है। महिला और उसके साथियों ने 50 लाख रुपए की डिमांड की। 83 हजार रुपए कैश और 90 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। रिपोर्ट पर पुलिस ने महिला समेत दो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

इस्टाग्राम-व्हाट्सऐप पर हुई चैटिंग

सरपंच ने रिपोर्ट में लिखवाया- 9 अगस्त 2026 को महिला ने इस्टाग्राम पर मैसेज किया। इसके बाद सामान्य मैसेज का आदान-प्रदान हुआ। 15 अगस्त को महिला ने रात को फोन किया। सांचौर से वापस आने पर फोन करने का बोला। बार-बार फोन करने पर सरपंच ने गांव पहुंचने पर फोन किया। महिला उसके साथ गाड़ी में बैठ गई।

पैशाब करने जाने पर महिला ने बुलाए अपने सहयोगियों को

सरपंच ने पैशाब करने के लिए गाड़ी रोकी, इस दौरान प्रकाश पुत्र पूनमाराम, चिमन उर्फ भवानी पुत्र गिरधारीराम समेत दो अन्य आए। जबरदस्ती ड्राइवर सीट से खींचकर पीछे की सीट पर ले गए और मोबाइल छीन लिए। चेहरा कपड़े से बांध कर प्रकाश ने पिस्टल से फायर करते हुए कहा- चिल्लाया तो मार देंगे।

ले गए सुनसान जगह

महिला और उसके सहयोगी साथी जबरदस्ती सरपंच की गाडी से सुनसान जगह पर ले गए। आरोपियों ने 50 लाख रुपए मांगे, नहीं तो जान से मार देने की धमकी दी। रुपए देने से मना किया। सरपंच के कपड़े उतारकर वीडियो बनाया। बैल्ट और थापों-मुक्कों से मारपीट की।

सरपंच का चुनाव लड़ा तो वीडियो शेयर करने की दी धमकी

आरोपियों ने सरपंच से पूछा- सरपंच का चुनाव लड़ोगे या नहीं, अगर लड़ा तो यह वीडियो पर शेयर कर देंगे। डीजल खत्म होने पर आरोपियों से तेल मंगवाया। रिपोर्ट में बताया-आरोपियों ने सरपंच की गाड़ी में रखी बैंक ऑफ बड़ौदा की चैकबुक से एक चैक जबरदस्ती हस्ताक्षर करवाकर ले लिया। साथ ही जेब से 83 हजार रुपए कैश निकाल लिए। मोबाइल के जबदस्ती पासवर्ड लेकर फोन-पे से रुपए ट्रांसफर कर लिए।

आरोपी को सुनसान जगह छोड़कर भागें

आरोपियों ने सरपंच को धमकाया अगर घटना की जानकारी या रिपोर्ट दी तो जान से मार देंगे। सुनसान जगह पर सरपंच को सड़क किनारे छोड़ कर चले गए। सरपंच को वहां से गाड़ी ले जाने को कहा। सरपंच ने अपने मोबाइल नंबरों वाली सिम को बंद करवाई। फिर उसी नंबरों की नई सिम उठाई। 22 अगस्त से लगातार आरोपी प्रकाश फोन करके रुपए की मडिमंड कर रहा है। सरपंच ने जब बैंक से स्टेटमेंट निकाला तो उससे पता चला कि 16 अगस्त को फोन-पे नंबर से महिला ने चार 20-20 हजार रुपए कुल 80 हजार रुपए ट्रांसफर किए। वहीं ओमप्रकाश के फोन पे पर 10 हजार रुप ट्रासफर किए। सरपंच ने रिपोर्ट में बताया जान से मारने की धमकियां और लाज-लज्जा के कारण मामला दर्ज लेट करवाया।

पड़ोसी युवक निकले बुजुर्ग पति-पत्नी के हत्यारे

खून के धब्बे साफ कर बक्से में छुपाए थे शव; गहने-नकदी के साथ जूते-चप्पल तक ले गए

उदयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के पुनावली गांव में बुजुर्ग दंपती का मर्डर गांव के ही 3 युवकों ने अपने 3 साथियों के साथ मिलकर किया था। आरोपियों पर बहुत कर्जा हो गया था, जिसे चुकाने के लिए लूट का प्लान बनाया और रात को बुजुर्ग पति-पत्नी के घर में घुसकर हत्या कर दी। आरोपियों ने शवों को प्लास्टिक की थैली में लपेटकर बक्से से डाल दिया और ऊपर बिस्तर रख दिए। इसके बाद कमरे और बरामदे सहित घर में लगे खून के धब्बों की सफाई की और सोने-चांदी के गहने, नकदी लेकर फरार हो गए। आरोपी युवक बुजुर्ग दंपती के जूते-चप्पल भी साथ ले गए थे, ताकि सूना घर देखकर परिजनों-रिश्तेदारों को लगे कि दोनों घर छोड़कर कहीं चले गए हैं। पुलिस ने गुरुवार को ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 1 आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया- सायरा थाना इलाके में घर में सो रहे बुजुर्ग लहरीलाल (65) और उनकी पत्नी राधाबाई (62) की हत्या के आरोपी कुशल पालीवाल पुत्र मांगीलाल, किशन पुत्र देवीलाल पालीवाल और जीवन पुत्र भैरूलाल पालीवाल, चंदन पुत्र प्रवीण यादव और दिलीप पुत्र कनिकराम चौधरी को गिरफ्तार किया है।

3 आरोपी कुशल, किशन और जीवन पुनावली गांव के ही रहने वाले हैं, जबकि चंदन और दिलीप सूरत (गुजरात) के रहने वाले हैं। मुख्य आरोपी कुशल सूरत में प्रवीण और दिलीप के साथ रहता था। तीनों जिम ट्रेनर का काम करते थे। आरोपी अच्छी लाइफ स्टाइल जीने के शौकीन थे। इन्होंने लोगों से उधार और बैंक से लोन लिया हुआ था। एसपी ने कहा- आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि बढ़ते कर्ज और आर्थिक तंगी के चलते कुशल ने 1 महीने पहले हत्या और लूट की प्लानिंग कर ली थी। बुजुर्ग दंपती गांव में अकेले रहते थे, जबकि उनका बेटा परिवार के साथ अहमदाबाद (गुजरात) में रहता है। ऐसे में बुजुर्ग दंपती उसे सॉफ्ट टारगेट लगे। कुशल ने चचेरे भाई किशन और जीवन के साथ मिलकर बुजुर्ग दंपती का डेली रूटीन पता किया। 10 अगस्त की रात को लूट-हत्या के लिए कुशल और चंदन बुजुर्ग दंपती के घर गए। कुशल के पड़ोसी होने के कारण राधाबाई ने उसे घर में आसानी से प्रवेश दे दिया। भूख लगने पर दोनों को खाना भी खिलाया। इस दौरान आरोपियों ने बुजुर्ग दंपती को मारने की कोशिश की, लेकिन लोगों की आवाजाही होने से हत्या नहीं कर पाए।

सिरोही निकाय चुनाव में पहले दिन 17 नामांकन

आबूरोड में सबसे ज्यादा पर्चे; मंडार-पिंडवाड़ा में खाता नहीं खुला

सिरोही, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव-2026 को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। सिरोही जिले में नामांकन के पहले दिन कुल 17 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इनमें आबूरोड नगरपालिका में सबसे ज्यादा 7 उम्मीदवारों ने नामांकन जमा कराया, जबकि माउंटआबू में सबसे कम एक उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल किया।

वहीं मंडार और पिंडवाड़ा में पहले दिन एक भी नामांकन पत्र जमा नहीं हुआ। जिले में चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि नामांकन के पहले दिन गुरुवार को आबूरोड नगरपालिका के लिए 7 नामांकन पत्र, माउंटआबू नगरपालिका के लिए 1 नामांकन पत्र, शिवगंज नगरपालिका के लिए 5 नामांकन पत्र और सिरोही नगर परिषद के लिए 4 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए गए।

पुष्कर के होटल से 1.08 करोड़ की नकदी बरामद

नोटों की गिनती के लिए बैंक कर्मचारी बुलाए गए, होटल मालिक गिरफ्तार

पुष्कर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अजमेर के पुष्कर में एक होटल से 1.08 करोड़ की नकदी मिली है। काउंटिंग के लिए बैंककर्मियों को बुलाया गया। पुष्कर पुलिस चुनाव आचार संहिता के तहत होटल स्पैरो में चेकिंग करने पहुंची तो होटल मालिक के कमरे में बेड पर थैली में रुपए रखे हुए थे। पुलिस ने 1.08 करोड़ रुपए जब्त कर होटल मालिक बंकेश सेन को गिरफ्तार कर लिया। मामला एसडीएम ऑफिस के सामने स्थित होटल स्पैरो का गुरुवार दोपहर 3:30 बजे का है। पुलिस ने करीब तीन घंटे तक सर्च अभियान चलाया। वहीं होटल मालिक बंकेश सेन से का कहना है कि उन्होंने पुष्कर के बाहर किसी जमीन का सौदा किया था, ये नकदी वहां से आई थी।

एसडीएम ऑफिस के सामने होटल पर की चेकिंग

एसएचओ अशोक बिशु ने बताया- एसडीएम ऑफिस के सामने स्थित होटल स्पैरो में गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे चेकिंग की गई। होटल में बेसमेंट और दो फ्लोर है, जिनमें 7 कमरे बने हुए है। बेसमेंट में दो कमरे हैं, जहां होटल मालिक और उसका परिवार रहता है। एसएचओ ने बताया- गुरुवार को होटल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया, इस दौरान सीओ ग्रामीण सत्येंद्र नेगी भी पुलिस जाप्ते के मौजूद थे। पुलिस टीम ने होटल के अलग-अलग हिस्सों की जांच की। तलाशी के दौरान होटल मालिक बंकेश सेन के कमरे में बेड पर थैली में पैक नकदी बरामद की गई। नोटों की संख्या ज्यादा होने के चलते काउंटिंग के लिए बैंककर्मियों को बुलाया गया। बैंककर्मियों की मौजूदगी में नोट गिने गए, जिसमें कुल राशि एक करोड़ 8 लाख 79 हजार रुपए निकली। आरोपी से पूछा जा रहा है कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई, इसका वास्तविक मालिक कौन है और पैसा कहां पहुंचाया जाना था ? पुलिस नकदी से संबंधित दस्तावेजों और संभावित लेनदेन की जानकारी भी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार बरामद राशि को विधिवत जब्त कर मामले की सूचना आयकर विभाग को दे दी है। पुलिस इस पहलू की भी जांच करेगी कि बरामद नकदी का नगर निकाय चुनाव अथवा किसी प्रत्याशी या राजनीतिक गतिविधि से किसी प्रकार का संबंध है या नहीं।

बारिश के पानी से भरे निर्माणाधीन मकान के गड्ढे में डूबे दो मासूम भाई-बहन

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र में बारिश के पानी से भरे निर्माणाधीन मकान के गहरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम भाई-बहन की मौत हो गई। हादसे में 11 वर्षीय आलिया और उसके 7 वर्षीय छोटे भाई मोहम्मद अयान ने जान गंवा दी। घटना मानपुर सड़वा इलाके की रसीद विहार कॉलोनी की है। यहां मकान निर्माण के लिए जेसीबी से नींव और पिल्लर के लिए गहरा गड्ढा खोदा गया था। बुधवार को हुई तेज बारिश के बाद इसमें करीब 4 से 5 फीट पानी भर गया था। पुलिस के अनुसार, दोनों बच्चे घर के पास खेल रहे थे।

खेलते-खेलते वे पानी से भरे गड्ढे में गिर गए। कुछ देर तक बच्चों के दिखाई नहीं देने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। करीब 40-50 मिनट बाद गड्ढे में बच्चों की चप्पलें तैरती दिखाई दीं, जिसके बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने पानी में उनकी तलाश की। दोनों बच्चों को बाहर निकालकर स्थानीय लोगों और परिजनों ने सीपीआर देने की कोशिश की। इसके बाद उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

राजस्थान में स्वाइन फ्लू का बढ़ा खतरा

जनवरी से अब तक 146 मामले मिले; अगस्त में सबसे ज्यादा 55 केस

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। देश के कुछ हिस्सों, खासकर दिल्ली में एच1एन1 स्वाइन फ्लू के मामलों में बढ़ोतरी के बीच राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में जनवरी 2026 से अब तक स्वाइन फ्लू के 146 पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं। इनमें अकेले अगस्त महीने में 55 मामले मिले हैं, जो इस साल किसी एक महीने में सामने आए मामलों की सबसे ज्यादा संख्या है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी मेडिकल संस्थानों को मरीजों की स्क्रीनिंग, इलाज और जरूरत पड़ने पर रेफरल की व्यवस्था पूरी तरह तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

अगस्त में सामने आए सबसे ज्यादा 55 मामले

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खिंवसर ने गुरुवार को बताया कि जनवरी 2026 से अब तक राजस्थान में इन्फ्लूएंजा एच1एन1 के 146 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने मेडिकल संस्थानों को मरीजों की स्क्रीनिंग, उपचार और रेफरल के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि जनवरी से अगस्त 2026 के बीच राज्य में स्वाइन फ्लू के कुल 146 मामले सामने आए। महीनेवार आंकड़ों के अनुसार जनवरी में 2, फरवरी में 3, मार्च में 20, अप्रैल में 22, मई में 25, जून में 14, जुलाई में 5 और अगस्त में 55 मामले सामने आए। इन आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में स्वाइन फ्लू के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं।

एच1N1 का कोई नया या ज्यादा खतरनाक स्ट्रेन नहीं मिला

गायत्री राठौड़ ने स्पष्ट किया कि राजस्थान में फिलहाल एच1एन1 वायरस का कोई नया या अधिक खतरनाक स्ट्रेन नहीं मिला है। उन्होंने आईसीएमआर की जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान में जो वायरस फैल रहा है, वह वही स्ट्रेन है जो पहले भी सामने आता रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वाइन फ्लू को लेकर घबराएं नहीं, बल्कि सावधानी बरतें। किसी तरह के लक्षण दिखाई देने पर समय पर डॉक्टर की सलाह लेने की जरूरत है।

बुखार से लेकर थकान तक ये हैं स्वाइन फ्लू के लक्षण

स्वाइन फ्लू सांस से जुड़ी बीमारी है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या नाक बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं। ज्यादातर मरीज उचित देखभाल और डॉक्टर की सलाह के बाद ठीक हो जाते हैं। हालांकि, छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों में स्वाइन फ्लू के कारण जटिलताओं का खतरा अधिक हो सकता है। ऐसे लोगों को लक्षण दिखाई देने पर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

खांसते और छींकते समय इन बातों का रखें ध्यान

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रूमाल, टिश्यू या कोहनी से ढकें। हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं या जरूरत के अनुसार हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। जिन लोगों को बुखार, खांसी या गले में खराश है, उन्हें भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए। जरूरत पड़ने पर मास्क पहनने की भी सलाह दी गई है। इसके साथ ही पर्याप्त आराम करने और शरीर में पानी की कमी न होने देने के लिए पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेने को कहा गया है।

सांस लेने में परेशानी हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें

स्वास्थ्य विभाग ने गंभीर लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी है। अगर किसी व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ, लगातार तेज बुखार, बहुत ज्यादा कमजोरी, ऑक्सीजन का स्तर कम होने या अन्य गंभीर लक्षण महसूस होते हैं तो उसे तुरंत डॉक्टर या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करना चाहिए।

बिना डॉक्टर की सलाह के दवा न लें

प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने लोगों को सेल्फ-मेडिकेशन से बचने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक या एंटीवायरल दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए। किसी भी दवा को लेने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। उन्होंने लोगों से यह भी अपील की कि संक्रमित लोगों के बहुत करीब जाने से बचें। बीमारी के लक्षण होने पर स्कूल, ऑफिस, सामाजिक समारोहों या अन्य भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना चाहिए, ताकि संक्रमण को दूसरे लोगों तक फैलने से रोका जा सके।

शाकिर देशवाली मर्डर केस का पर्दाफाश

जंगल में छिपे 2 मुख्य आरोपी गिरफ्तार, भागते वक्त खाई में गिरे

जयपुर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी के विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में हुए चर्चित शाकिर देशवाली हत्याकांड में फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों को पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस ने हत्या की मुख्य वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी रफीक शाह उर्फ बकरी चोर और मोहम्मद हारून उर्फ भूरिया को रात के समय जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाकर गिरफ्तार किया। भागने के प्रयास में दोनों आरोपी गहरी खाई में गिरकर घायल हो गए, जिन्हें कांवटिया अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराने के बाद पुलिस ने रिमांड पर लिया। गुरुवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों की घटनास्थल पर मौका परेड भी करवाई।

समझौते के बहाने बुलाकर चाकुओं से गोदा, भाई की हुई मौत विवाद की पृष्ठभूमिः विद्याधर नगर थानाधिकारी सज्जन सिंह के अनुसार, परिवादी कय्यूम और रफीक उर्फ बकरी चोर के बीच शास्त्री नगर में पानी की टंकी के पास पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। हमला और हत्याः 24 अगस्त को कय्यूम को समझौते के बहाने बुलाया गया। वहां विवाद बढ़ने पर कय्यूम ने अपने भाई शाकिर को मौके पर बुला लिया। शाकिर के पहुंचते ही रफीक उर्फ बकरी चोर ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जबकि हारून ने कय्यूम पर चाकू से वार किए। शाकिर को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

रात में जंगल को घेरा, खाई में गिरकर लंगड़ाए बदमाश

सर्च ऑपरेशनः तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी पापड़ हनुमानजी मंदिर के पीछे जंगलों में छिपे हुए हैं। पुलिस ने देर रात पूरे जंगल को चारों तरफ से घेर लिया। खाई में गिरे आरोपीः खुद को घिरता देख आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन अंधेरे में वे गहरी खाई में गिर पड़े जिससे उनके पैरों में गंभीर चोटें आईं। मौका परेडः अस्पताल में इलाज के बाद पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया और गुरुवार को घटनास्थल पर मौका परेड कराई, जहां दोनों बदमाश लंगड़ाते हुए चलते नजर आए।

पूर्व में 3 गिरफ्तारियांः पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और इनपुट के आधार पर 25 अगस्त को साजिश में शामिल मोहम्मद फरीद उर्फ फदु चाचा, शाहरुख और दिलशाद उर्फ ढिल्लू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

'वैश्विक शहर' के नाम पर हैदराबाद को बना दिया 'त्रासदी का शहर' : रामचंदर राव

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि 'वैश्विक शहर' बनाने के नाम पर हैदराबाद को 'त्रासदी का शहर' बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि शहर में बुनियादी ढांचे की कमी, खराब सड़कों और चरमराई जल निकासी व्यवस्था के कारण ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की सीमा में रहने वाले लोगों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तारनाका मंडल में माडला राधाकृष्ण के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कई शिक्षित लोगों और स्थानीय प्रमुख व्यक्तियों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के अवसर पर रामचंदर राव ने उन्हें पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने नए सदस्यों को भगवा दुपट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल कराया। रामचंदर राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सुशासन, विकास और कल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर शिक्षित नागरिक, बुद्धिजीवी और आम लोग बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व भारत राष्ट्र समिति और वर्तमान कांग्रेस सरकारों ने हैदराबाद को 'वैश्विक शहर' बनाने के बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन दोनों सरकारों ने मिलकर महानगर को 'त्रासदी का शहर' बना दिया। उन्होंने कहा कि पिछली और वर्तमान सरकारों की लापरवाही के कारण भाग्यनगर (हैदराबाद) का विकास पूरी तरह बाधित हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शहर की जनता को विश्वास है कि हैदराबाद का वास्तविक विकास केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। उन्होंने आगामी तीन नगर निगम चुनावों में भाजपा की भारी जीत का विश्वास जताया। रामचंदर राव ने कहा कि यदि इन तीनों नगर निगमों में भाजपा सत्ता में आती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता तक सीधे और पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचेगा। कार्यक्रम में माडला राधाकृष्ण के साथ स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

तेलंगाना कर्ज की सुनामी में डूब रहा है : डॉ. दासोजू श्रवण

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और एमएलसी डॉ. दासोजू श्रवण ने शुक्रवार को तेलंगाना सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य की वित्तीय स्थिति गंभीर संकट में है और उन्होंने राजकोष की स्थिति पर एक व्यापक श्वेत पत्र की मांग की। सीएजी के अप्रैल-जुलाई 2026 के खातों का हवाला देते हुए, श्रवण ने दावा किया कि 6,857.76 करोड़ रुपये का बजटीय राजस्व अधिशेष चार महीनों के भीतर 19,266.83 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे में बदल गया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना पहले ही 33,729.98 करोड़ रुपये उधार ले चुका है, जो उसकी वार्षिक शुद्ध उधार सीमा 58,458.71 करोड़ रुपये का 57.7 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान ब्याज भुगतान 10,532.36 करोड़ रुपये रहा। श्रवण ने राजस्व जुटाने में खराब प्रदर्शन पर भी चिंता जताई। उन्होंने गैर-कर राजस्व, अनुदान, उत्पाद शुल्क राजस्व, केंद्र शासित प्रदेशों के करों में राज्य की हिस्सेदारी, डाक टिकट और पंजीकरण तथा जीएसटी संग्रह में कमियों का हवाला दिया।

'रेट आगदु, डिमांड थग्गादु' थीम वाले क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो 2026 का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रेट आगदु, डिमांड थग्गादु' (कीमतें नहीं रुकेंगी, मांग कम नहीं होगी) थीम वाली सबसे भरोसेमंद प्रॉपर्टी प्रदर्शनी, क्रेडाई हैदराबाद प्रॉपर्टी शो 2026 का उद्घाटन हैदराबाद के हाईटेक्स एग्ज़िबिशन सेंटर में किया गया। यह तीन-दिवसीय प्रॉपर्टी प्रदर्शनी 30 अगस्त तक चलेगी। इस प्रॉपर्टी शो में 60 से ज़्यादा डेवलपर्स एक ही छत के नीचे 300 से ज़्यादा रेरा-मंज़ूर प्रोजेक्ट्स पेश कर रहे हैं। इससे घर खरीदारों को शहर के बेहतरीन रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स की तुलना करने और अपने सपनों का घर चुनने का मौका मिलता है। इसका उद्घाटन तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव, आईएएस संजय जाजू और भोंगिर के विधायक के. अनिल कुमार रेड्डी ने गेस्ट ऑफ़ ऑनर के तौर पर किया इस मौके पर क्रेडाई हैदराबाद की लीडरशिप टीम, डेवलपर्स, वित्तीय संस्थान और अन्य स्टेकहोल्डर्स भी मौजूद थे।

'रेट आगदु, डिमांड थग्गादु'※ थीम को और मज़बूत करने के लिए, क्रेडाई हैदराबाद ने रियल एस्टेट एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म सीआरई मारटिक्स के साथ मिलकर हैदराबाद रियल एस्टेट की सप्लाई, बिक्री की रफ़्तार, कॉन्फ़िगरेशन और ज़ोनल मार्केट की जानकारी पर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की। शो में इंडस्ट्री के जानकारों और नीति-निर्माताओं के साथ एक पैनल चर्चा भी होगी, जिसमें हैदराबाद रियल एस्टेट पर बड़े टिकट वाले ज़मीन की नीलामी और जीसीसी (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स) के आने के असर का विश्लेषण किया जाएगा। साथ ही, मैजिक ब्रिक्स द्वारा हैदराबाद में खरीदारों के व्यवहार के ट्रेंड्स पर एक रिपोर्ट भी जारी की जाएगी। तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव, आईएएस संजय जाजू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा हैदराबाद के बिज़नेस माहौल में तेज़ विकास और गति देखी जा रही है, जिससे

शहर और तेलंगाना में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। रियल एस्टेट और प्रॉपर्टी डेवलपमेंट हमारे आर्थिक विकास का एक अहम और अभिन्न हिस्सा हैं, यह इंडस्ट्री शहर और राज्य में और ज़्यादा निवेश लाने में अपना योगदान देती रहेगी। सरकार ऐसा माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो रियल एस्टेट के अच्छे, भरोसेमंद और पारदर्शी विकास को बढ़ावा दे। हम मिलकर काम करते रहेंगे ताकि यह सेक्टर हैदराबाद और तेलंगाना के लिए विकास का एक मज़बूत इंजन बना रहे और 'तेलंगाना 2047' के विज़न को साकार करने में योगदान दे सके।

क्रेडाई के प्रेसिडेंट एन. जयदीप रेड्डी ने कहा एक साल में सरकार और रियल एस्टेट इंडस्ट्री के बीच खुली और सकारात्मक बातचीत बहुत उत्साहजनक रही है।

खासकर बिल्डिंग परमिट के लिए 10% मॉर्गेज (गिरवी रखने) की शर्त को हटाना-क्योंकि अब रेरा लागू हो चुका है या कम से कम इसे घटाकर 5% करना, ताकि बिल्डरों के लिए पूंजी उपलब्ध हो सके। पहला मुद्दा 10% बिल्डिंग-परमिट मॉर्गेज और मॉर्गेज वाले हिस्सों, खासकर नाला से जुड़े हिस्से को रिलीज़ करने का है। पुरानी मंज़ूरियों के लिए 5% रिलीज़ करने और बाकी 5% को रोके रखने के बारे में पहले ही पॉलिसी निर्देश आ चुके हैं, और हम इसके अमल को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। दूसरा मुद्दा नाला से जुड़ा है, जिसमें डेवलपर्स को बिल्डिंग मंज़ूरी की प्रक्रिया के साथ ही लागू नाला फीस चुकाने की सुविधा मिल सके। हमारी थीम, 'रेट आगधु. डिमांड थग्गदु' इसी भरोसे और हैदराबाद के रियल एस्टेट मार्केट की लगातार मज़बूती को दर्शाती है।

प्रेसिडेंट-इलेक्ट, बी. जगन्नाथ राव ने कहा, हैदराबाद का रियल एस्टेट मार्केट मज़बूती, अच्छी बिक्री और खरीदारों का लगातार भरोसा दिखा रहा है। सीवाय26 की पहली छमाही (H1) में 26,100 से ज़्यादा घर बिके, जिनमें लगभग 60 मिलियन स्क्वेयर फ़ीट का सुपर बिल्ट-अप एरिया शामिल है; इस तरह कुल बिके एरिया के मामले में यह शहर भारत का लीडिंग मार्केट बन गया है।

बड़े घरों की पसंद (औसत यूनिट साइज़ लगभग 2,300 स्क्वेयर फ़ीट) और औसत टिकट साइज़ में सालाना 10% की बढ़ोतरी (जो अब 2.03 करोड़ रुपये हो गया है) मार्केट की मज़बूती और परिपक्वता को और दिखाती है। इस रेजिडेंशियल ग्रोथ को मज़बूत कमर्शियल आधार का भी सपोर्ट मिल रहा है; हैदराबाद में ऑफिस स्पेस का विस्तार और लीज़िंग गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आने वाले सालों में रोज़गार और घरों की मांग बनी रहेगी।

तेलंगाना 'कड़ाही से निकलकर आग में कूद गया' : ईटेला

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि से भाजपा सांसद ईटेला राजेंदर ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसका प्रशासन पिछली बीआरएस सरकार से अलग नहीं है। तेलंगाना सचिवालय में मुख्य सचिव संजय जाजू से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए राजेंद्र ने कहा कि सरकार बदलने के बाद लोगों को ऐसा लग रहा है जैसे वे 'कढ़ाई से निकलकर आग में कूद गए हों'।

उन्होंने केंद्र द्वारा लाभार्थियों को पांच किलो उत्तम चावल उपलब्ध कराए जाने के बावजूद चावल वितरण बैगों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर न लगाने के कांग्रेस सरकार के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राज्य को अपनी निजी जागीर समझते हुए अपनी ही तस्वीरों का प्रचार कर रहे हैं। भाजपा सांसद ने भारत में धार्मिक अशांति को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विदेश में की गई टिप्पणियों की भी आलोचना की और कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान लुम्बिनी पार्क और गोकुल चाट में हुए बम विस्फोटों को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में तेलंगाना को सड़क और रेलवे परियोजनाओं के लिए केंद्र से पर्याप्त समर्थन मिला था और उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पर केंद्र को अनावश्यक रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद ने 'इंदिरम्मा समितियों' के गठन का भी विरोध किया और आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के नेताओं को इन समितियों में जगह दी जा रही है।

यादव समाज के आत्मसम्मान की रक्षा हो : डॉ. चरण कौशिक सदर उत्सव को 612 मंडल केंद्रों तक विस्तार देने की मांग

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यादव समाज के आत्मसम्मान और सांस्कृतिक विकास के लिए तेलंगाना पशुधन विकास संस्था के अध्यक्ष डॉ. सिंगम चरण कौशिक यादव ने गुरुवार को मंत्री पोन्नम प्रभाकर को विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि यादव समाज की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को बनाए रखने के लिए सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई कि तेलंगाना की संस्कृति के प्रतीक 'सदर उत्सव' को राज्य के सभी 612 मंडल केंद्रों तक विस्तार दिया जाए और प्रत्येक मंडल के लिए एक लाख रुपये की धनराशि आवंटित की जाए। इसके अलावा हैदराबाद के टैंकबंड क्षेत्र में 'यादव सामुदायिक क्लब' की स्थापना के लिए दो एकड़ हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की भूमि पट्टे पर उपलब्ध कराने की मांग की गई। डॉ. चरण कौशिक यादव ने पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती संगम लक्ष्मीबाई यादव की जयंती और पुण्यतिथि को सरकारी आधिकारिक समारोह के रूप में आयोजित करने की मांग भी रखी। साथ ही सैदाबाद फ्लाईओवर का नाम संगम लक्ष्मीबाई यादव के नाम पर रखने तथा आईएस सदन जंक्शन पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ये मांगें यादव समाज के आत्मसम्मान, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक विकास से जुड़ी हैं। मंत्री पोनम प्रभाकर ने ज्ञापन में उठाई गई मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

कृषि यंत्रीकरण में तेजी लाएं, किसानों को सीधे मिले सब्सिडी : तुम्मला

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने शुक्रवार को अधिकारियों को कृषि यंत्रीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा सब्सिडी की राशि पारदर्शी तरीके से सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना में यूरिया की कोई कमी नहीं है। राज्य सचिवालय में कृषि एवं सहकारिता विभाग की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि यंत्रीकरण योजना के तहत कृषि उपकरणों को अंतिम रूप दे दिया गया है और किसानों की आवश्यकताओं के अनुसार उनका वितरण किया जाना चाहिए। उन्होंने गुणवत्ता, कीमत और उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए आपूर्तिकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि बिचौलियों की भूमिका समाप्त करने के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे यंत्रीकरण की सब्सिडी सीधे पात्र किसानों तक पहुंचे। उर्वरकों की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान तुम्मला ने बताया कि राज्य में 2.79 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 0.33 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 2.25 लाख मीट्रिक टन मिश्रित उर्वरक, 0.31 लाख मीट्रिक टन एमओपी और 0.20 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का भंडार उपलब्ध है। अगस्त के लिए आवंटित 1.50 लाख मीट्रिक टन यूरिया के मुकाबले राज्य ने 1.17 लाख मीट्रिक टन यूरिया की खरीद की है। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र के उर्वरक आवेदन में मैपिंग और अन्य तकनीकी समस्याओं का जिलाधिकारियों तथा कृषि अधिकारियों के समन्वय से तत्काल समाधान करने को कहा। किसानों को ऑनलाइन बुकिंग, उर्वरक की उपलब्धता और खरीद प्रक्रिया की जानकारी देने पर भी जोर दिया। बैठक में तेल ताड़ के विस्तार तथा किसान वेदिकाओं पर सौर पैनल लगाने की योजना की भी समीक्षा की गई।

श्री कन्नन ने ईसीआईएल में डायरेक्टर (पर्सनल) का पद संभाला

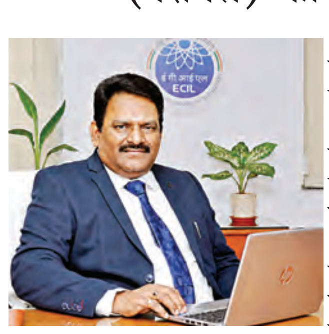

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वीएएस. कन्नन ने ईसीआईएल में डायरेक्टर (पर्सनेल) का पद संभाला। वे ह्यूमन रिसोर्स और इंडस्ट्रियल रिलेशंस के अनुभवी प्रोफेशनल हैं। उन्हें लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों,नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड और इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में काम करने का लंबा अनुभव है। उन्होंने पीएसजी इंस्टीट्यूशंस से पर्सनेल मैनेजमेंट और इंडस्ट्रियल रिलेशंस में मास्टर डिग्री और लॉ की डिग्री हासिल की है, जिससे उन्हें ह्यूमन रिसोर्स, इंडस्ट्रियल रिलेशंस और लेबर लॉ में मजबूत एकेडमिक आधार मिला है।

श्री कन्नन ने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत एलआईसी से की थी। एनएलसी में अपने 13 साल के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने खदानों, फैक्ट्रियों और कॉर्पोरेट ऑफिस में एचआर और इंडस्ट्रियल रिलेशंस के काम संभाले। वे ट्रेड यूनियन और एसोसिएशन के मामलों,इंडस्ट्रियल विवादों को सुलझाने और संगठन में पहली बार सीक्रेट बैलेट चुनाव कराने जैसे कामों से गहराई से जुड़े रहे; इस चुनाव में कई एसबीयू में फैले लगभग 12,000 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया था।

इसके बाद वे इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने सीनियर एचआर पदों पर काम किया और कई तरह के स्ट्रैटेजिक और ऑपरेशनल कामों से जुड़े रहे। उनकी जिम्मेदारियों में रिक्रूटमेंट, मैनपावर प्लानिंग, एचआर पॉलिसी और नियमों को बनाना,इंडस्ट्रियल रिलेशंस और एचआर एडमिनिस्ट्रेशन शामिल थे।

ब्रह्माकुमारीज के साथ रक्षाबंधन मनाया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने ब्रह्माकुमारी बहनों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर, तुलजागुडा (जामबाग डिवीज़न) में बहनों ने उन्हें पवित्र राखी बांधी, जो प्यार, स्नेह, भरोसे और सुरक्षा के अटूट बंधन का प्रतीक है।

उनका आशीर्वाद लेते हुए और इस खूबसूरत रिश्ते को हमेशा संजोते हुए गायत्री दीदी, हेमलता दीदी, जितेंद्र अग्रवाल, राजेश अग्रवाल और जामबाग डिवीज़न के लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट की मीटिंग आयोजित

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अलमासगुड़ा के पदाधिकारीयो एवं कार्यकारिणी मेम्बरो की मीटिंग गुरुवार 27 अगस्त को रखी गयी। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने बताया कि आगामी भादवा सुदी बीज महोत्सव को भव्यरुप से मनाने का निर्णय लिया गया। रविवार 30 अगस्त को नयी कार्यकारिणी गठन के लिए चुनाव का आयोजन किया जाएगा। चुनाव में सभी की उपस्थिति अनिवार्य है। मीटिंग में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा,सचिव पुखराज सोयल, गोविंदराम पंवार, चुनाव अधिकारी चौथाराम पंवार,मगाराम परिहार, वेनाराम वरपा, हंसाराम आगलेचा उपस्थित रहे।

एआई से शिक्षा को अधिक शिक्षार्थी-अनुकूल बनाया जा सकता है: सीईएमसीए निदेशक

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली स्थित कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) के निदेशक डॉ. बी. शैड्रैक ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकियां शिक्षा को अधिक लचीला, व्यक्तिगत और शिक्षार्थी-अनुकूल बनाकर उसमें बदलाव ला रही हैं। शुक्रवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) के 45वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. शद्रक ने कहा कि डिजिटल शिक्षा समय, भूगोल और पहुंच की पारंपरिक बाधाओं को तोड़ रही है। किसान, गृहिणी और कामकाजी पेशेवर अब अपनी गति और सुविधा के अनुसार शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बीआरएओयू और लोकतांत्रिक शिक्षा की संभावना" विषय पर मुख्य भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि एआई-आधारित व्यक्तिगत शिक्षण शिक्षा को अधिक से अधिक अनुकूलनीय और शिक्षार्थी-केंद्रित बना रहा है। डिजिटल ओपन और डिस्टेंस लर्निंग से लागत कम हो सकती है, पाठ्यक्रम सामग्री को लगातार अपडेट किया जा सकता है और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा तक पहुंच का विस्तार किया जा सकता है। उन्होंने बीआरएओयू की मल्टी-चैनल पहलों पर प्रकाश डाला, जिनमें बीआरएओयू टीवी, हाई-बीआरएओयू डिजिटल रेडियो, आईबुक्स और एकीकृत डिजीलाइब्रेरी शामिल हैं, और कहा कि ये प्लेटफॉर्म छात्रों को ऑनलाइन या ऑफलाइन और विभिन्न उपकरणों पर सीखने की सामग्री तक पहुंचने में सक्षम बनाते हैं। बीआरएओयू के कुलपति प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि ने कहा कि विश्वविद्यालय एक पारंपरिक दूरस्थ शिक्षा संस्थान से एक डिजिटल और ऑनलाइन विश्वविद्यालय में परिवर्तित हो रहा है, जो समावेशिता और गुणवत्ता पर अपना ध्यान बनाए रखते हुए एआई और आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपना रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने हाल ही में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए "शिक्षकों के लिए एआई" नामक एक पाठ्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बीआरएओयू को डिजिटल और ऑनलाइन माध्यमों में पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति दी है।

वेतन में देरी के मामले में टीजीएचआरसी ने अधिकारियों को फटकार लगाई

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने एक सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता को वेतन भुगतान में लंबे समय तक हुई देरी और समय पर फॉर्म-16 और अन्य कर संबंधी रिकॉर्ड जारी करने में विफलता के लिए अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है।

डॉ. जस्टिस शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाले आयोग ने 28 जुलाई को यह आदेश पारित किया। शिकायतकर्ता, जिन्होंने अक्टूबर 2015 से फरवरी 2017 के बीच ग्रेटर वारंगल नगर निगम (जीडब्ल्यूएमसी) में कार्यकारी अभियंता के रूप में कार्य किया, को एक वर्ष से अधिक की देरी के बाद अक्टूबर 2018 में अपना लंबित वेतन 14.24 लाख रुपये प्राप्त हुआ।

फॉर्म-16 जारी करने, बिल-वार वेतन विवरण और टीडीएस विवरण जारी करने में हुई देरी के परिणामस्वरूप आयकर विभाग द्वारा रिटर्न दाखिल न करने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। आयोग ने पाया कि कर्मचारी के तबादले के समय सेवा रजिस्टर, अंतिम वेतन प्रमाण पत्र और अन्य अभिलेखों का समय पर हस्तांतरण आवश्यक है।

सिरपुर पेपर मिल्स के कर्मचारियों की क्रमिक भूख हड़ताल का 100वां दिन

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर पेपर मिल्स के कर्मचारियों ने कागज़नगर में अपनी क्रमिक भूख हड़ताल के 100 दिन पूरे होने पर खाना पकाया और साथ में भोजन किया। कर्मचारियों की एक संयुक्त कार्य समिति ने 19 मई को यह विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। उनकी मांग थी कि फैक्ट्री का मैनेजमेंट एक मान्यता प्राप्त मज़दूर संघ की पहचान के लिए चुनाव कराए और वेतन वृद्धि के लिए उसके साथ समझौता करे।

कर्मचारियों ने कहा कि 100 दिनों तक क्रमिक भूख हड़ताल जारी रखने के बावजूद, सरकार या मैनेजमेंट की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने भारतीय मज़दूर संघ की आलोचना की, जो अब तक जेएसी का सदस्य था, लेकिन जिसने समिति को विभाजित कर दिया और स्थानीय विधायक के समर्थन से एक अलग मंच बना लिया।

उन्होंने बीएमएस के इस कदम को विश्वासघात बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस बहाने वेतन समझौता करने की कोशिश कर रहे थे कि चुनाव का मामला अदालत के अधिकार क्षेत्र में है। वे चाहते थे कि विधायक और एमएलसी सरकार पर चुनाव तुरंत कराने के लिए दबाव डालें, अगर वे वास्तव में कर्मचारियों का कल्याण चाहते हैं।

कर्मचारियों ने कहा कि यह विधायक और एमएलसी की ज़िम्मेदारी है कि वे कर्मचारियों को समझाएं कि चुनाव टालने के बहाने बनाना कैसे उचित है। उन्होंने सवाल किया कि बीएमएस, जो अतीत में दो बार जीतने के बाद भी वेतन समझौता नहीं कर पाया था, अब बिना सत्ता के समझौता कैसे कर सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

जोहरान ममदानी का ...

बैठक में शामिल सिलिकॉन वैली की निवेशक आशा जडेजा मोटवानी ने एक्स पर कहा कि आरएसएस प्रमुख ने अंतरिक्ष से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग तक कई विषयों पर चर्चा की। उन्होंने भागवत को भारत-अमेरिका मित्रता का सच्चा हिमायती बताया। उन्होंने मैडिसिन स्क्वायर के कार्यक्रम के भी हिट होने का दावा किया।

आशा जडेजा मोटवानी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'न्यूयॉर्क में मोहन भागवत के साथ एक बेहतरीन गोलमेज बैठक हुई। उन्होंने दूरसंचार, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, पारंपरिक ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग और उद्योगों से जुड़े सवालों पर हम सभी लोगों के महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दिए। उन्होंने हमें काफी प्रभावित किया।

भागवत के साथ बातचीत के बारे में आशा ने कहा कि वह वास्तव में एकजुट भारत और एकजुट विश्व में विश्वास रखते हैं। वह धार्मिक समूहों के बीच कोई अंतर नहीं देखते हैं। उनके लिए सभी कुटुंबकम (परिवार) की तरह हैं। उनके जवाबों से हम सभी में यह विश्वास पैदा हुआ कि वह चीजों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मैं इस बैठक से इस बात को लेकर 100 प्रतिशत आश्वस्त होकर निकली हूं कि भारतीय युवा अभूतपूर्व तरीकों से बदलाव लाएंगे। आरएसएस भारतीय युवाओं के साथ मिलकर उस औपनिवेशिक ढांचे को उखाड़ने में मदद करेगा, जो देश की प्रगति की राह में बाधा है।

'युवाओं पर भागवत का विशेष ध्यान'

आशा ने कहा कि आरएसएस प्रमुख का भारतीय युवाओं की ओर विशेष झुकाव है। यह साफ दिख रहा था कि उन्हें भारतीय युवाओं पर अटूट विश्वास है और वह उस बदलाव पर भरोसा करते हैं, जिसकी मांग युवा कर रहे हैं। वह देश में युवाओं के सबसे बड़े समर्थक प्रतीत होते हैं। भारत के लिए यह बहुत सौभाग्य की बात है।

मोहन भागवत की यह गोलमेज बैठक 29 अगस्त को मैडिसन स्क्वायर गार्डन में यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन से पहले हुई है। इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (एएचईएडी) की ओर से किया जा रहा है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर और कई संगठनों के विरोध के चलते इसकी काफी चर्चा है।

वाल्मीकि निगम विवाद ...

बी नागेंद्र ने कहा कि वह भाजपा की ओर से दी जा रही 'झूठी धमकियों' से नहीं डरते और मुख्यमंत्री से मिलने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे पर बात करेंगे। नागेंद्र ने कहा, 'मैं भाजपा की झूठी धमकियों से नहीं डरूंगा। मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा। मैं मुख्यमंत्री से मिलने जा रहा हूं। मेरी वजह से पार्टी को शर्मिंदा नहीं होना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री के साथ इस मामले पर विस्तार से चर्चा करूंगा।'

महार्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम का विवाद मई 2024 में सामने आया था। निगम के लेखा अधिकारी पी. चंद्रशेखरन की मृत्यु के बाद मिले एक नोट में धन के अनधिकृत हस्तांतरण का आरोप लगाया गया था। इसके बाद जांच शुरू हुई। जांच में निगम के बैंक खाते से बड़ी रकम अलग-अलग खातों में भेजे जाने के आरोप सामने आए। उपलब्ध जांच संबंधी जानकारी के अनुसार, करीब 89.63 करोड़ रुपये के कथित अवैध हस्तांतरण की बात कही गई। कुछ रिपोर्टों में कुल कथित धन हेरफेर करीब 187 करोड़ रुपये बताया गया है। ये आरोप जांच एजेंसियों के हैं और इन पर अंतिम न्यायिक फैसला नहीं हुआ है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय, कारूआना को 15-13 से हराया

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वे जीसीटी का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को 15-13 से हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने 2 लाख डॉलर (लगभग 1.91 करोड़ रुपये) की प्राइज मनी अपने नाम की।

1.91 करोड़ रुपये की प्राइज मनी मिली

6 पॉइंट पीछे रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने की वापसी

फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से 6 पॉइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद हुए ब्लिट्ज मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने 2 पॉइंट की बढ़त बनाए रखी और 15-13 के अंतिम स्कोर के साथ पहली बार ग्रैंड चेस टूर का खिताब अपने नाम किया।

तीसरे नंबर के मैच में वेस्ली सो की जीत

तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 18-12 के अंतर से हराया। रैपिड सेक्शन में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला रहा, लेकिन वेस्ली सो ने लगातार चारों ब्लिट्ज गेम्स जीतकर एक मैच शेष रहते ही जीत तय कर ली। ग्रैंड चेस टूर दुनिया के बड़े शतरंज टूर्नामेंट की एक सीरीज है। इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी। इसमें सालभर अलग-अलग शहरों में क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज फॉर्मेट में मुकाबले खेले जाते हैं।

2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ी क्वालिफाई

इस टूर्नामेंट के फाइनल नतीजों के साथ ही अगले सीजन यानी 2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ियों ने डायरेक्ट क्वालिफाई कर लिया है। इन 3 खिलाड़ियों में चैंपियन प्रज्ञानानंदा, रनर-अप फैबियानो कारूआना और तीसरे स्थान पर रहने वाले वेस्ली सो शामिल हैं। टूर्नामेंट सिंगल-एलिमिनेशन नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया, जिसमें चार खिलाड़ियों फैबियानो कारूआना, वेस्ली सो, विंसेंट कीमर और प्रज्ञानानंदा ने हिस्सा लिया।

नीदरलैंड्स और अर्जेंटीना के बीच होगा फाइनल मुकाबला

खिताब का बचाव करने से एक कदम दूर डच टीम

एम्स्टर्डम, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नीदरलैंड्स (डच) और अर्जेंटीना शनिवार को एफआईएच महिला हॉकी वर्ल्ड कप के फाइनल में भिड़ेंगी। दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में कड़े मुकाबले के बाद जीत हासिल की है। यह 2022 के विश्व कप फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें नीदरलैंड्स ने बाजी मारी थी।

मेजबान नीदरलैंड्स ने पहले सेमीफाइनल में सह-मेजबान बेल्जियम को 1-0 से हराया, जबकि गुरुवार रात दूसरे सेमीफाइनल में अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से मात दी। एम्स्टर्डम में तीन बार की डिफेंडिंग चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में बेल्जियम को कमजोर माना जा रहा था। हालांकि, उन्होंने जबरदस्त शुरुआत की और पहले क्वार्टर में नीदरलैंड्स टीम को कड़ी टक्कर दी। हाफ-टाइम से ठीक पहले घरेलू टीम ने काउंटर-अटैक करते हुए बढ़त बनाई। 28वें मिनट में शानदार बिल्ड-अप के बाद फ्रेडरिक माटला ने एक हाथ से डिफ्लेक्शन करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

अहमदाबाद में 2036 ओलिंपिक की बोली पर चर्चा हुई गृहमंत्री अमित शाह और खेलमंत्री शामिल

अहमदाबाद, 28 अगस्त (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की तैयारियों को लेकर अहमदाबाद में गृहमंत्री अमित शाह, खेलमंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी की बैठक हुई। इस बैठक में 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए भारत की बोली पर भी चर्चा हुई। गृह मंत्रालय खेलों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, आवाजाही और दूसरे इंतजामों की निगरानी में अहम भूमिका निभाएगा।

शाह ने एक्स पर बैठक की जानकारी दी

शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा- हम इंटरनेशनल खेल आयोजनों की मेजबानी करके भारत को वैश्विक खेल स्थल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।' उन्होंने बताया की बैठक में 2029 पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी पर भी चर्चा हुई। वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स इन सभी आयोजनों से पहले अहमदाबाद में होगी। यह एक बड़ी मल्टी-गेम्स इंटरनेशनल प्रतियोगिता होगी। इसमें 70 देशों के करीब 10 हजार खिलाड़ी शामिल होंगे।

ओलिंपिक बोली पर फैसला 2029 तक संभव

कॉमनवेल्थ गेम्स दो दशक बाद भारत लौटेंगे। साल 2010 में दिल्ली ने पहली बार इसका आयोजन किया था। अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है। सांघवी खेल विभाग भी संभालते हैं, इसलिए वे इंटरनेशनल ओलिंपिक समिति के साथ होने वाली बातचीत में शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारत अभी मेजबान चुनने की प्रक्रिया के 'कंटीन्यूअस डायलॉग' चरण में है। देश की बोली पर फैसला 2029 से पहले होने की उम्मीद नहीं है।

2030 में गेम्स के 100 साल पूरे होंगे

2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स अपने 100 साल पूरे करेगा। पहला एडिशन 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर में हुआ था। भारत दूसरी बार गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले भारत ने 2010 में गेम्स की मेजबानी की थी। तब सारे इवेंट दिल्ली में हुए थे। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 बार गेम्स की मेजबानी की है। कनाडा और स्कॉटलैंड में 4 बार टूर्नामेंट खेला गया।

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम से बाहर ऑस्ट्रेलिया सीरीज नहीं खेलेंगे

बीसीसीआई के वन-वर्ल्ड कप नियम का असर; 2026 वर्ल्डकप खेल चुके

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय अंडर-19 टीम घोषित की है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को जगह मिली है। हालांकि, बीसीसीआई के नियम के नियम की वजह से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी टीम में शामिल नहीं हैं। वैभव अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में सीनियर टीम के लिए डेब्यू भी कर चुके हैं।

बीसीसीआई का अंडर-19 वर्ल्ड कप नियम

बीसीसीआई ने 2016 में खिलाड़ियों के लिए एक नियम बनाया था। इसके मुताबिक, पात्र होने के बावजूद कोई खिलाड़ी एक से ज्यादा अंडर-19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सकता है। इसी नियम के कारण वॉशिंगटन सुंदर 2018 का अंडर-19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सके थे। उनसे पहले सरफराज खान, संदीप शर्मा, विजय जोल और अन्य खिलाड़ी टूर्नामेंट के कई एडिशन में हिस्सा ले चुके थे। वैभव 2026 का अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। इसलिए वे किसी और एडिशन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी वजह से उन्हें अंडर-19 टीम की योजनाओं में शामिल नहीं किया गया।

राजकोट में 18 सितंबर से शुरू होगी सीरीज

जूनियर मेंस सिलेक्शन कमेटी ने घरेलू सीरीज के लिए टीमों का ऐलान किया है। इसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राजकोट में 50 ओवर के तीन मैच खेले जाएंगे। ये मुकाबले 18, 21 और 23 सितंबर को होंगे। इसके बाद दो रेड-बॉल मल्टी-डे मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा। दूसरा मुकाबला 5 से 8 अक्टूबर तक अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेला जाएगा।

एशियाड में क्रिकेट की बी टीमें भेज सकता है भारत

> जापान में सुविधाओं से बीसीसीआई नाराज > होटल के कमरे बेहद छोटे

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स में क्रिकेट की 'बी टीम' भेज सकता है। बोर्ड के सूत्रों के अनुसार बीसीसीआई जापान में मिलने वाली सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। खबर है कि टीम जिस होटल में ठहरने वाली है, उसके कमरे बेहद छोटे हैं। उसमें किट बैग रखने तक की पर्याप्त जगह नहीं है। भारत टूर्नामेंट के लिए मेंस और विमेंस दोनों टीमें घोषित कर चुका है। अब इनमें बदलाव पर विचार किया जा रहा है।

1. होटल के छोटे रूम

रिपोर्ट्स के अनुसार, खिलाड़ियों के ठहरने के लिए जो होटल के कमरे दिए जा रहे हैं, वे बेहद छोटे हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कमरे इतने तंग हैं कि अगर दो खिलाड़ी अपना भारी-भरकम किट बैग खोल लें तो चलने या खड़े होने तक की जगह नहीं बचती।

2. स्टेडियम 20 किमी दूर

इस बार एशियन गेम्स में खिलाड़ियों के लिए कोई अलग एथलीट विलेज नहीं बनाया गया है। स्टेडियम के पास के फाइव स्टार होटल पहले से बुक होने के कारण क्रिकेटर्स को 20 किलोमीटर दूर ठहराया जा रहा है। इससे लंबे ट्रैवल टाइम की समस्या खड़ी हो रही है।

3. क्रिकेट पिच अनटेस्टेड

मैचों के लिए 'कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क' को सिलेक्ट किया गया है, जो पहले बेसबॉल स्टेडियम था। इसे हाल ही में क्रिकेट स्टेडियम में बदला गया है। पिच और आउटफील्ड अब तक इंटरनेशनल लेवल पर सही तरीके से टेस्ट नहीं हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पर चिंता जताई है।

4. ड्रेसिंग रूम टेंट में, वॉशरुम 500 मीटर दूर

ड्रेसिंग रूम पक्के मकान की बजाय तंबुओं में बनाए गए हैं। यहां से वॉशरुम 500 मीटर दूर है, जिससे खिलाड़ियों को असुविधा हो रही है।

एसीसी ने जांच के लिए टेक्निकल टीम बनाई

सुविधाओं और पिच की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने एक टेक्निकल टीम जापान भेजने का फैसला किया है। यह टीम मैदान, प्रैक्टिस नेट्स और होटल की व्यवस्थाओं का जायजा लेगी।

क्रिकेट चौथी बार एशियन गेम्स का हिस्सा होगा

क्रिकेट एशियन गेम्स में चौथी बार शामिल किया गया है। ग्वांगझू 2010 एशियन गेम्स में क्रिकेट पहली बार शामिल हुआ था। इंचियोन गेम्स 2014 में यह शामिल रहा। हालांकि, इन मैचों को अंतरराष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया था। 2018 में गेम्स की लिस्ट से क्रिकेट बाहर कर दिया गया। चीन के हांगझोऊ गेम्स 2022 में इसकी वापसी हुई और भारत विजेता बना। 2026 में क्रिकेट चौथी बार इस गेम्स का हिस्सा होगा।

डायमंड लीग : ज्यूरिख चरण में हिस्सा नहीं लेने के बावजूद नीरज चोपड़ा को फायदा

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने ज्यूरिख डायमंड लीग में हिस्सा न ले पाने के बावजूद इस प्रतियोगिता के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। डायमंड लीग की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, नीरज के नाम के आगे 'Q' दर्ज हो चुका है, जिन्होंने दोहा और लुसाने चरणों में खेलते हुए कुल 12 अंक हासिल किए हैं। इस स्टैंडिंग में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे 39 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। डायमंड लीग का इस साल का फाइनल मुकाबला चार और पांच सितंबर को ब्रुसेल्स में खेला जाएगा।

रुमेश शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहुंचे

वेबसाइट के मुताबिक, पुरुषों के भाला फेंक इवेंट के फाइनल के लिए जिन एथलीटों ने अपनी जगह पक्की कर ली है, उनमें रुमेश, एंडरसन पीटर्स, केशोर्न वालकोट, कर्टिस थॉम्पसन और जूलियस येगो शामिल हैं। हाल ही में लुसाने

डायमंड लीग फाइनल्स में बनाई जगह

में हुए डायमंड लीग में नीरज 88.05 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे और वे मात्र नौ सेंटीमीटर के अंतर से शीर्ष स्थान से चूक गए थे। वहीं, श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए 88.14 मीटर के प्रयास के साथ वह इवेंट अपने नाम किया था। इस परिणाम के साथ नीरज की जीत का इंतजार थोड़ा और बढ़ गया है, क्योंकि उनकी आखिरी खिताबी जीत जुलाई 2025 में बंगलूरू में आयोजित नीरज चोपड़ा क्लासिक में आई थी। हालांकि, 88 मीटर के दायरे में उनकी वापसी एक बड़ा सकारात्मक पहलू है। लुसाने से पहले नीरज ने 2026 में केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था, दोहा डायमंड लीग में चौथे स्थान पर रहे थे और राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने दूसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन दोनों ही स्पर्धाओं में वे 86 मीटर का आंकड़ा नहीं छू सके थे। नौ महीने के लंबे ब्रेक के बाद जून में दोहा डायमंड लीग के जरिए वापसी करते हुए नीरज ने 85.69 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था, जिसकी बदौलत उन्होंने चौथा स्थान प्राप्त किया था। डायमंड लीग में नीरज का रिकॉर्ड शानदार रहा है, जिसमें उनके नाम पांच मीट जीत और एक फाइनल खिताब शामिल है। उन्होंने 2022 में ज्यूरिख में हुए फाइनल में 88.44 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया था और डायमंड लीग चैंपियन ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय बने थे।

शानदार फॉर्म में चल रहे हैं पथिरागे

दूसरी ओर, ज्यूरिख डायमंड लीग में श्रीलंकाई भाला फेंक खिलाड़ी रुमेश पथिरागे ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 92.07 मीटर का थ्रो फेंका और ज्यूरिख डायमंड लीग चरण के विजेता बने।

वेलावन सेंथिलकुमार ने बुडापेस्ट ओपन के फाइनल में जगह बनाई

बुडापेस्ट, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल मुकाबले में अपने हमवतन वीर चोटरानी को हराकर हंगरी की राजधानी में चल रहे 43,500 अमेरिकी डॉलर के पीएसए कॉपर टूर्नामेंट बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में सेंथिलकुमार का मुकाबला स्थानीय खिलाड़ी बालाज फरकास से होगा।

15वें पीएसए टूर फाइनल में

विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और आठवीं वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने तीसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी को 9-11, 11-8, 11-7, 1-11, 12-10 से हराकर अपने 15वें पीएसए टूर फाइनल में जगह बनाई। सेंथिलकुमार ने क्वार्टर फाइनल में मलयेशिया के विश्व के नंबर 18 और शीर्ष वरीयता प्राप्त ईन यो एनजी को 11-2, 11-9, 11-8 से हराया था। यह टूर पर सेंथिलकुमार और फरकास की तीसरी भिड़ंत होगी। हंगरी के खिलाड़ी 2019 में हुए मुकाबले में जीत हासिल की थी, जबकि भारतीय खिलाड़ी ने 2024 में जीत दर्ज की थी।

इमरान के बेटों के इंटरव्यू पर पाकिस्तान की धमकी

स्काई स्पोर्ट्स से बोला-ब्रॉडकास्ट न करें, वरना इंग्लैंड से नहीं खेलेंगे; चैनल ने 18 मिनट दिखाया

लाहोर, 28 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन विवाद हो गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट्स से पूर्व कप्तान और देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू प्रसारित न करने को कहा। बोर्ड ने इंटरव्यू दिखाए जाने पर मैच से हटने तक की चेतावनी दे दी थी।

हालांकि, पीसीबी की आपत्तियों के बावजूद तय समय पर 18 मिनट का इंटरव्यू ऑन-एयर किया। पाकिस्तान ने यह धमकी भी दी थी कि अगर इंटरव्यू को ब्रॉडकास्ट किया जाएगा तो लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी शायद मैदान में न उतरें। हालांकि, पाकिस्तान की टीम ग्राउंड पर आई और खेल जारी रहा।

'इमरान के बेटों के सामने आने से पीसीबी खुश नहीं था'

इमरान के बेटों सुलेमान और कासिम खान का इंटरव्यू इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल एथरटन ने लिया था। एथरटन उन 21 कप्तानों में शामिल हैं, जिन्होंने इमरान खान की बिगड़ती सेहत को लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। इमरान अगस्त 2023 से जेल में हैं। क्रिकइंफो और द गार्जियन समेत कई मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि टेस्ट मैच के दौरान इमरान खान के बेटों के चर्चा में आने से पीसीबी खुश नहीं था।

इमरान के जेल में होने को लेकर दो लेटर भेजे

दुनियाभर के क्रिकेट कप्तानों ने इमरान के जेल में होने को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को दो पत्र भेजे हैं। पहला पत्र फरवरी में भेजा गया था, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। दूसरी चिट्ठी 23 अगस्त को भेजी गई। इससे पहले 21 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इमरान को अस्पताल में एडमिट किया गया था, बाद में फिर अडियाला जेल भेज दिया गया।

बेटों ने पिता की जान को खतरा बताया

सुलेमान और कासिम खान ने जेल में अपने पिता की स्थिति को लेकर चिंता जताई। दोनों भाइयों ने कहा कि जेल में उनके पिता की जान को खतरा है। कासिम ने इंटरव्यू में कहा, यह साफ नहीं है कि वे (सरकार) क्या कर रहे हैं। वे खुले तौर पर उन्हें मारने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें ज्यादा से ज्यादा समय तक अंदर रखना और चुप कराना चाहते हैं। 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं। इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया। वहीं, पाकिस्तान सरकार और जांच एजेंसियां इन आरोपों को खारिज करती हैं और कहती हैं कि ये मामले कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहे हैं।

बार्सिलोना ने एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराया, राफिन्हा-लोपेज ने किए गोल

बार्सिलोना, 28 अगस्त (एजेंसियां)। ला लीगा 2026/27 सीजन की शुरुआत एफसी बार्सिलोना के लिए शानदार रही है। पहले मैच में जीत दर्ज करने के बाद बार्सिलोना ने दूसरे मुकाबले में कैंप नोउ में एथलेटिक बिलबाओ को 2-0 से हराया।

एफसी बार्सिलोना के लिए राफिन्हा (37वें मिनट) और फर्मिन लोपेज (82वें मिनट) ने शानदार गोल करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके प्रतिद्वंद्वी एथलेटिक बिलबाओ की टीम एक भी शॉट टारगेट पर नहीं मार पाई। लामिन यमल रविवार रात की तुलना में ज्यादा खतरनाक दिखे और 15 मिनट बाद एथलेटिक के गोलकीपर उनाई साइमन की परीक्षा ली। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बार्सिलोना का बॉल पर कब्जा अधिक होने के बावजूद, कैटलन क्लब को पेड्री के एक बेहतरीन मूव की जरूरत पड़ी, जिससे राफिन्हा को गोल करने का मौका मिला और ब्राजील के खिलाड़ी ने शानदार अंदाज में गोल दागा। साइमन ने दूसरे हाफ में कई शानदार बचाव किए, लेकिन 82वें मिनट में वह बार्सिलोना का दूसरा गोल नहीं रोक सके। स्पेनिश खिलाड़ी एमेरिक लापोर्टे की गलती का फायदा उठाते हुए लोपेज ने सीजन का अपना तीसरा गोल किया और बार्सिलोना की बढ़त 2-0 कर दी। गुरुवार को खेले गए मैच में सेल्टा विगो ने अच्छी शुरुआत की। इयागो एस्पस ने शुरुआती गोल करके अपनी टीम को ओसासुना के खिलाफ घरेलू मैदान पर बढ़त दिला दी। पहले हाफ में सेल्टा विगो का गेंद पर ज्यादा नियंत्रण था, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत में मैच का रुख बदल गया।

राखी बांधकर मंत्री कोंडा सुरेखा ने मुख्यमंत्री के लिए मांगी शक्ति और सफलता

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राखी पर्व के अवसर पर वन, पर्यावरण एवं देवदाय विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा ने दुनियाभर में राखी पर्व मना रहे सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मंत्री सीतक्का भी मौजूद रही। इस अवसर पर उन्होंने जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की।

मंत्री कोंडा सुरेखा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को राखी बांधी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जन सरकार बनने के बाद लगातार तीसरी बार उन्होंने मुख्यमंत्री को राखी बांधी है। पिछले तीन वर्षों से वह राखी पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ-साथ उनके पोते को भी राखी बांधती आ रही हैं। मंत्री सुरेखा ने कामना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर राज्य की सभी बहनों का आशीर्वाद और शुभकामनाएं बनी रहें। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य को सभी क्षेत्रों में विकास के पथ पर और आगे ले जाने तथा जनता को बेहतर सुशासन प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री को और अधिक शक्ति एवं सामर्थ्य प्राप्त हो। इसी तरह मंत्री ने यह भी कामना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आशीर्वाद तेलंगाना की सभी बहनों पर बना रहे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं तेलंगाना की बेटी हैं और तेलंगाना का प्रत्येक परिवार उन्हें अपने परिवार के सदस्य के रूप में अपनाता है।

मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि तेलंगाना की सभी बहनों की ओर से वह कामना करती हैं कि इस राखी पर्व के माध्यम से भाई-बहन तथा बहन-भाई के बीच का स्नेह और आत्मीयता और अधिक मजबूत हो तथा यह पवित्र रिश्ता सदैव मजबूत बना रहे।

सीएम ने ग्रैंड शतरंज टूर खिताब के लिए प्रगनानंद को बधाई दी

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सेंट लुइस, अमेरिका में ग्रैंड चेस टूर का खिताब जीतने पर भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर रमेश बाबू प्रगनानंद को बधाई दी। शुक्रवार को एक बयान में, मुख्यमंत्री ने खिताब जीतकर इतिहास रचने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बार फिर भारत की विशेषज्ञता का प्रदर्शन करने के लिए प्रग्नानंद की सराहना की। उन्होंने कहा, यह हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण है। प्रगनानंद की सफलता खिलाड़ियों और शीर्ष खिलाड़ी बनने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करती है। रेवंत रेड्डी ने आशा व्यक्त की कि प्रगनानंद भविष्य में और भी कई उल्लेखनीय विजय प्राप्त करेंगे और देश को और अधिक गौरव दिलाएंगे।

अमृतसर और हजूर साहिब नांदेड के बीच विशेष ट्रेनें चलेंगी

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अमृतसर और हजूर साहिब नांदेड के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार 04642 अमृतसर-हजूर साहिब नांदेड विशेष ट्रेन 31 अगस्त 2026 को सोमवार को अमृतसर से रात 8.10 बजे रवाना होगी और बुधवार को सुबह 11 बजे हजूर साहिब नांदेड़ पहुंचेगी। वहीं 04641 हजूर साहिब नांदेड-अमृतसर विशेष ट्रेन 6 सितंबर 2026 को रविवार को रात 9 बजे हजूर साहिब नांदेड से रवाना होगी और मंगलवार को सुबह 11.20 बजे अमृतसर पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ये विशेष ट्रेनें ब्यास, जालंधर सिटी, फगवाड़ा, लुधियाना, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, पानीपत, दिल्ली सफदरजंग, मथुरा, आगरा कैंट, ग्वालियर, झांसी, बीना, भोपाल, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड, नगरसोल, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परभणी और पूर्णा स्टेशनों पर ठहरेंगी। रेलवे ने बताया कि इन विशेष ट्रेनों में शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे उपलब्ध रहेंगे। यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से इन सेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

कानपुर सेंट्रल-मदुरै के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच विशेष ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें वारंगल और विजयवाड़ा होकर चलेंगी। 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरै विशेष ट्रेन 2 सितंबर से 25 नवंबर 2026 तक प्रत्येक बुधवार को सुबह 8.10 बजे कानपुर सेंट्रल से रवाना होगी और शुक्रवार को सुबह 7.15 बजे मदुरै पहुंचेगी। इसी प्रकार 01926 मदुरै—कानपुर सेंट्रल विशेष ट्रेन 5 सितंबर से 28 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शनिवार को रात 2.30 बजे मदुरै से रवाना होगी और सोमवार को सुबह 4.30 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में विशेष ट्रेनें पोखरायन, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ललितपुर, बीना, भोपाल, इटारसी, नागपुर, चंद्रपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, रामागुंडम, वारंगल, खम्मम, विजयवाड़ा, तेनाली, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेणिगुंटा, काटपाड़ी, जोलारपेट्टई, सलेम, नमक्कल, करूर और डिंडीगुल स्टेशनों पर ठहरेंगी। इन विशेष ट्रेनों में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी अर्थव्यवस्था, शयनयान तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे उपलब्ध रहेंगे। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से इन विशेष सेवाओं का संचालन करने की जानकारी दी है।

देवदुर्गा स्वर्ण-तांबा ब्लॉक में खनिज अन्वेषण में तेजी लाने का निर्देश

डिप्टी सीएम ने कर्नाटक की हुट्टी स्वर्ण खदानों का दौरा किया

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे कर्नाटक के देवदुर्गा गोल्ड-कॉपर ब्लॉक में खनिज अन्वेषण गतिविधियों में तेजी लाएं, जिसे सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने नीलामी के माध्यम से हासिल किया है। भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को कर्नाटक की हुट्टी स्वर्ण खदानों का दौरा किया और खदान के दृष्टिकोण से स्वर्ण अयस्क निष्कर्षण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से यह भी पूछा कि वर्तमान में स्वर्ण अयस्क किस गहराई पर निकाला जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एससीसीएल द्वारा हासिल किया गया देवदुर्गा अन्वेषण ब्लॉक हुट्टी गोल्ड माइंस के निकट स्थित है, और इसकी निकटता को हुट्टी गोल्ड माइंस की विशेषज्ञता और अनुभव का लाभ उठाने के लिए एक बड़ा अवसर बताया।

उन्होंने अधिकारियों को देवदुर्गा परियोजना के लिए हुट्टी गोल्ड माइंस की तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करने और ब्लॉक में खनिज भंडारों की मात्रा और गुणवत्ता निर्धारित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाकर अन्वेषण में तेजी लाने का निर्देश दिया।

भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को गतिविधियों के अगले चरण के लिए अग्रिम योजना तैयार करने का भी निर्देश दिया ताकि यदि अन्वेषण से उत्साहजनक परिणाम प्राप्त होते हैं तो काम तुरंत शुरू किया जा सके। उन्होंने एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धा प्रकाश ज्योति को निर्देश दिया कि वे देवदुर्गा में स्थापित किए जाने वाले सिंगरेणी साइट कार्यालय के उद्घाटन के लिए जल्द से जल्द सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करें। एससीसीएल के निदेशक (योजना एवं परियोजना) वेंकटेश्वरलू, महाप्रबंधक पंकज कुलश्रेष्ठ, रायचूर जिला परिषद सदस्य अमजद और हुट्टी गोल्ड माइंस के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस दौरे में भाग लिया।

रेलवे की व्यापक टिकट जांच, 13,964 यात्री बिना टिकट पकड़े गए

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। त्योहार और अवकाश के मौसम में अनधिकृत यात्रा पर रोक लगाने तथा वैध टिकट वाले यात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के वाणिज्य विभाग ने 24 से 26 अगस्त तक पूरे रेल क्षेत्र में तीन दिवसीय सघन टिकट जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान पूरे दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्राधिकार में ट्रेनों की गहन जांच की गई। बिना टिकट या अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों, बिना बुक कराए सामान ले जाने वालों के साथ रेलवे परिसर में धूम्रपान करने, गंदगी फैलाने और अनधिकृत रूप से सामान बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जांच के दौरान 13,964 यात्रियों को बिना टिकट या अनियमित यात्रा करते हुए पकड़ा गया, जबकि बिना बुक कराए सामान ले जाने वाले 1,189 यात्री भी पकड़े गए। इन मामलों से रेलवे ने कुल 1.28 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। रेलवे परिसर में गंदगी फैलाने के मामले में 37 यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे 6,400 रुपये जुर्माना वसूला गया। वहीं 5 अनधिकृत विक्रेताओं पर कार्रवाई करते हुए 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। रेलवे परिसर में धूम्रपान करते पाए गए 7 यात्रियों से 14,000 रुपये जुर्माना वसूला गया। अभियान के दौरान टिकट जांच कर्मचारियों ने यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के महत्व और विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने की जानकारी दी। धूम्रपान से ट्रेनों और रेलवे परिसरों में आग लगने के खतरे के प्रति भी यात्रियों को जागरूक किया गया। यात्रियों से रेलवे परिसरों और ट्रेनों में गंदगी न फैलाने तथा स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई। दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों से वैध टिकट के साथ यात्रा करने, टिकट जांच कर्मचारियों के साथ सहयोग करने, रेलवे नियमों का पालन करने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सघन टिकट जांच अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए वाणिज्य विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि टिकट जांच बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के साथ-साथ वैध यात्रियों की सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने तथा रेलवे परिसरों एवं ट्रेनों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नेपाल में भारतीय मूल के आठ अमेरिकी नागरिक लापता, परिवारों ने अपील की

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेपाल-तिब्बत सीमा पर विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बीच नेपाल में अपने परिवार से संपर्क टूटने के बाद, भारतीय मूल के आठ अमेरिकी नागरिकों के परिवारों ने तत्काल मदद की अपील की है , जिनमें से अधिकांश की जड़ें तेलंगाना और कर्नाटक में हैं। कैलाश पर्वत - मानसरोवर की ओर जा रहे इस समूह से आखिरी बार 26 अगस्त को सुबह लगभग 8.30 बजे नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवागढ़ी आव्रजन कार्यालय के पास संपर्क हुआ था। लापता व्यक्तियों की पहचान लक्ष्मीनाथ गोपीसेट्टी, सुधींद्र यपालपर्वी, सुधीर रंगू, केशव राव ताड़ीपात्री, विवेक शंकर श्रीवास्तव, वेंकटरमण बालासुब्रमण्यम, बेंगलुरु के वेंकटकृष्ण, रघुनाथ राव और कृति कुमार आचार्य के रूप में की गई है। परिवारों ने कहा कि बार-बार प्रयास करने के बावजूद वे संपर्क स्थापित करने में असमर्थ रहे हैं और उन्होंने भारत सरकार, नेपाल में भारतीय दूतावास, नेपाली अधिकारियों, आव्रजन अधिकारियों और यात्रा में शामिल ट्रैवल एजेंसी से तत्काल सहायता मांगी है। 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन से रसुवागढ़ी क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसमें सैकड़ों लोगों के मारे जाने या लापता होने की खबर है और बचाव अभियान जारी है।

कार कुएं में गिरी; महिला की मौत, तीन घायल

हनमकोंडा, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के भीमदेवरपल्ली मंडल के मंगलपल्ली इलाके के बाहरी हिस्से में एक बेकाबू कार खुले कुएं में गिर गई, जिससे एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, करीमनगर ज़िले के सैदापुर मंडल के बोम्माकल गांव के रहने वाले एलुरी रविंदर रेड्डी, एलुरी वीरा रेड्डी, एलुरी किरण और एलुरी राधा (61) सिद्दिपेट के हुस्नाबाद मंडल के पोथाराम में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह के बाद जब वे कार से अपने गांव लौट रहे थे, तो मंगलपल्ली के बाहरी इलाके में गाड़ी बेकाबू हो गई और सड़क किनारे बने खेती के सूखे कुएं में गिर गई। इस हादसे में राधा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार अन्य तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से उन्होंने बचाव कार्य किया और महिला का शव तथा घायल लोगों को बाहर निकाला, जिन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

श्री नागोबा मंदिर में मेसराम समुदाय ने 'नोवांग' रस्म मनाई

आदिलाबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को इंद्रवेल्ली मंडल के केसलापुर गाँव में श्री नागोबा मंदिर परिसर में मेसराम समुदाय ने 'नोवांग' (नई कटी फ़सल के अनाज की पूजा) मनाया।

इंद्रवेल्ली और आस-पास के गाँवों के मेसराम समुदाय के लोग मंदिर में इकट्ठा हुए। उन्होंने पूजा-अर्चना की और उत्सव के हिस्से के तौर पर अनाज से बना 'नैवेद्य' अपने देवताओं को चढ़ाया। उन्होंने कहा कि वे फ़सल का सेवन तभी करते हैं जब उसे देवता को अर्पित कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि वे भोजन देने के लिए प्रकृति का आभार व्यक्त करने के मकसद से दशकों से यह रस्म निभाते आ रहे हैं। इस धार्मिक आयोजन में नागोबा मंदिर के धर्मगुरु मेसराम वेंकट राव, बुजुर्ग बदिराव, पुजारी कोसेराव, प्रमुख दादी राव, चिन्नु पटेल और केसलापुर के पूर्व सरपंच नागनाथ शामिल हुए।

अपराध नियंत्रण के लिए आंकड़ा आधारित रणनीति अपनाए पुलिस : सीवी आनंद

डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने पुलिस अधिकारियों को अपराध नियंत्रण और जांच में पेशेवर मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में सभी पुलिस इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित छमाही अपराध समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि अपराध समीक्षा केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि प्रत्येक अपराध के कारण, अपराधियों के तौर-तरीकों, जांच की गुणवत्ता और मामलों के निपटारे का गहन विश्लेषण किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सामूहिक प्रयासों से अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली के आंकड़ों को अद्यतन करने की दर 70-80 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने मासिक अपराध समीक्षा बैठकों को प्राथमिकता देने तथा क्षेत्रीय स्तर पर मूलभूत पुलिसिंग व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। राज्य में 2023-24 से 2025-26 के बीच कुल अपराधों में 7.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मामले 2,65,377 से बढ़कर 2,84,363 हो गए। मादक पदार्थों से जुड़े मामले 46.10 प्रतिशत बढ़कर 2,960 हो गए, जबकि संगठित अपराध के मामले 25 से बढ़कर 451 हो गए। यातायात अपराधों में भी 9.48 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत गंभीर अपराधों में 10.33 प्रतिशत की कमी आई और मामले 7,019 से घटकर 6,294 रह गए। साइबर अपराध 13.29 प्रतिशत तथा आर्थिक अपराध 13.28 प्रतिशत घटे। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी मामूली 1.54 प्रतिशत कमी दर्ज हुई।

डीजीपी ने मादक पदार्थों और संगठित अपराध पर विशेष निगरानी, उभरती अपराध प्रवृत्तियों की समय रहते पहचान और आवश्यक कार्रवाई योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पुलिसिंग, अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क, तेलंगाना पुलिस तकनीकी मंच तथा अन्य डिजिटल प्रणालियों की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में कानून-व्यवस्था महानिदेशक महेश भागवत, केंद्रीय सुरक्षा शाखा निदेशक शिखा गोयल, महिला सुरक्षा एवं अपराध जांच विभाग की महानिदेशक चारु सिन्हा, ईगल निदेशक संदीप शांडिल्य, सभी पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल की टक्कर से 79 साल के रिटायर्ड टीचर की मौत

हैदराबाद, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद के पेड्डाशापुर के पास सड़क पार करते समय मोटरसाइकिल की टक्कर लगने से 79 साल के एक रिटायर्ड टीचर की मौत हो गई। मृतक का नाम मल्लेपल्ली भिक्षपति था, जो 70 से ज़्यादा उम्र के थे और शमशाबाद मंडल के पेड्डाशापुर गाँव के रहने वाले थे।

पुलिस के अनुसार, भिक्षपति सुबह करीब 8:30 बजे अपने घर से शादनगर के लिए निकले थे, जहाँ उनका बेटा घर बनवा रहा था।

सुबह करीब 8:40 बजे, जब वह पेड्डाशापुर बस स्टॉप के पास सड़क पार कर रहे थे, तो कोथुर से शमशाबाद की ओर जा रही एक काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल ने उन्हें दाईं ओर से टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल चलाने वाला तेज़ रफ़्तार में और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। मोटरसाइकिल पर कोई रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट नहीं थी।

50 राइस मिलर्स ने 700 करोड़ रुपये के सीएमआर में गड़बड़ी की

निर्मल, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मामले दर्ज होने के बावजूद, ज़िले के कुछ राइस मिलर्स कस्टम-मिल्ड राइस (सीएमआर) को ब्लैक मार्केट में भेजकर भारी मुनाफ़ा कमा रहे हैं।

ताज़ा मामले में, ज़िले के कुल 76 मिलर्स में से लगभग 50 मिलर्स पर 2023 और 2024 सीज़न के सीएमआर में गड़बड़ी का आरोप है। इस चावल की कीमत लगभग 700 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सरकार द्वारा दिए गए धान के स्टॉक और सप्लाई किए गए चावल की फिजिकल वेरिफिकेशन (भौतिक जांच) के दौरान यह हेराफेरी सामने आई।

बड़े पैमाने पर हो रही इस कथित हेराफेरी को देखते हुए, विजिलेंस और एनफोर्समेंट विभागों के अधिकारियों ने पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर ऑडिट और फिजिकल वेरिफिकेशन शुरू किया। अधिकारियों को मिलर्स द्वारा चावल की हेराफेरी का पता चला। उन्होंने ज़िले के अलग-अलग हिस्सों में दोषी मिलर्स के ख़िलाफ़ कार्रवाई शुरू की।

अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में पहले ही छह मिलर्स को गिरफ़्तार किया जा चुका है और उनके ख़िलाफ़ आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुडहोल और लोकेश्वरम मंडलों में हेराफेरी के सबसे ज़्यादा मामले सामने आए। उन्हें शक है कि मिलर्स ने चावल पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में भेज दिया होगा।

अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में लोकेश्वरम मंडल के साथगाँव गाँव में एक मिलर के ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया गया, जिसने 8.50 करोड़ रुपये का चावल नहीं सौंपा, और एक अन्य मिलर के ख़िलाफ़ 10.61 करोड़ रुपये के सीएमआर में गड़बड़ी करने का मामला दर्ज किया गया। कुछ दिन पहले स्वर्ण गाँव में 25.18 करोड़ रुपये की कीमत के चावल को दूसरी जगह भेजने (डायवर्ट करने) के आरोप में एक और मिल मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

बुधवार को, खानापुर की पूर्व विधायक अजमीरा रेखा नाइक के खिलाफ सीएमआर के तहत आवंटित धान को दूसरी जगह भेजने के आरोप में मामला दर्ज किया गया। डायवर्ट किए गए धान की कीमत 40.96 करोड़ रुपये आंकी गई थी। नगर गाँव में स्थित दो अन्य मिलें भी 47 करोड़ रुपये के चावल के मामले में गड़बड़ी करने में शामिल थीं।

इस बीच, विजिलेंस और एनफोर्समेंट अधिकारियों की छापेमारी और आपराधिक मामले दर्ज होने के बाद आरोपी मिल मालिक फरार बताए जा रहे हैं।

खबरों के अनुसार, वे मामलों और गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने मोबाइल फोन बंद रखे हुए हैं। तेलंगाना में चावल डायवर्ट करने के आरोप में 72 मिल मालिकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जबकि 32 मिल मालिकों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। 46 आरोपी मिल मालिकों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

टीटीडी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं : टीटीडी अध्यक्ष

तिरुमला, 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बीआर नायडू ने कहा कि टीटीडी अस्पतालों में बेहतर और अधिक उन्नत चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। एसवीआईएमएस के नव नियुक्त निदेशक डॉ. गुदारु जगदीश ने गुरुवार को तिरुमाला स्थित टीटीडी के कैंप कार्यालय में टीटीडी अध्यक्ष से औपचारिक मुलाकात की। अध्यक्ष ने उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी। बाद में मीडिया से बात करते हुए, टीटीडी बोर्ड के प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के निर्देशों के अनुसार डॉ. जगदीश को एसवीआईएमएस के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में एसवीआईएमएस चिकित्सा देखभाल के उच्च मानकों को प्राप्त करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चों के लिए सुपर स्पेशियलिटी हार्ट केयर अस्पताल का उद्घाटन भी शीघ्र ही किया जाएगा। डॉ. जगदीश ने कहा कि अस्पताल का विकास मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप और टीटीडी अध्यक्ष बीआर नायडू और कार्यकारी अधिकारी रविचंद्र के मार्गदर्शन में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिरुपति को एक एकीकृत चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने और गरीब मरीजों पर बोझ कम करने के लिए एनटीआर वैद्य सेवा सेवाओं का विस्तार करने के प्रयास किए जाएंगे।

तीन दशक का इंतजार खत्म होगा

विजयवाड़ा , 28 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से लगभग पांच दशक पहले परिकल्पित पूला सुब्बैया वेलिगोंडा परियोजना पूरी हो चुकी है और 31 अगस्त को इसका उद्घाटन होने वाला है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, जिन्होंने 1996 में गोट्टीपाडिया में आधारशिला रखी थी, एक उल्लेखनीय संयोग से पूर्ण परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इस परियोजना के तहत कृष्णा नदी के बाढ़ के पानी को श्रीशैलम जलाशय से नल्लामाला पहाड़ियों के नीचे बनी दोहरी सुरंगों के माध्यम से नल्लामाला सागर जलाशय में मोड़ा जाएगा। इसे कृष्णा नदी के 43.50 टीएमसी बाढ़ के पानी का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें दोनों सुरंगों की संयुक्त जल निकासी क्षमता 11,581 क्यूसेक है। इस परियोजना से प्रकाशम, नेल्लोर और कडप्पा जिलों के 30 मंडलों में 4.47 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई का लाभ मिलने और लगभग 15.25 लाख लोगों को पीने का पानी मिलने की उम्मीद है। बुनियादी ढांचा निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एमईआईएल ने सुरंग-1 में 3.6 किमी और सुरंग-2 में 7.575 किमी सहित 11.175 किमी शेष सुरंग की खुदाई पूरी कर ली है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.